



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 23]  
No. 23]

नई दिल्ली, शनिवार, जून 7, 1975 (ज्यैष्ठ 17, 1897)  
NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 7, 1975 (JYAISTHA 17, 1897)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह असंग्रह संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड 1

### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संसद और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India

#### संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 15 अप्रैल 1975

सं० पी० 282-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड-I के स्थायी अधिकारी तथा स्थानापन्न उप सचिव श्री आर० के० जी० राव की मंत्रिमंडल कार्य विभाग में आंतरिक वित्तीय सलाहकार (उप सचिव) के पद पर नियुक्ति हो जाने के परिणामस्वरूप उन्हें 15 अप्रैल, 1975 के अपराह्न से कार्यभार से मुक्त किया गया है।

सं० पी० 767-प्रशा० I—संघ लोक सेवा आयोग में अवर सचिव श्री जे० वी० राव की जहाजरानी और परिवहन मंत्रालय नई दिल्ली में उप सचिव के पद पर नियुक्ति हो जाने के कारण उन्हें 15 अप्रैल, 1975 के अपराह्न से कार्यभार से मुक्त कर दिया गया है।

दिनांक 16 अप्रैल 1975

सं० ए० 32013/1/75-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री आर० आर० अहीर ने, जिन्हें इस कार्यालय की अधिसूचना सं० ए० 32013/1/75-प्रशा०-I दिनांक 19 मार्च, 1975 द्वारा उक्त सेवा के ग्रेड-I में स्थानापन्न आधार पर कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, 27 मार्च, 1975 के अपराह्न से संघ लोक सेवा आयोग में अवर सचिव के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

1-9601/75

2. अपने प्रत्यावर्तन के बाद श्री आर० आर० अहीर ने 27 मार्च, 1975 के अपराह्न से अनुभाग अधिकारी, संघ लोक सेवा आयोग के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 12 मई 1975

सं० पी०/1854-प्रशा०-I—भारतीय डाक सेवा के अधिकारी श्री एस० एन० बाजपे को 3 मई, 1975 के पूर्वाह्न से आगासी आदेश तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है।

पी० एन० मुखर्जी,  
अवर सचिव,

नई दिल्ली-110011, दिनांक 22 अप्रैल 1975

सं० ए० 12022/2/74-प्रशा०-I—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के चयन ग्रेड के स्थायी अधिकारी तथा स्थानापन्न परीक्षा नियंत्रक श्री डी० आर० कोहली को संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 1 मार्च, 1975 के पूर्वाह्न से 31 दिसम्बर, 1975 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए डा० डी० एस० कोठारी की अध्यक्षता में स्थापित भर्ती नीति एवं चयन पद्धति समिति के सचिव के पद पर कार्य करते रहने की अनुमति सहर्ष प्रदान की जाती है।

पी० एन० मुखर्जी,  
अवर सचिव  
कृते अध्यक्ष

(4313)

सं० ए० 32013/1/75-प्रशा०-1--संघ लोक सेवा आयोग  
में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के  
स्थायी अधिकारी श्री बी० एन० एड्डी को, राष्ट्रपति द्वारा  
14-3-75 से 13-6-1975 तक तीन मास की अवधि के लिए  
अथवा नियमित अधिकारी के आने तक जो भी पहले हो, उक्त सेवा  
के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता  
है।

सं० ए० 32013/1/75-प्रशा०-1—सब लोक सेवा आयोग केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री टी० एन० चन्ना को राष्ट्रपति द्वारा 14-3-75 से 9-5-75 तक के लिए उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32013/1/75-प्रशा०-I—सब लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड के स्थायी अधिकारी श्री आर० पी० सतकर्तारिया को, राष्ट्रपति द्वारा 1-3-75 से 30-4-75 तक 2 मास की अवधि के लिए उक्त सेवा के ग्रेड-I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

सं० ए० 32013/1/75-प्रशा०-I —सब लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अनुभाग अधिकारी ग्रेड की स्थायी अधिकारी कुमारी एस० टी० केसवानी को, राष्ट्रपति द्वारा 3-3-1975 से 9-3-1975 तक 7 दिन की अवधि के लिए उक्त सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

पी० एन० मुखर्जी,  
अवर सचिव  
(प्रशासन प्रभारी)

मंत्रिमंडल सचिवालय  
(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 26 अप्रैल 1975

सं० ए०-20014/13/75-प्रशा०-I—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा सर्व श्री राजेन्द्र प्रसाद तथा जी० एस० चौहान पुलिस उप-निरीक्षक (बम्बई शाखा) की उनकी प्रोन्नति होने पर, दिनांक 18-3-1975 (अपराह्न) से अगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग, बम्बई शाखा में अस्थायी रूप से पुलिस निरीक्षक नियुक्त करते हैं।

गुलजारी लाल अग्रवाल,  
प्रशासन अधिकारी (स्था०)  
कृते पुलिस उप-महानिरीक्षक  
विशेष पुलिस स्थापना

नई दिल्ली दिनांक 28 अप्रैल 1975

सं० पी० एफ०/एच०-56/70-प्रशा-I—निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में पुलिस निरीक्षक के रूप में प्रति नियुक्त पश्चिम बंगाल राज्य पुलिस के अधिकारी श्री एच० एन० पाल को दिनांक 16-2-1975 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, कलकत्ता में अपने पद के कार्य भार से मुक्त कर दिया गया है। उन्हें दिनांक 16-2-1975 से 107 दिन की अस्वीकृत छुट्टी प्राप्य होगी।

सं० आर० 12/72-प्रशासन-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्त श्री आर० शेखर, भारतीय पुलिस सेवा (राजस्थान) को दिनांक 7-4-1975 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए अस्थायी रूप से स्थानापन्न पुलिस उप-महानिरीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, नियुक्त करते हैं।

दिनांक 1 मई 1975

सं० ए०-20023/2/75-प्रशासन-5—पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्द्वारा श्री जयदेव प्रसाद को दिनांक 29 मार्च, 1975 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए अस्थायी रूप से लोक-अभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, अम्बाला शाखा, के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 3 मई 1975

सं० ए० 19036/7/75-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक वि० पु० स्थापना, एतद्द्वारा, श्री वी० आर० नवाटे, स्थायी पुलिस निरीक्षक, के० अन्वेषण ब्यूरो/आर्थिक अपराध संकंध बम्बई को दिनांक 19-4-75 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो/विशेष पुलिस स्थापना में स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 6 मई 1975

सं० ए० 19021/5/75-प्रशासन-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से केरल संवर्ग के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी श्री आर० पद्मनाभन को प्रतिनियुक्ति पर दिनांक 10-4-1975 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में पुलिस अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 15 मई 1975

सं० ए०-9/65-प्रशासन-5—स्थापान्तरण हो जाने पर, श्री ए० सी० दास, पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, रांची ने दिनांक 28-2-1975 के अपराह्न में अपने पद का कार्य-भार त्याग दिया।

श्री ए० सी० दास, पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने दिनांक 13-3-1975 के पूर्वाह्न में पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, सी० आई० ए० (II), नई दिल्ली के पद का कार्य-भार सम्भाला।

गुलजारी लाल अग्रवाल  
प्रशासन अधिकारी (स्था०)

प्रवर्तन निदेशालय

नियुक्ति

नई दिल्ली, दिनांक 4 अप्रैल 1975

फा० सं० ए०-11/3/75—श्री आर० एस० पाठक, निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क अहमदाबाद को प्रवर्तन निदेशालय के अगला उप-क्षेत्रीय कार्यालय में दिनांक 25-3-1975 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक के लिए प्रवर्तन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 19 अप्रैल 1975

फा० सं० ए०-11/4/75—श्री जयन्ती प्रसाद, पुलिस निरीक्षक, दिल्ली को प्रवर्तन निदेशालय के दिल्ली क्षेत्रीय कार्यालय में प्रतिनियुक्ति पर दिनांक 4-4-1975 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक के लिए प्रवर्तन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न के रूप में नियुक्त किया जाता है।

नूपेन बक्षी,  
उप-निदेशक

(गृह मंत्रालय)

महानिरीक्षक का कार्यालय  
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल  
नई दिल्ली-110003, दिनांक 21 अप्रैल 1975

सं० ई०-17017/6/74-प्रशा० I—राष्ट्रपति, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल अधिनियम, 1968 की धारा 4 की उपधारा (1) के अनुसार श्री एस० बी० वाग, अग्निशमन अधिकारी, मिश्रधातु इस्पात संयंत्र, दुर्गापुर, को दिनांक 23 मार्च, 1975 से आनाथी आदेश जारी होने तक के० औ० सु० ब० मिश्रधातु इस्पात संयंत्र, दुर्गापुर का पदन-सहायक कमान्डेंट नियुक्त करते हैं।

दिनांक अप्रैल 1975

सं० ई० 16014(1)/2/74 प्रशा०—बिहार राज्य पुलिस से स्थानान्तरित होने पर, श्री ब्रिजय सिन्हा ने दिनांक 15 अप्रैल 1975 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, भारत कोकिंग कोल लिमिटेड, झरिया, के कमान्डेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-110001, दिनांक अप्रैल 1975

सं० एफ० 3/22/74-ईस्ट (सी० आर० पी० एफ०)—राष्ट्रपति निम्नलिखित सहायक कमान्डेंटों को उनकी तदर्थ पदोन्नति के फलस्वरूप आगामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स में कमान्डेंट के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

2. इन अधिकारियों के पद स्थापन स्थान और उनके पद छोड़ने तथा ग्रहण करने की तिथियां उनके नामों के सामने दी गई है :—

सं० नं० नाम	पद तथा यूनिट जिसका कार्यभार छोड़ा	पद छोड़ने की तिथि	पद तथा बटालियन जिसका कार्यभार सम्भाला	पद ग्रहण करने की तिथि
1	2	3	4	5
1. श्री एन० एस० ठाकरे	सहायक कमान्डेंट ग्रुप सेक्टर पुना	5-2-1975 (अपराह्न)	कमान्डेंट 42 बटालियन	15-2-1975 (पूर्वाह्न)
2. श्री एम० के० मुकर्जी	सहायक कमान्डेंट 27 बटालियन	12-3-1975 (पूर्वाह्न)	कमान्डेंट 26 बटालियन	14-3-1975 (अपराह्न)
3. श्री एम० एम० खान	सहायक कमान्डेंट जे० ए० डी० (पी०) महानिदेशालय	21-2-1975 (पूर्वाह्न)	कमान्डेंट 15 बटालियन	1-3-1975 (पूर्वाह्न)
4. श्री आर० एस० गील	सहायक कमान्डेंट 11 बटालियन	15-3-1975 (अपराह्न)	कमान्डेंट 14 बटालियन	16-3-1975 (अपराह्न)
5. श्री स्वर्ण सिंह	सहायक कमान्डेंट/वाईस प्रिन्सिपल आर० टी० सी० I	24-3-1975 (पूर्वाह्न)	कमान्डेंट 22 बटालियन	5-4-1975 (पूर्वाह्न)
6. श्री एस० बी० लाल	सहायक कमान्डेंट 3 सिगनल बटालियन	14-3-1975 (अपराह्न)	कमान्डेंट 2 सिगनल बटालियन	21-3-1975 (पूर्वाह्न)

एस० एन० माथुर,  
सहायक निदेशक (प्रशासन)

दिनांक 5 मई 1975

सं० ई०-38013(3)/1/75-प्रशा० I—बी० सी० सी० एल०, झरिया को स्थानान्तरित होने पर, श्री एस० के० चड्ढा ने, दिनांक 9 अप्रैल 1975 के अपराह्न से, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, भिलाई स्टील प्लांट, भिलाई, के सहायक कमान्डेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 7 मई 1975

सं० ई० 38013(3)/1/75-प्रशा० I—भिलाई से स्थानान्तरित होने पर, श्री एस० के० चड्ढा ने दिनांक 18 अप्रैल 1975 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, भारत कोकिंग कोल लिमिटेड, झरिया, के सहायक कमान्डेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

एल० एस० बिष्ट,  
महानिरीक्षक

सरदार वल्लबभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी

हैदराबाद, दिनांक 1975

सं० 41/12/70-स्थापना—सीमा सुरक्षा दल में उप महानिरीक्षक के पद के चयन के फलस्वरूप मध्य प्रदेश कैडर के भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी श्री ए० ए० अली ने, सरदार वल्लबभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी, हैदराबाद के सहायक निदेशक के पद का कार्यभार 19-4-1975 के अपराह्न को सौंपा।

हरपाल सिंह,  
उप निदेशक (प्रशासन)



## प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 21-10-1974

सं० आर० ए० सी० 36/74-75 यतः मुझे एस० बाल सुब्रमण्यम् आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 1-7-10 बकारा है, जो मुशीराबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 30-9-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री मीर लियाखन अली खान पुत्र मीर अहमद अली खान और अन्य छः व्यक्ति 10-2-287 शान्तीनगर, हैदराबाद (अन्तरक)
2. श्री एन० जयकृष्णा पुत्र एन० टी० रामाराव अन्य सात व्यक्ति या 4-1-427 हैद्रुप बाजार हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

सम्पत्ति:—“डोघी बुक” नमक पूरी मकान और नौकरों के मकानात और अन्य खुली जमीन जो पूरब की नजीक दिवार से घिरा हुआ है जिसका कुल क्षेत्रफल 6829.285 वर्ग मीटर है जिसका नगर नं० 1-7-10 जो बकाराम मुशीराबाद हैदराबाद में स्थित है।

एस० बाल सुब्रमण्यम्  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख:— 21-10-74

मोहर:—

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 8-10-74

निर्देश सं० अर्जन/180/कानपुर 1864 यतः मुझे आई० खोखर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 122-/236 है जो फमलगंज, कानपुर में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-8-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या-धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गंगाप्रसाद जायसवाल वल्लद बहादुर राम साह साकिन 85/40 कीपर गंज, कानपुर (अन्तरक)

2. श्री यशपाल सिंह जसवीर सिंह, व प्रीतम सिंह (अन्तरिती) वल्लद स० ज्ञान सिंह व श्रीमती सुमित्रा देवी पत्नी स० ज्ञान सिंह साकिन 105/702 आनन्दबाग, कानपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद नं० 122/236 ई० जिसका क्षेत्रफल 1260 वर्ग गज है, जोकि फमलगंज कानपुर में स्थित है जिसका हस्तान्तरण 31500/- में हुआ।

आई० खोखर,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख:—8-10-74

मोहर:—

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 अक्टूबर 1974

निर्देश सं० अर्जन/मु० नगर/74-75/1894/180—यतः,  
मुझे, आई० खोखर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपये से अधिक है

जो सुखबीर सिन्हा पार्क, 9, सिविल लाइन, मुजफ्फर नगर में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फर नगर  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन दिनांक 12-9-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित  
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत  
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को वास्तव आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) या धनकर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
या छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. ला० हरीराज स्वरूप पुत्र ला० सुखवीर सिन्हा, रामबाग,  
मुजफ्फर नगर ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स स्वरूप वेजिटेबिल प्राइवेट्स इण्डस्ट्रीज लि०,  
मंसूरपुर जिला मुजफ्फरनगर द्वारा श्री श्याम सुन्दर गर्ग  
सेक्रेटरी ।

(अन्तरिती)

किरायेदार :—

3. सुखबीर सिन्हा पार्क, 9, सिविल लाइन, मुजफ्फर नगर ।

- (1) श्री खेलाराम पुत्र श्री भोगाराम,
- (2) श्री लालचन्द्र पुत्र श्री तोपनदास,
- (3) श्री श्रोमप्रकाश पुत्र श्री हंसराज,
- (4) श्री हंसराज बोधराज,
- (5) श्री रामचन्द्र पुत्र श्री भोगाराम
- (6) श्री देवराम पुत्र श्री तुलसी राम,
- (7) श्री प्यारेलाल पुत्र श्री जुआराम,
- (8) श्री श्रोमप्रकाश पुत्र श्री भोगाराम,
- (9) श्री टेक चन्द्र पुत्र श्री रामचन्द्र,
- (10) श्री किशनचन्द्र पुत्र श्री गुरुदत्तमल,
- (11) श्री बाबूराम चमनलाल पुत्र श्री जीवनदास,
- (12) श्री सोहनलाल पुत्र श्री शिव चरन दास,
- (13) श्री शामलाल पुत्र श्री हरिचन्द्र,
- (14) श्री दीवान चन्द्र,
- (15) श्री अफजल अहमद नफीस खां,
- (16) श्री प्रेमचन्द्र पुत्र श्री आशाराम,
- (17) श्री राममोहन पुत्र श्री ताराचन्द्र,
- (18) उप पोस्ट मास्टर कचेहरी मुजफ्फरनगर,
- (19) श्री मदनलाल पुत्र श्री सोमनाथ,
- (20) श्री अब्दुल रहमान पुत्र श्री अब्दुल अजीज,
- (21) यू० पी० स्टील्स लिमिटेड द्वारा श्री ब्रह्म स्वरूप  
चेयरमैन, मुजफ्फरनगर । (वह व्यक्ति जिनके अधिभोग  
में सम्पत्ति है)

## 4. सह स्वामी :—

## अनुसूची

सुखबीर सिन्हा पार्क, 9, सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर।

श्रीमती वेद बती स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री गोपाल राज स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री माधव कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),

श्री अरुण कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),

श्रीमती विद्यावती स्वरूप (व्यक्तिगत) पत्नी श्री हरी राज स्वरूप,

श्री ब्रह्मा स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्रीमती ज्योत्सना स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री गोविन्द स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री श्रवण कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),

श्री प्रभात कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),

श्री केशव कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार)।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अचल सम्पत्ति के 1/48 भाग का, जो सुखबीर सिन्हा पार्क, सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर, उ० प्र० नाम से प्रचलित है, का विवरण :—

ए० — (1) एक मंजिला और कुछ भाग में दो मंजिला कोठी जिसमें नौकरों के कमरे, गैरिजिज, गोशाला आदि 4,000 वर्ग गज में बने, तथा पिलिन्थ एरिया केवल 17,959 वर्ग फीट।

(2) 6 बीघा में फलों का बाग या 14,700 वर्ग गज भूमि में 495 पेड़।

(3) दूसरी खेतिहर भूमि 18,910 वर्ग गज जिसमें 86 वृक्ष।

बी० — (1) एक मंजिला पक्का कचहरी पोस्ट आफिस बिल्डिंग 30 वर्ग गज में।

(2) 175 वर्ग गज में कचहरी पोस्ट आफिस के पास 11 एक मंजिला दुकानें।

(3) 260 वर्ग गज में, रेलवे स्टेशन रोड पर 16 (सोलह) लकड़ी के स्टाल।

(4) शेष भाग खेतिहर भूमि 12,400 वर्ग गज में। कुल क्षेत्रफल 50,475 वर्ग गज।

जिसकी सीमा निम्न प्रकार है :—

उत्तर : भोपा रोड।

दक्षिण : स्टेशन रोड आदि।

पूर्व : जिला कचहरी।

पश्चिम : चर्च रोड, जानसठ बस स्टैंड आदि।

कोठी का कुर्सी क्षेत्रफल 40,000 वर्ग गज है।

(1) ग्राउन्ड फ्लोर 15,859 वर्ग फीट।

अपर स्टोरी 2,000 वर्ग फीट।

(2) 465 वर्ग गज में 27 दुकानें और पोस्ट आफिस की इमारत जो सभी एक मंजिला हैं।

जिसका हस्तान्तरण रु० 22,500 (बाईस हजार पाँच सौ रुपए) में किया गया।

वाई० खोखर,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर।

दिनांक : 10-10-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कार्यालय, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 अक्टूबर 1974

निर्देश सं० अर्जन/मु० नगर/74-75/178/1896—यतः, मन्ने, वाई० खोखर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है जो सुखवीर सिन्हा पार्क, 9 सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुजफ्फरनगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 12-9-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, में सुविधा के लिए सुकर बनाना

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती बिद्यावती स्वरूप, पत्नी लाला हरिराम स्वरूप राम बाग, मुजफ्फरनगर।

(अन्तरक)

2. मैसर्स स्वरूप डेजीटेबिल प्रोडक्ट्स इण्डस्ट्रीज लि०, मंसूरपुर, जिला मुजफ्फरनगर द्वारा श्री श्याम सुन्दर गर्ग सेक्रेट्री।

(अन्तरिती)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

किरायेदार:—

सुखवीर सिन्हा पार्क, 9 सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर—

- (1) श्री खेला राम पुत्र श्री भोगा राम,
- (2) श्री लाल चन्द्र पुत्र श्री तोपनदास,
- (3) श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री हंसराज,
- (4) श्री हंस राज बोधराज,
- (5) श्री रामचन्द्र पुत्र श्री भोगाराम,
- (6) श्री देवराम पुत्र श्री तुलसीराम,
- (7) श्री प्यारेलाल पुत्र श्री जूआराम,
- (8) श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री भोगाराम,
- (9) श्री टेकचन्द्र पुत्र श्री रामचन्द्र,
- (10) श्री किशनचन्द्र पुत्र श्री गुरुदत्तमल,
- (11) श्री बाबूराम चमनलाल पुत्र श्री जीवनदास,
- (12) श्री सोहनलाल पुत्र श्री शिव चरण दास,
- (13) श्री शामलाल पुत्र श्री हरिचन्द्र,
- (14) श्री वीवान चन्द्र,
- (15) श्री अफजल अहमद नफीस खां,
- (16) श्री प्रेमचन्द्र पुत्र श्री आशाराम,
- (17) श्री राम मोहन पुत्र श्री ताराचन्द्र,
- (18) उप पोस्ट मास्टर कचेहरी मुजफ्फरनगर,
- (19) श्री मदनलाल पुत्र श्री सोमनाथ,
- (20) श्री अब्दुल रहमान पुत्र श्री अब्दुल अजीज,
- (21) यू० पी० स्टील्स लिमिटेड द्वारा श्री ब्रह्म स्वरूप चैयरमैन, मुजफ्फरनगर।

## सह स्वामी

सुखवीर सिन्हा पार्क, 9 सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर—

- श्रीमती वेद वती स्वरूप (व्यक्तिगत),  
 श्री गोपाल राज स्वरूप (व्यक्तिगत),  
 श्री माधव कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),  
 श्री अरुण कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),  
 श्री ब्रह्म स्वरूप (व्यक्तिगत),  
 श्रीमती ज्योत्स्ना स्वरूप (व्यक्तिगत),  
 श्री गोविन्द स्वरूप (व्यक्तिगत),  
 श्री हरीराज स्वरूप (व्यक्तिगत),  
 श्री श्रवण कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),  
 श्री प्रभात कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),  
 श्री केशव कुमार स्वरूप, (हिन्दू संयुक्त परिवार)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप,

(क) इस सूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

अचल सम्पत्ति के 1/48 भाग का, जो सुखवीर सिन्हा पार्क, सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर उ० प्र० नाम से प्रचलित है का विवरण :—

ए० (1) एक मंजिला और कुछ भाग में दो मंजिला कोठी जिसमें नौकरों के कमरे, गैरिजिज, गोशाला आदि 4000 वर्ग गज में बने, तथा पिलिन्थ एरिया केवल 17,959 वर्ग फीट।

(2) 6 बोधा में फलों का बान या 14,700 वर्ग गज भूमि में 495 पेड़।

(3) दूसरी खेतिहर भूमि 18,910 वर्ग गज जिसमें 86 वृक्ष।

बी० (1) एक मंजिला पक्का कचेहरी पोस्ट ग्राफिस बिल्डिंग 30 वर्ग गज में।

(2) 175 वर्ग गज में, कचेहरी पोस्ट ग्राफिस के पास 11 एक मंजिला दुकानें।

(3) 260 वर्ग गज में, रेलवे स्टेशन रोड पर 16 (सोलह) लकड़ी के स्टाल।

(4) शेष भाग खेतिहर भूमि 12,400 वर्ग गज में। कुल क्षेत्रफल 50,475 वर्ग गज।

जिसकी सीमा निम्न प्रकार है :—

उत्तर : भोपा रोड।

दक्षिण : स्टेशन रोड आदि।

पूर्व : जिला कचेहरी।

पश्चिम : चर्च रोड, जानसठ बस स्टैंड आदि।

कोठी का कुर्सी क्षेत्रफल 40,000 वर्ग गज है।

(1) ग्राउण्ड फ्लोर 15,859 वर्ग फीट।  
 अपर स्टोरी 2,000 वर्ग फीट।

(2) 465 वर्ग गज में 27 दुकानें और पोस्ट ग्राफिस की इमारत जो सभी एक मंजिला हैं।

जिसका हस्तान्तरण रु० 22,500 (बाईस हजार पांच सौ रुपए) में किया गया।

वाई० खोबर,  
 सक्षम प्राधिकारी,  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
 अर्जन रेंज, कानपुर।

दिनांक: 10 अक्टूबर 1974।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 19 अक्टूबर 1974

निर्देश सं० अर्जन/मु०नगर/74-75/178/1895—यतः, मुझे,  
आई० खोखर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है,) की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है  
जो सुखवीर सिन्हा पार्क, 9, सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुजफ्फरनगर  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का  
16) के अधीन दिनांक 12-9-74  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य  
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957

(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. अरुन कुमार स्वरूप पुत्र लाला हरिराम स्वरूप रामबाग  
मुजफ्फर नगर

(अन्तरक)

2. मैसर्स स्वरूप वेजीटेबिल प्रोडक्ट्स इण्डस्ट्रीज लि०,  
मंसूरपुर, जिला मुजफ्फरनगर द्वारा श्री श्याम सुन्दर गर्ग  
सेक्रेट्री।

(अन्तरिती)

3. (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

किरायेदार :—

सुखवीर सिन्हा पार्क, 9ब सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर।

- (1) श्री खेला राम पुत्र श्री भोगाराम,
- (2) श्री लाल चन्द्र पुत्र श्री तोपनदास,
- (3) श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री हंसराज,
- (4) श्री हंस राज बोधराज,
- (5) श्री रामचन्द्र पुत्र श्री भोगाराम,
- (6) श्री वेवराम पुत्र श्री तुलसीराम,
- (7) श्री प्यारेलाल पुत्र श्री जुम्राराम,
- (8) श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री भोगाराम,
- (9) श्री तेकचन्द्र पुत्र श्री रामचन्द्र,
- (10) श्री किशनचन्द्र पुत्र श्री गुरुदत्तमल,
- (11) श्री बाबूराम चमनलाल पुत्र श्री जीवनदास,
- (12) श्री सोहनलाल पुत्र श्री शिव चरन दास,
- (13) श्री शामलाल पुत्र श्री हरिचन्द्र,
- (14) श्री दीवान चन्द्र,
- (15) श्री अफजल अहमद नफीस खां,
- (16) श्री प्रेमचन्द्र पुत्र श्री आशाराम,
- (17) श्री राम मोहन पुत्र श्री ताराचन्द्र,
- (18) उप पोस्ट मास्टर कचेहरी मुजफ्फरनगर,
- (19) श्री मदनलाल पुत्र श्री सोमनाथ,
- (20) श्री अब्दुल रहमान पुत्र श्री अब्दुल अजीज,
- (21) यू० पी० स्टील् लिमिटेड द्वारा श्रीब्रह्मा स्वरूप  
चेयरमैन, मुजफ्फर नगर।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

### अनुसूची

4. सह स्वामी :

सुखवीर सिन्हा पार्क, 9, सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर।

श्रीमती वेद वती स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री गोपाल राज स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री माधव कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),

श्री अरुण कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार)

श्रीमती विद्यावती स्वरूप (व्यक्तिगत) पत्नी श्री हरी राज स्वरूप,

श्री ब्रह्म स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्रीमती ज्योत्स्ना स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री गोविन्द स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री हरीराज स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री श्रवण कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),

श्री प्रभात कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),

श्री केशव कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के प्रति आक्षेप यदि कोई हो तो :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अचल सम्पत्ति के 1/48 भाग का, जो सुखवीर सिन्हा पार्क, सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर, उ० प्र० नाम से प्रचलित है का विवरण :—

ए० (1) एक मंजिला और कुछ भाग में दो मंजिला कोठी जिसमें नौकरों के कमरे, गैरिजिज, गोशाला आदि 4,000 वर्ग गज में बने, तथा पिलिन्थ एरिया केवल 17,959 वर्ग फीट।

(2) 6 बीघा में फलों का बाग या 14,700 वर्ग गज भूमि में 495 पेड़।

(3) दूसरी खेतिहर भूमि 18,910 वर्ग गज जिसमें 86 वृक्ष।

बी० (1) एक मंजिला पक्का कचहरी पोस्ट आफिस बिल्डिंग 30 वर्ग गज में।

(2) 175 वर्ग गज में कचहरी पोस्ट आफिस के पास 11 एक मंजिला दुकानें।

(3) 260 वर्ग गज में, रेलवे स्टेशन रोड पर 16 (सोलह) लकड़ी के स्टाल।

(4) शेष भाग खेतिहर भूमि 12,400 वर्ग गज में। कुल क्षेत्रफल 50,475 वर्ग गज।

जिसकी सीमा निम्न प्रकार है :—

उत्तर : भोपा रोड।

दक्षिण : स्टेशन रोड आदि।

पूर्व : जिला कचहरी।

पश्चिम : चर्च रोड, जानसठ बस स्टैंड आदि।

कोठी का कुर्सी क्षेत्रफल 40,000 वर्ग गज है।

(1) ग्राउन्ड फ्लोर 15,859 वर्ग फीट।

अपर स्टोरी 2,000 वर्ग फीट।

(2) 465 वर्ग गज में 27 दुकानें और पोस्ट आफिस की इमारत जो सभी एक मंजिला है।

जिसका हस्तान्तरण रु० 22,500 (बाईस हजार पांच सौ रुपए) में किया गया।

वाई० खोखर,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 10-10-1974।

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 अक्टूबर 1974

निर्देश सं० अर्जन/मु० नगर/74-75/177/1893—यतः,  
मुझे, आई० खोखर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है जो सुखवीर सिन्हा पार्क, 9, सिविल लाइन, मुजफ्फरनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मुजफ्फरनगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 12 सितम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,

या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री माधव कुमार स्वरूप पुत्र लाला हरि राज स्वरूप रामबाग मुजफ्फरनगर ।

(अन्तरक)

2. मैसर्स स्वरूप वेजिटेबल प्रोडक्ट्स इण्डस्ट्रीज लि०, मंसूरपुर जिला मुजफ्फरनगर द्वारा श्री श्याम सुन्दर गर्ग सेक्रेटरी ।  
(अन्तरिणी)

(वह व्यक्ति जिनके अधिमोग में सम्पत्ति है)

किरायेदार :

सुखवीर सिन्हा पार्क, 9, सिविल लाइन मुजफ्फरनगर ।

- (1) श्री खेलाराम पुत्र श्री भोगाराम,
- (2) श्री लालचन्द्र पुत्र श्री तोपनदास,
- (3) श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री हंसराज,
- (4) श्री हंसराज बोधराज,
- (5) श्री रामचन्द्र पुत्र श्री भोगाराम,
- (6) श्री देवराम पुत्र श्री तुलसी राम,
- (7) श्री प्यारेलाल पुत्र श्री जुआराम,
- (8) श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री भोगाराम,
- (9) श्री टेक चन्द्र पुत्र श्री रामचन्द्र,
- (10) श्री किशनचन्द्र पुत्र श्री गुरुदत्तमल,
- (11) श्री बाबूराम चमनलाल पुत्र श्री जीवनदास,
- (12) श्री सोहनलाल पुत्र श्री शिव चरन दास,
- (13) श्री शामलाल पुत्र श्री हरिचन्द्र,
- (14) श्री दीवान चन्द्र,
- (15) श्री अफजल अहमद नफीस खां,
- (16) श्री प्रेमचन्द्र पुत्र श्री आशाराम,
- (17) श्री राममोहन पुत्र श्री ताराचन्द्र
- (18) उप पोस्ट मास्टर कचेहरी मुजफ्फरनगर,
- (19) श्री मदनलाल पुत्र श्री सोमनाथ,
- (20) श्री अब्दुल रहमान पुत्र श्री अब्दुल अजीज,
- (21) यू० पी० स्टील्स लिमिटेड, द्वारा श्रीब्रह्म स्वरूप चैयरमैन, मुजफ्फरनगर ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

सह स्वामी :

सुखवीर सिन्हा पार्क, 9 सिविल लाइन मुजफ्फरनगर।

श्रीमती वेद वती स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री गोपाल राज स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री अरुण कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),

श्रीमती विद्यावती स्वरूप (व्यक्तिगत) पत्नी श्री हरीराज स्वरूप,

श्री अह्म स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्रीमती ज्योत्सना स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री गोविन्द स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री हरीराज स्वरूप (व्यक्तिगत),

श्री श्रवण कुमार स्वरूप, (हिन्दू संयुक्त परिवार)

श्री प्रभात कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),

श्री केशव कुमार स्वरूप (हिन्दू संयुक्त परिवार),

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति के 1/48 भाग का, जो सुखवीर सिन्हा पार्क, सिविल लाइन मुजफ्फरनगर उ० प्र० नाम से प्रचलित है का विवरण :—

ए० (1) एक मंजिला और कुछ भाग में दो मंजिला कोठी जिसमें नौकरो के कमरे, गैरिजिज, गोशाला आदि 4,000 वर्ग गज में बने, तथा पिलिन्थ एरिया केवल 17,959 वर्ग फीट।

(2) 6 बीघा में फलों का बाग या 14,700 वर्ग गज भूमि में 495 पेड़।

(3) दूसरी खेतिहर भूमि 18,910 वर्ग गज जिसमें 86 वृक्ष।

बी० (1) एक मंजिला पक्का कच्चेहरी पोस्ट आफिस बिल्डिंग 30 वर्ग गज में।

(2) 175 वर्ग गज में, कच्चेहरी पोस्ट आफिस के पास 11 एक मंजिला दुकानें।

(3) 260 वर्ग गज में, रेलवे स्टेशन रोड पर 16 (सोलह) लकड़ी के स्टाल।

(4) शेष भाग खेतिहर भूमि 12,400 वर्ग गज में। कुल क्षेत्रफल 50,575 वर्ग गज।

जिसकी सीमा निम्न प्रकार है :—

उत्तर : भोपा रोड।

दक्षिण : स्टेशन रोड आदि।

पूर्व : जिला कच्चेहरी।

पश्चिम : चर्च रोड, जानसठ बस स्टैण्ड आदि।

कोठी का कुर्सी क्षेत्रफल 40,000 वर्ग गज है।

(1) ग्राउण्ड फ्लोर 15,859 वर्ग फीट।

अपर स्टोरी 2,000 वर्ग फीट।

(2) 465 वर्ग गज में 27 दुकानें और पोस्ट आफिस की इमारत जो सभी एक मंजिला है।

जिसका हस्तान्तरण रु० 22,500 (बाईस हजार पांच सौ रुपए) में किया गया।

वाई० खोखर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 10-10-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण

अर्जन रेंज का कार्यालय

कानपुर, दिनांक 9 अक्टूबर 1974

निर्देश सं० 182/अर्जन/कानपुर/74-75/1871—यतः मुझे, आई० खोखर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख

के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 7/150 ए० है जो स्वरूप नगर कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 19-9-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री विनोद कुमार अग्रवाल और अशोक कुमार अग्रवाल 7/150 बी० स्वरूप नगर, कानपुर (अन्तरक)

2. श्री आनन्द कुमार अग्रवाल दिलीप कुमार अग्रवाल बसंत कुमार अग्रवाल व ललितकुमार अग्रवाल, 58/46 विरहाना रोड़, कानपुर, (अन्तरिती)

3. मैसर्स सीताराम श्री निवास 7/150 ए० स्वरूप नगर कानपुर।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अघोहस्ताक्षरी जानता है कि यह सम्पत्ति में हितवद्घ है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्घ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति सं० 7/150 ए० स्थित स्वरूप नगर कानपुर जिसका हस्तान्तरण 1,25,000/- में किया गया।

आई० खोखर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 9-10-74  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 28 अप्रैल 1974

निर्देश सं० टी आर-311/ सी०-298/कल०-2/74-75

अतः, मुझे एस० के० चक्रवर्ती

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 30, (सामने की भाग) है तथा जो सर्वेस एवेन्यू कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सियालदह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1909 के 16) के अधीन 26-8-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्रीमती सलमा खातून (अन्तरक)

2. श्रीमती नईसा मोमन (अन्तरिती)

3. श्री सी० जे० क्रीट (वह व्यक्ति, जिसके अधिमोग में सम्पत्ति है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

30 नम्बर, सर्वेस एवेन्यू कलकत्ता का सामने का भाग जिसका क्षेत्रफल 3 कट्टा है ।

एस० के० चक्रवर्ती  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 1, कलकत्ता

तारीख : 28-4-75  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

बंगलूर, दिनांक 21 अप्रैल 1975

निर्देश सं० सी० आर० 62/2826/74=75 यतः मुझे  
आर० क्रिष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की  
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 12 पुराना नं० 850 पार्क हौज मिर्जा रोड़,  
नज़रबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मैसूर  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन 14-8-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्त-  
रिती द्वारा अकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
3-96GU/75

1. श्रीमती त्रिपुर सुन्दरम्ममा व अत्रम् ट्रस्ट जगन मोहन  
व्यालस, मैसूर-द्वारा (1) त्रिपुरसुन्दरम्ममल अवरू (2)  
युवराज श्रीकान्त दत्त नरसिंहराज बडियाग (3) एच० एन०  
पोलगर (अन्तरक)

2. (1) वी० एस० सोमसेखरम्मा (2) एम० बी० राजेश्वरी  
टेम्पल वयू, 65, II स्टेज, जयलक्ष्मीपुरम मैसूर-2। (अन्तरिती)

3. प्रैजिडेंट, II एण फोर्म सेलैक्शन बोर्डसम्मर व्याकर  
रोड़, मैसूर।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी एक व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति "पार्क हौज" नं० 850 (नया नं० 12),  
मिर्जा रोड़, नज़रबाद मोहल्ला, मैसूर, क्षेत्रफल 12100 वर्ग गज  
सीमा :—

उत्तर :— मिरजा रोड़

दक्षिण :— लोकरजन महल रोड़

पूर्व :— महाराजकुमारी विसालाक्षीदेवी अवरू ट्रस्ट की जमीन  
पश्चिमी :— हेय एन० पालेगार की रिक्त भूमि

दस्तावेज नं० 1942/74-75 ता० 14-8-1974

आर० क्रिष्णमूर्ति,

सक्षम प्रायधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 21-4-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेन्ज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 21 अप्रैल, 1975

निर्देश सं० सि० आर 62/2871/74:75—यतः मुझे  
आर० कृष्णामूर्ति आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'  
कहा गया है), की धारा

269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 11 है, जो पुट्टप्पा लेन, पुलिस रोड क्रॉस, 18  
डिवीजन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
गान्धीनगर, बंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) दस्तावेज नं० 2123 के अधीन 12-8-74  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की  
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,  
मेरे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह  
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया  
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जी० पुट्टननजप्पा और पी० लीलावतम्मा 31, 36 ~~प्लॉट~~  
VIII ब्लॉक, जयनगर, बंगलूर-11 । (अन्तरक)
2. श्री एन० गोविन्दराजुलु नायडू पुत्र लेट, नरसिम्हलु नायडू,  
889, चिदम्बरम मुदलियार लेन, जाली मोहल्ला  
(1) आर० चिन्नस्वामी (2) रतनलाल नरोत्तमदाम (3)  
जनार्दन नायडू (4) एस० एम० जयराम (5) रत्ननाथन  
(6) टी० रामकृष्ण (7) कपिलस्वामी छेट्टियार (8)  
एन० एम० लक्ष्मी नारायण नायडू । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि, या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क के यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

स्थायर सम्पत्ति नं० 11, पुट्टप्पा लेन, पुलिस रोड क्रॉस,  
18 डिवीजन, बंगलूर सिटी ।

दस्तावेज नं० 2123/74-75 ता० 12-8-74 ।

आर० कृष्णामूर्ति  
सक्षम प्राधिकारी  
तारीख : 21-4-75 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
मोहर : अर्जन रेन्ज, बंगलूर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 21 अप्रैल 1975

निर्देश सं० सि० आर० 62/2876/74-75—यतः मुझे  
आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सैट नं० 16 नया नं० 12 II मेन रोड, सदाशिवनगर, बैंगलूर-6 डिवीजन नं० 45 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गान्धीनगर, बैंगलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दस्तावेज नं० 2254 दिनांक 21-8-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दाखिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जोशिम आलवा  
28, राजेन्द्र प्रसाद मार्ग, नई दिल्ली (अन्तरक)
2. श्री नारायण बी० शिन्डे (अन्तरिती)  
208, अपर ब्यालस आरचर्ड, स्थानकी रोड, बैंगलूर-6 ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सैट नं० 12, II मेन रोड, सदाशिवनगर, बैंगलूर-6 ।  
डिवीजन नं० 45 ।

क्षेत्रफल पू० प० 25' × उ० द० 120' = 3000 वर्ग फीट  
सीमा

उत्तर : II मेन रोड, (स्थानकी रोड) सदाशिवनगर

दक्षिण : सैट नं० 49

पूर्व : सैट नं० 16

पश्चिम : सैट नं० 15

दस्तावेज नं० 2254/74-75 ता० दिनांक 21-8-74

आर० कृष्णमूर्ति,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

दिनांक 21-4-75

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 21 अप्रैल, 1975

निर्देश सं० सी० आर० 62/2881/74-75—यतः मुझे  
आर० कृष्णामूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी  
सं० 67 (अब 67/1) है, जो के० जी० बैदरहल्ली, बंगलूर-6  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गांधीनगर, बंगलूर  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन 22-8-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने के कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
थाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ  
की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैसर्स हजारीमल मुलतानमल भागीदार (1) हच सम्पत्त  
राज (2) सि० सिरमल (3) श्रीमती सुनदरबाई, 59, पुलवार  
काइल स्ट्रीट अशोक नगर, मैंगलूर-25 (अन्तरक)

2. श्री आर० नारायणप्पा सन/आफ राजप्पा 24, I क्लास,  
राजप्पा ब्लॉक मुनिरेड्डिपालयम, बैंगलूर-6 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो  
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

रिक्त भूमि सर्वे० न० 67 (नया न० 67/1) के० जी०  
बैदरहल्ली, बैंगलूर-6, क्षेत्रफल 1 एकड़ 15½ गुन्टे  
दस्तावेज नं० 2281/74-75 ता० 22-8-74

आर० कृष्णामूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज बैंगलूर,

तारीख : 21-4-75  
मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 21 अप्रैल 1975

निदेश सं० सी० आर० 62/2882/74-75—यतः मुझे  
आर० कृष्णमूर्ति  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 67 (नया नं० 67/1) है, जो के० जी० वैदरहल्ली,  
बैंगलूर-6 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गांधीनगर,  
बैंगलूर दस्तावेज नं० 2282 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 22-8-1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख  
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान के प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
सुविधा के लिए।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त  
अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. हजारीमल मुलतानमल भागीदार (1) हेय समपतराज  
(2) सि० सिरमल (3) सुन्दर बाई, 59, पुलवार काइल  
स्ट्रीट, अशोकनगर, बैंगलूर-25 (अन्तरक)

2. श्री आर० सोमप्पा सन/आफ राजप्पा 24, 1 आस,  
राजप्पा ब्लाक मुनिरेड्डिपालयम, बैंगलूर-6 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा,  
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

रिक्त भूमि सर्वे० नं० 67 (नया नं० 67/1) के० जी०  
वैदरहल्ली, बैंगलूर-6, 1 एकर 15/1/2 गुन्टे।

दस्तावेज नं० 2282/74-75 ता० 22-8-74

आर० कृष्णमूर्ति,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर,

तारीख : 21-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बैंगलूर

बैंगलूर, दिनांक 21 अप्रैल 1975

निदेश सं० सि० आर० 62/2922/74-75— यतः

मुझे, आर० कृष्णमूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 24 पुराना नं० 1319/6 ईस्टर्न एक्सटेन्शन, नजरबाद है, जो मोहल्ला, मैसूर सिटी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैसूर दस्तावेज नं० 2130 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 11-9-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

यतः श्रद्धा धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) एच. एच. महाराती लक्ष्मणी अवर एजुकेशनल ट्रस्ट द्वारा सिरदार एम० चेलुवा अर्स, दी० ग्यालस, मैसूर (अन्तरक)
- (2) श्री एम० बी० रमेश सपुत्र सी० बसवराज अर्स स्वामी चामुन्डी मोटार सर्विस, चन्द्रगुप्त रोड, मैसूर (अन्तरिती)
- (3) एम० एस० बेदी (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति नं० 24 (पुराना नं० 1319/6), ईस्टर्न, एक्सटेन्शन, नजरबाद मोहल्ला, मैसूर सिटी। क्षेत्रफल 16819 वर्गगज अथवा 3½ एकड़ दस्तावेज नं० 2130/74-75 ता० 11-9-1974

आर० कृष्णमूर्ति,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, बैंगलूर

तारीख : 21-4-75  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 21 अप्रैल 1975

निदेश सं० सि० आर० 62/ 2943/ 74-75-यतः,  
मुझे, आर० त्रिणामूर्ति

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'  
कहा गया है)

की धारा 269-ख के अधीन सक्षम

प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
जिसकी सं० 21 पुराना नं० 281 (281/2) है, जो  
IV मैन रोड, केम्पागोडानगर बंगलूर डिविजन नं० 30 में  
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवनगुडि  
बंगलूर दस्तावेज नं० 2511/74-75 में भारतीय रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 29-8-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य  
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के  
अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए ।

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम,  
की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित  
व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) राजम्मा पत्नी लेट एम० भोजराजुलु नायडु  
440, मिडल स्कूल रोड, वि० वि० पुरम, बंग-  
लूर-4 (अन्तरक)

(2) श्री के० वी० नारायण सेट्टी सपुत्र लेट वेजकटप्पा  
नं० 7, गुन्नमन्था लेन, अक्किपेट कास, बैंग-  
लूर-2 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है ।

अनुसूची

स्थावर सम्पत्ति नं० 21 पुराना नं० 281 (281/2)  
IV मैन रोड, केम्पेगौडानगर, बंगलूर, डिविजन नं० 30  
क्षेत्रफल 46' X 50' - 2300 वर्गफीट दस्तावेज नं०  
2511 / 74-75 ता० 29-8-74

आर० त्रिणामूर्ति,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, बंगलूर

तारीख : 21-4-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज -V कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 28 अप्रैल 1975

निदेश सं० ए सी - 1 / एकवी रे० V/कल/ 75-76 ---

अतः मुझे, एम० एस० इनामदार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा  
गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० है तथा जो मौजा सिजेबेरिया परगना-  
बलिया थाना-उलबेरिया जिला हावड़ा में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-  
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, 5, गवर्नमेन्ट प्रैस (नार्थ

कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-8-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अमुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) मैसर्स मुफ्तलाल इन्डस्ट्रीज लिमिटेड असरवा रोड, अहमदाबाद (अन्तरक)

(2) मैसर्स न्यू गुजरात काटन मिल्स लिमिटेड 16 ए, ब्रोबर्न रोड, कलकत्ता-1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

करीब 31.35 एकड़ जमीन साथ मकानादि शेड्स, बहि: घर आदि, गुदामघर और अन्यान्य स्ट्राकचर, जेटि, और उस जमीन पर अवस्थित समुचा प्लाट, मेशिनारी जो बनाया या लगाया हुआ, जो 'गगनभाई जुट मिल्स' नाम से परिचित है और जो सब मौजा सिजबेड़िया, पर-

गपा-बग्लिया, थाना और सबरजिस्ट्री उलुबेड़िया, जिला हावड़ा, पश्चिमी बंगाल में अवस्थित निम्नलिखित दाग और खतियान सं० द्वारा वर्णित हुआ:—

खति सं०	दाग सं०	खति सं०	दाग सं०
287	1590	588	1642
288	1594	"	1576
		"	1578
292	1623	"	1572
585	1673	"	1573/1671
"	1629	"	1599
318	1598		
586	1567	"	1701
"	1568	326	1575/1670
"	1569	484	1567/1667
"	1570	"	1629/1668
"	1571	"	1585/1669
"	1574	"	1628
"	1630	"	1667/1700
"	1599/1672	446	1687/1695
"	1567/1674	"	1668/1696
"	1630/1675	"	1566
"	1642/1676	325	1575
"	1645/1694	325/6	1577
587	1631	325/2	1600
"	1639	580	1620
"	1641	"	1624
"	1567/1673	327	1638
588	1636	514	1567/1699
"	1640		

इस विक्रय रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्सस कलकत्ता द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल सं 1-5284/1974 का अनुसार है।

एस एस० इनामदार,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज V, कलकत्ता

तारीख: 28-4-75

मोहर:

प्रकृष आर्द० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

रत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज - II, कलकत्ता

तारीख 29-4-75

निर्देश सं० ए० सी० - 2/आर०-II/ कल/75-76---अतः  
मुझे, एस० एस० इनामदार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'  
कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम  
प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 8/6/7 है तथा जो अलीपुर रोड में  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ  
ऐण्डुरेसेस में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 27-8-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्त-  
रितिमें) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए या, ठिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4—96GI/75

(1) द इस्टर्न बैंक लिमिटेड, 14, नं० सुभाष रोड,  
कलकत्ता (अन्तरक)

(2) दम चार्टर्ड बैंक, 4 नं० सुभाष रोड, कलकत्ता  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20क में यथापरिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

5.42 प्रतिशत भाग 5 बीघा 78 कट्टा 4 छटांक  
40 स्क्वे फी० सं० 8/6/7, अलीपुर रोड, कलकत्ता, प्लैट  
सं० 6 एवं 20

एस० एस० इनामदार,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

54, रफीअहमद किदवाई रोड,

कलकत्ता-16

तारीख 29-4-75

मोहर :

प्ररूप आई टी० एन० एस०-----

(1) श्री गणेश चन्द्र साहू और बहुत 26, ग्राम्य रीन  
स्ट्रीट, कलकत्ता-6 (अन्तरिक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना(2) श्रीमती जानकी देवी केशरी-4, 48 ए, सारकुलार  
गार्डन रीच रोड, कलकत्ता-23, (अन्तरिक)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एनड्वारा कार्यवाहिया शुरू करता है।

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप,

प्रजन रेज

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

तारीख 26-4-75

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

निर्देश सं० ए० सि० 3/ आशुता / कल/ 75-76---अत  
मुझे, ए० ए० ए० इनामदार आयकर अधिनियम  
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त  
अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक  
है और जिसकी सं० 48, 48/1 और वहन है तथा जो आष-  
कुलार गार्डन रीच रोड, कलकत्ता-23, में स्थित है (और  
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजि-  
स्ट्रीकर्ता अधिगारी के कार्यालय, दि० रजिस्ट्रार '24, परगनाम  
प्रतिपूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 8-8-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित  
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रति-  
शत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है --

स्पष्टीकरण - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

110 बीघा जमीन -सम्पत्ति न० 48, 48/1, और  
कटन, सारकुलार गार्डन रीच रोड, कलकत्ता।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था छिपाने के लिए  
गुंकार बनाना,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् --

एस० एस० इनामदार,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज -----

54, रफीकहमद मिदवाई रोड,

कलकत्ता-16

तारीख 26-4-75

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज-1, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 28 अप्रैल 1975

निर्देश सं० टी आर-370/सी-297/कल-2/74-75—

अतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है  
और जिसकी संख्या 30 है तथा जो सर्कस एवेन्यू, कलकत्ता में स्थित  
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सियालदह में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-9-  
1974

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती सलमा खानून (अन्तरक)
2. श्रीमती नईसा मोमन (अन्तरिती)
3. श्री गी० जे० क्रीट (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

30 नम्बर, सर्कस एवेन्यू, कलकत्ता का एक भाग जिसका  
क्षेत्रफल 3 कट्टा 2 छटाक वर्ग फुट है।

एस० के० चक्रवर्ती,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज I,

54, रफीअहमद क़िदवाई रोड,

कलकत्ता-16

तारीख : 28-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर (आयुक्त) निरीक्षण

अर्जन रेंज III, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 1 मई 1975

निर्देश सं० 258/एकरे III/75-76/कल—अतः मुझे, एल० के० बालसुब्रमनियन

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 230 है तथा जो आचार्य जगदीश बोस रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन, तारीख 6-8-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राजेन्द्र प्रसाद आगरवाला (अन्तरक)  
236 आचार्य जगदीश बोस रोड, कलकत्ता

2. श्री राजकुमार रावला 8, जमादार खान लेन कलकत्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

करीब 6 कट्ठा 4 छटांक जमीन साथ उस पर बनाया आंशिक दोतल्ला मकान का 1/4 अंश जो 230 आचार्य जगदीश बोस रोड, कलकत्ता पर अवस्थित दक्षिण-पश्चिमांश और जो डिस्ट्रिक्ट रजिस्ट्रार, आलिपुर द्वारा रजिस्ट्रीकृत दलिल सं० 5622/1934 का अनुसार है ।

एल० के० बालसुब्रमनियन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज III  
54 रफीअहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता 16

तारीख : 1-5-1975

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कलकत्ता-16, तारीख 1-5-1975

निर्देश सं० 257/एकुरेIII/75-76/कल ---अतः मुझे,  
एल० के० बालगुप्तमनियन

आयकर अधिनियम,  
1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और  
जिसकी सं० 230 है तथा जो आचार्य जगदीश बोस  
रोड, कल० में स्थित है (और जहाँ उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
अलिपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 6-8-1974 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने  
के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या  
उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री भवानी प्रसाद श्रामरबाना 230, आचार्य जगदीश  
बोस रोड, कलकत्ता (अन्तरक)

(2) श्री राजकुमार रावला 8, जमादार खान लेन,  
कलकत्ता (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है ।

#### अनुसूची

करीब 6 कट्टा 4 छटोंक जमीन साथ उस पर बनाया  
आशिक दो तल्ला मकान 1/5 अंश जो 230, आचार्य जगदीश  
बोस रोड, कलकत्ता पर अब स्थित है दक्षिण पश्चिमांश  
और जो डिस्ट्रिक्ट रेजिस्ट्रार आलिपुर द्वारा रेजिस्ट्रार कृत दलिल  
सं० 5621/1934 के अनुसार है ।

एल० के० बालगुप्तमनियन,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज III  
54, रफीअहमद क़िदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख : 1-5-1975

मोहर :

प्राकृत्य आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, तारीख 1/5/1975

निर्देश सं० 256/ एकुरे० III/75-76 कल०-अनः  
मुझे, एल० के० बालसुब्रमनियन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ के अधीन

(जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है)।  
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है  
और जियक्वीस० 230 है तथा जो आचार्य जगदीश बोस  
रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय, आलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 6-8-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के  
लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए सुकर बनाना, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का  
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मिनय कुमार आगरवाला 230 आचार्य  
जगदीश बोस रोड कलकत्ता (अन्तरक)

(2) श्री राजकुमार रावला 8 जमादार लेन, करकत्ता  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों  
पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 6 कट्टा 4 छटांक जमीन साथ उस पर बनाया आंशिक  
दो तल्ला 11 मकान का 1/5 अंश जो 230 आचार्य जगदीश  
बोस रोड, कलकत्ता पर अब स्थित दक्षिण पश्चिम और जो  
डिस्ट्रिक्ट रेजिस्ट्रार आलिपुर द्वारा रेजिस्ट्रीकृत दतिल सं० 5742  
/1974 का अनुसार है।

एल० के० बालसुब्रमनियन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज III  
54 रफीअहमद क़िदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

तारीख : 1/5/1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकत्ता

तारीख 1/5/1975

निर्देश सं० 255/ए.कुरे III/75-76/कल०--  
अतः मुझे, एल० के० बालमुब्रमनियन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

जिसकी सं० 230 है तथा जो आचार्य जगदीश बोरस  
रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप में वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, आलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
6-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए लय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वास्तव उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या  
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,  
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् —

(1) श्री ललित मोहन, आगरवाला 230 आचार्य  
जगदीश बोरस रोड, कल०। (अन्तरक)

(2) श्री राजकुमार रावला 8 जमादार खान लेन  
कलकत्ता-1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्पश्चात् व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 6 कट्टा 4 छत्रांक जमीन साथ उस पर बनाया  
याशिक रोतल्ला मकान का 1/5 अंश जो 230 आचार्य  
जगदीश बोरस रोड, कलकत्ता पर अवस्थित दक्षिण-पश्चिम  
और जो डिस्ट्रिक्ट रेजिस्ट्रार आलिपुर द्वारा रेजिस्ट्रीकृत  
दलिल सं० 5743/1974 को अनुसार है।

एल० के० बालमुब्रमनियन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III

54, रफीकतमद फिदवार्ड रोड,

कलकत्ता-16

तारीख 1/5/1975

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. ....  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कलकत्ता

तारीख 1/5/1975

निदेश सं० 254/एक्रे III/75-76 / कल०— अतः मुझे,  
 एल० के० बालसुब्रमनियन  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 25,000/ रु० से अधिक है

जिसकी सं० 230 है तथा जो आचार्य जगदीश बोस  
 रोड, कल० में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
 और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
 आलिपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
 16) के अधीन, तारीख 6-8-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
 का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
 फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
 रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
 के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
 के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
 या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
 में सुविधा के लिए ;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
 सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा  
 (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) धनश्याम दाम आगरावाला 230 आचार्य  
 जगदीश बोस रोड, कल० (अन्तरक)
- (2) श्री राजकुमार रावला 8 जमादार खान लेन,  
 कलकत्ता-1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
 कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
 की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
 में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
 से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
 लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-  
 परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
 में दिया गया है ।

### अनुसूची

करीब 6 कट्टा 4 छटाक जमिन साथ उस पर आंशिक  
 दो तल्ला मकान का 1/5 अंश जो 230 आचार्य जगदीश  
 बोस रोड, कलकत्ता पर अबस्थित दक्षिण-पश्चिमांश और जो  
 डिस्ट्रीकृत रेजिस्ट्रार, आलिपुर द्वारा रेजिस्ट्रीकृत दलिल  
 सं० 4357/1974 का अनुसार है ।

(एल० के० बालसुब्रमनियन)  
 सक्षम अधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज III  
 54, रफी अहमद किदवाई रोड,  
 कलकत्ता-16

तारीख : 1/5/1975  
 मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 अप्रैल 1975

निर्देश सं० बी०टी०डी०/58/75-76—यतः, मुझे, वी०आर०

सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि का प्लॉट है तथा जो भटिंडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :

5—96 GI/75

1. श्री अंग्रेज सिंह, प्रीतम सिंह सुपुत्रान श्री कुवाल सिंह वासी भटिंडा । (अन्तरक)

2. श्री बलदेव सिंह, सुखदेव सिंह, जगदेव सिंह, सुपुत्रान रत्न सिंह वासी बीर बहराम । (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है । (वह व्यक्ति, जिसके अभि-भोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रचि रखता है । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3733, अगस्त, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिंडा में है ।

वी० आर० सगर,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 29-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 अप्रैल 1975

निर्देश सं० बी० टी० डी०/59/75-76—यतः, मुझे, वी०  
आर० सगर  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० भूमि है तथा जो भटिंडा में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1974 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत  
उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने  
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उस  
बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य  
आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम,  
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्री अग्नेज सिंह तथा प्रीतम सिंह सपुत्र श्री कृपालु सिंह  
वासी भटिंडा । (अन्तरक)
2. रूप सिंह मान तथा जगीर सिंह सपुत्र उजगर सिंह वासी  
कोटली खुर्द । (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है । (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है ।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां, शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप हो, तो:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है ।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3732 अगस्त 1974  
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिंडा में है ।

वी० आर० सगर,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 29-4-1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 अप्रैल 1975

निर्देश सं० बी०टी०डी०/60/75-76—यतः, मुझे, बी० आर०

सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या भूमि है तथा जो भटिंडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिंडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बलदेव सिंह सपुत्र श्री गुरदयाल सिंह सपुत्र महिन्द्र सिंह बाही खियाला कर्ला । (अन्तरक)

2. श्री राम अमृतार अमृतार मार्फत अरविद प्रिटिंग प्रैस, सामने हास्पिटल, भटिंडा । श्री जगदीश चन्द सपुत्र टेक चन्द वासी खड़ी कर्ला जिला सँगरूर । बिहारी लाल छोटू राम सपुत्रान राधा राम सपुत्र माधो मल तापा मंडी जिला सँगरूर । (अन्तरिती)

3. जैसाकि नं० 2 में है ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त-अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3579 अगस्त 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी भटिंडा में है ।

बी० आर० सगर,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 29-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 अप्रैल 1975

सं० एफ० डी०के०/61/75-76—यतः मुझे, वी० आर०

सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जसकी सं० भूमि है तथा जो डोगर बस्ती, फरीदकोट में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. कपूर चन्द, सोहन लाल, मोहन लाल, जोती राम सपुत्रान श्री बघायू मल, गांव अराईयां वाला कलां तहसील फरीदकोट । (अन्तरक)
2. बृजेन्द्र सिंह, कुलदीप सिंह सपुत्र अगीर सिंह गांव फरीदकोट, तहसील व जिला फरीदकोट । (अन्तरिती)
3. जैसाकि नं० 2 में है । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है । (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2133 अगस्त 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में है ।

वी० आर० सगर,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 29-4-1975  
मोहर :



प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 अप्रैल 1975

सं० एफ०डी०के०/62/75-76—यतः मुझे, बी० आर०  
सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या भूमि है तथा जो हरिन्द्रा नगर फरीदकोट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अगस्त 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1975 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में लिए सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण म, मे, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ब्रिजेन्द्र सिंह सपुल श्री जैगीर सिंह वासी फरीदकोट ।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती गुरजिन्द्र कौर पत्नी श्री गुरबचन सिंह, गुरतेज सिंह, गुरबचन सिंह सपुत्रान श्री निहाल सिंह वासी फरीदकोट ।  
(अन्तरिती)

3. जैसाकि नं० 2 में है ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है ।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2105 अगस्त 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में है ।

बी० आर० सगर,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 29-4-1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 29 अप्रैल 1975

निदेश सं० एफ० डी० के०-63/75-76—यतः मुझे बी०  
आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी स० भूमि जो हरिद्वार नगर फरीदकोट में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फरीदकोट में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त  
1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना  
चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बृजेन्द्र सिंह सुपुत्र जंगीर सिंह वासी फरीदकोट ।  
(अन्तरक)

2. श्रीमती गुरजिन्द्र कौर पत्नी श्री गुरबचन सिंह सुपुत्र  
निहाल सिंह, गुरतेज सिंह, गुरबचन सिंह सुपुत्रान श्री निहाल सिंह  
सुपुत्र श्री पोहला सिंह, फरीदकोट । (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है । (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है) ।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है । (वह व्यक्ति,  
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध  
है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों  
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2117 अगस्त 1974  
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फरीदकोट में है ।

बी० आर० सगर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज, अमृतसर

तारीख : 29 अप्रैल 1975 ।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 मई 1975

निर्देश नं० बी० टी० डी०/72/75-76—यतः मुझे बी०  
आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त  
अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम  
अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० जमीन है तथा जो तलवंडी सावो में स्थित है (और  
इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, तलवंडी सावो में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन कर  
देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,  
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का  
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने  
में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में;  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ  
की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री भगत सिंह पुत्र श्री हजार सिंह जी० ए० श्रीमती  
इन्दरजीत कौर विश्रवा सं० जगदीप कौर श्री शमशेर सिंह तलवंडी  
सावो और शमशेर कौर पत्नी श्री अजीत सिंह पुत्र श्री दलीप सिंह  
पहारे तृप्त कौर पत्नी श्री हरचरण सिंह पुत्र श्री बहल सिंह  
चण्डीगढ़। (अन्तरक)

2. श्री जमपाल सिंह पुत्र श्री गुरदित्त सिंह पुत्र श्री इन्द्र  
सिंह आत्मा सिंह, प्रताप सिंह और गुरजत सिंह पु० श्री  
गुरदित्त सिंह पुत्र स० इन्दर सिंह हरमित सिंह पुत्र श्री जगदेव सिंह  
पुत्र हरपाल सिंह, भगवान पुरा।

3. जैसा कि न० 2 पर है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति,  
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध  
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम,  
के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1521 अगस्त  
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी तलवंडी सावो में लिखा है।

बी० आर० सगर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 2-5-75  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 1 मई 1975

निदेश सं० ए० एम० आर०/70/75-76--यतः मुझे बी० आर० सगर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० धरती है तथा जो उरदोरतन में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अगस्त 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आय-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. संजर कुलदीप सिंह सुपुत्र बलवन्त सिंह अटारी तह० तरन तारन (अन्तरक)

2. श्री मुखतार सिंह सुपुत्र श्री चंचल सिंह वासी रतन कलां तह० तरन तारन (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 5395 अगस्त 1974 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा है।

बी० आर० सगर,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 1-5-1975।  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269(ब) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 1 मई 1975

निदेश सं० ए० एस० आर०/71/75-76—यतः मुझे वी०  
आर० सगर

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती है तथा जो गांव हल्दोरतन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की नाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

6-96GI/75

1. मेजर कुलदीप सिंह सुपुत्र श्री नलवन्त सिंह वासी  
अटारी (अन्तरक)

2. श्री किरपाल सिंह सुपुत्र श्री लाम सिंह वासी रतन कलां  
तहसील तरन तारन (अन्तरिती)

3. जैसा कि न० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 5394 अगस्त 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा।

वी० आर० सगर,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 1 मई 1975।  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 1 मई 1975

सं० जी० बी० डी०/41/75-76—यत् मुझे बी० आर० सगर  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की  
धारा 269-ख के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० सम्पत्ति जो लम्बी रोड़ गिदड़वाहा में स्थित है  
(और इसके उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गिदड़वाहा रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक  
सितम्बर,

1974 को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की जागत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) मैसर्स रामनारायण शिवजी राम काटन गिनिंग मिल्स  
लम्बी रोड़ गिदड़वाहा जिला फरीदकोट माफित  
जी० ऐ० श्री राम नारायण पुत्र श्री धनी राम ।  
(अन्तरक)

(2) श्रीमती लक्ष्मी देवी पत्नी श्री बीरबल दाम मार्फत  
मैसर्स राम नारायण शिवजी राम कमीशन  
एजेन्ट्स मंडी गिदड़वाहा जिला फरीदकोट ।  
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 पर है  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अश्रोहस्ताक्षरी जानता है  
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अश्रोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 577 सितम्बर  
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गिदड़वाहा में लिखा है।

बी० आर० सगर,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 1 मई, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 अप्रैल, 1975

स० 6 जी०डी०बी०/42-75-76—यत मुझे बी०आर० सगर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० सम्पत्ति जो लम्बी रोड गिदडवाहा में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गिदडवाहा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उगने बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की प्रांग 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् —

(1) ममर्स राम नारायण शिवजी राम काटन शिनिग मिल्स लम्बी रोड, जिला फरीदकोट द्वारा जनरल प्रटार्नी श्री राम नारायण सुपुत श्री धनी राम। (अन्तरक)

2 श्रीमती माया देवी पत्नी श्री ग्रोम प्रकाश, श्रीमती बचनी देवी पत्नी श्री देनराज मार्फत राम नारायण शिवजी राम कमीशन एजेन्ट, मण्डी गिदडवाहा जिला फरीदकोट। (अन्तरिती)

3 जैसाकि न० 2 में है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

4 कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसाकि रजिस्ट्रीकरण निलेख न० 579 सितम्बर, 1974 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी गिदडवाहा में है।

बी० आर० सगर

सक्षमरी अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, अमृतसर

तारीख 30-4-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 1 मई, 1975

निर्देश सं० ए०बी०आर०/43/75-76—यतः मुझे, बी०  
आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० दुकान है तथा जो अबोहर मण्डी में स्थित है  
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अबोहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त  
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए ;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ के  
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री विष्णु नारायण सपुत्र श्री लक्ष्मीनारायण द्वारा श्री  
लच्छी राम, पटीशन राईटर, गिदड़बाहा जिला फरीदकोट  
(अन्तरक)
2. श्री हरी चन्द सपुत्र श्री जेटू राम, विजय कुमार, शिव कुमार  
सपुत्रान हरी चन्द, श्रीमती चम्बेली देवी पत्नी हरी चन्द  
सुदेश कुमारी सपुत्री हरी चन्द माल गोदाम रोड, धूरी  
तहसील मलेरकोटला ।
3. जैसाकि नं० 2 में है तथा पुरन चन्द, काँशी राम, श्री  
रोशन लाल तथा श्री राम सरूप ।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति  
है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है ।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति (दुकान कम रहने की बिल्डिंग) जैसा कि रजिस्ट्री-  
कृत धिलेख नं० 1435 सितम्बर 1974 के रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
अबोहर में है ।

बी० आर० सगर,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 1 मई 1975  
मोहर :



प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 1 मई, 1975

निर्देश सं० बी०टी०डी०/44/75-76—यतः मुझे, बी० आर०  
सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269 ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० जमीन है तथा जो नजदीक बीबी पाला रोड,  
भटिडा में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भटिडा में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख सितम्बर 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अग्रस्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/ या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिधों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए :

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री बनारसी दाम सपुत्र श्री भुरजन राम पुत्र मिरया  
मल, भटिडा । (अन्तरक)
2. श्री चेत सिंह पुत्र श्री बख्तावर सिंह पुत्र श्री बग्गा सिंह  
बासी भटिडा । (अन्तरिती)
3. जैसाकि न० 2 पर है ।  
(वह व्यक्ति, जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है ।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप,

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

धरती जैसाकि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3838 सितम्बर  
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, भटिडा में लिखा है ।

बी० आर० सगर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 1 मई, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 1 मई, 1975

निर्देश सं० एम० एन० एस०/45/75-76—यत. मुझे, बी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो गऊ शाला रोड, मानसा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मानसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय का बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जहाँ भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्य अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्मा —

1. श्री बालस राम पुत्र श्री रूप चन्द, वासी मानसा ।  
(अन्तरक)
2. डा० कृष्ण कुमार पुत्र श्री मूलराम राज दुकान न० 765 ब्लाक न० 7 गली न० 10, मानसा । (अन्तरिती)
3. जैसाकि न० 2 में है ।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है ।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हार्ता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दुकान न० 765 ब्लाक न० 7 गली न० 10 मानसा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 3401 सितम्बर 1974 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मानसा में लिखा है।

बी० आर० सगर,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेज, अमृतसर

तारीख : 1 मई, 1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 1 मई 1975

निर्देश सं० एम० एन० एस०/46/75-76—यतः मुझे, बी० आर० सगर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जी गऊशाला रोड, मानसा में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मानसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम गोपाल भपुत्र श्री सागर मल वासी अमृतसर स्पेशल अटार्नी श्री अश्वनी कुमार सपुत्र श्री निज लाल वासी कानपुर (39 माल अमृतसर) (अन्तरक)
2. श्रीमती पुष्पा देवी गत्नी श्री कुन्दन लाल वासी पुत्र श्री राम लाल भकान नं० 784 बार्ड नं० 2 गऊशाला रोड, गली नं० 1, मानसा (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 पर हो ।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षे :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भकान नं० 784 बार्ड नं० 2 गली नं० 1 मानसा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3397 सितम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, मानसा में लिखा है ।

बी० आर० सगर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 1 मई 1975  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 अप्रैल 1975

निर्देश सं० एम० एन० एस०/47/75-76—यतः, मुझे,  
बी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा  
गया है)

की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और  
जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो मानसा में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, मानसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का  
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था,  
छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुकरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब  
की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवधि:—

1. हेमराज सपुत्र श्री चानन राम, वुकानदार नई मण्डी,  
मानसा। (अन्तरक)
2. डा० चरंजी लाल, भागीरथ सेन सपुत्र मिलखी राम  
वासी मानसा कलों। (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

वुकान नं० 826 ब्लाक नं० 7 गली नं० 19 गौशाला रोड  
मानसा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3371 सितम्बर 1974  
को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मानसा में है।

बी० आर० सगर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 30-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 अप्रैल 1975

निर्देश सं० एम० एन० एस०/48/75-76—यतः, मुझे, बी० आर० सगर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो मानसा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मानसा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  
7—96GI/75

1. श्री हेमराज सपुत्र श्री चानन राम, दुकानदार नई मण्डी, मानसा । (अन्तरक)

2. डा० चरंजी लाल, भागीरथ सेन सपुत्र श्री मिलखी राम बासी मानसा कलाँ तहसील मानसा । (अन्तरिती)

3. जैसाकि नं० 2 में है ।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी कर पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

दुकान नं० 826 ब्लॉक नं० 7 गली नं० 19 गौशाला रोड, मानसा, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3372 सितम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी मानसा में है ।

बी० आर० सगर  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 30-4-1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

पायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 अप्रैल 1975

निर्देश सं० ए० एस० आर०/49/75-76—यतः मुझे  
वी० आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से  
अधिक है और जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो मिसरी बाजार  
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख सितम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अम्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल  
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
यह कि अम्तरक (अम्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीमें) के  
बीच ऐसे अम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से अम्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :-

(क) अम्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अम्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. पृथ्वी चंद तथा बृज मोहन सपुत्रान श्री पुरषोत्तम दास  
67 शक्ति नगर, अमृतसर । (अन्तरक)
2. श्रीमती कमलेश कुमारी सपुत्री गोकुल किशन चन्द  
पत्नी श्री बृज मोहन, 67 शक्ति नगर, अमृतसर ।  
(अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार श्री शाम लाल तथा  
श्री बृज मोहन ।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है ।  
(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2030 सितम्बर  
1974 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है ।

वी० आर० सगर,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर ।

तारीख : 30-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक 1 मई, 1975

निर्देश सं० ए० एस० आर०/50/75-76—यत, मुझे, वी०  
आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और  
और जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो रय्या में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बाबावकाला में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
सितम्बर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य  
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल  
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्त-  
रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी अक्षय को बाबत उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य  
आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,  
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

धत : अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रतन सिंह पुत्र श्री चंचल सिंह गांव बाला चक तहसील  
तरन तारन, प्रकाश कौर पत्नी इकबाल सिंह नजदीक सेल्ज टैक्स  
आफिस प्लाट नं० 3 ए कोर्ट रोड, अमृतसर (अन्तरक)

2. श्रीमती जगतार कौर पत्नी दसोधा सिंह, 54 कोर्ट रोड,  
अमृतसर श्रीमती सुखविंदर कौर पत्नी श्री बलवीर सिंह वासी,  
शहीद त० पट्टी (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों  
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1192 सितम्बर  
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बाबावकाला में लिखा है।

वी० आर० सगर,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 1 मई, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक, 1 मई, 1975

निर्देश सं० ए० एस० आर०/51/75-76—यत मुझे वी०,  
आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा  
गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो रय्या  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बाबाबकाला में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
सितम्बर, 1974 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के  
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

1. श्री गुरदियाल सिंह पुत्र श्री बुआ सिंह गांव बाला चुक  
तहसील तरन तारन (अन्तरक)

2. श्री करनैल सिंह पुत्र ऊजागर सिंह, गुरदियाल सिंह,  
अमरीक सिंह पुत्र करनैल सिंह, अमरजीत सिंह पुत्र करनैल सिंह,  
गांव काला नंगल तहसील बटाला। प्रकाश कौर पत्नी इकबाल  
सिंह, नजबीक सेल्ज टैक्स आफिस, अमृतसर

3. श्रीमती जगतार कौर पत्नी दसोधा सिंह 54 कोर्ट रोड,  
अमृतसर, सुखविंदर कौर पत्नी बलवीर सिंह वासी शाहीद  
तहसील पट्टी (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

५३

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1191 सितम्बर  
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बाबा बकाला में लिखा है।

वी० आर० सगर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 1-5-1975

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 अप्रैल 1975

निर्देश सं० फगवाड़ा/52/75-76—यतः मुझे वी० आर०

सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि का प्लॉट तथा जो जो फगवाड़ा गरबी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती मंजू नैय्यर पत्नी श्री प्रमोद कुमार सपुत्र श्री मदन लाल मार्फत पुनम रैस्टोरेट, फगवाड़ा। (अन्तरक)

2. श्रीमती सत्या देवी पत्नी श्री पूरम चंद वासी गांव तरुड़ तहसील फगवाड़ा। (अन्तरिती)

3. जैसा कि सं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

भूमि का प्लॉट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विसूख नं० 1177 सितम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में है।

वी० आर० सगर,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 30-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 अप्रैल 1975

निर्देश सं० फगवाड़ा/53/75-76—यतः मुझे वी० आर० सगर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि का प्लॉट है तथा जो फगवाड़ा गरबी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में लिए सुविधा के लिये, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. श्रीमती मैजू नायर पत्नी श्री प्रमोद कुमार सपुत्र श्री मदन लाल मार्फत पूनम रैस्टोरेट, फगवाड़ा। (अन्तरक)
2. श्री पूरन चन्द सपुत्र श्री देरू राम वासी गांव नरुड़। (अन्तरिती)
3. जैसा कि नं० 2 में है।  
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रूचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसूची

भूमि का प्लॉट जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1164 सितम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में है।

वी० आर० सगर,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 30-4-1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जेन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 30 अप्रैल 1975

सं० ए०एस०आर०/54/75-76—यतः मुझे, बी० आर०  
सगर आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त  
अधिनियम, कहा गया है)

की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो बाहर गेट सांसवाला  
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के  
आधीन सितम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति  
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के  
लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना  
चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री तेजा सिंह सपुत्र श्री बुलका सिंह वासी बाहर गेट  
सांसवाला अमृतसर  
(अन्तरक)

(2) श्री अर्जेन सिंह सपुत्र श्री अंझा सिंह वासी चूड़ बेरी,  
अमृतसर।  
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 में है।  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।  
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता  
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों  
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2198 सितम्बर,  
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है।

बी० आर० सगर,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जेन रेंज अमृतसर

तारीख : 30-4-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 1 मई, 1975

निर्देश सं० ए०एस०आर०/55/75-76—यतः मुझे बी० आर०  
सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है और

जिसकी सं० 1/4 दुकान 173-ए/13 जो शरीफपुरा अमृतसर में  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर  
1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण  
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) जसवंत सिंह पुत्र श्री ईश्वर सिंह बासी 676 शरीफपुरा  
अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स निरंकारी फाइनेंस एण्ड चिट फंड, बाजार चौक  
बाबा भौरी वाला अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रचि रखता हो  
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है  
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

अनुसूची

1/4 दुकान नं० 173 ए०/13 शरीफपुरा अमृतसर जैसाकि  
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 2051 सितम्बर, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी, अमृतसर में लिखा है।

बी० आर० सगर,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 1 मई 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 1 मई, 1975

निर्देश सं० ए०एस०आर०/56/75-76—यतः मूझे, बी०  
आर सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया  
है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और  
जिमकी सं० 1/2 दुकान न० 173-ए०/13 जो शरीफपुरा अमृतसर  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम 1909 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से वृत्तित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
व्यक्ति में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

8—96GI/75

(1) श्रीमती अमरीक कौर पत्नी श्री गुरदीप सिंह कटरा  
मोहर सिंह, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) मेसर्स निरंकारी फार्नेस एण्ड चिट फड बाजार  
चौक बाबा भोरी वाला अमृतसर।

(3) जैसा कि न० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह  
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

1/2 दुकान न० 173-ए०/13 शरीफपुरा अमृतसर जैसा कि  
रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2057 सितम्बर, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी, अमृतसर में लिखा है।

बी० आर० मगर,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 1 मई 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

प्रमृतसर दिनांक 1 मई, 1975

निर्देश सं० ए०एस०आर०/57/75-76—यतः मुझे बी०  
आर० मगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 1/4 दुकान 173-ए०/13 जो शरीफपुरा  
अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन  
सितम्बर, 1974 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(4) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का  
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री परदुमन सिंह पुत्र श्री संत सिंह सावन नागर अमृतसर  
(अन्तरक)

(2) मैसम निर्णकारी फाइनैस एन्ड चिट फंड बाजार कौक  
भौरी वाला अमृतसर।  
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह  
व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है  
कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि, या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि,  
बाद में सम्पन्न होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

1/4 दुकान 173-ए०/13 शरीफपुरा अमृतसर जैसा कि  
रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 2128 सितम्बर, 1974 की रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी अमृतसर में लिखा है।

बी० आर० नागर

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 1 मई 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 1 मई 1975

निर्देश सं० ए०एम०आर०/64/75-76—यत. मुझे, बी०  
आर० मगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० भूमि जो गांव तुंगपाई में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम  
1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित

की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री समीन्द्र सिंह पुत्र श्री बघावा सिंह वासी तुंगपाई  
तहसील, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री खरायती लाल महाजन सुपुत्र श्री पुष्प मग कटड़ा  
महल सिंह कूल्चा छबगरा अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 में है

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) कोई भी व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिसके बारे में अद्योहस्ताक्षरी जानता है  
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा; या

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 6208 सितम्बर,  
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है।

बी० आर० मगर

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 1-5-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 1 मई 1975

निर्देश सं० ए० एस० आर०/65/75-76—

यतः, मुझे, बी० आर० सगर,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जो गांव तुंगपाई में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण के हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री समिन्द्र सिंह सपुत्र श्री बधावा सिंह वासी तुंगपाई तहसील अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्री सतपाल सपुत्र श्री छज्जू राम वासी कूचा छज्जू मिशर, कटड़ा धनैयां, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि

रखता है। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत खिलेख नं० 6212 सितम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है।

बी० आर० सगर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख : 1-5-1975

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 1 मई 1975

निर्देश न० ए०एम०आर०/66/75-76—

यतः मुझे, बी० आर० सगर, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)

की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० धरती है तथा जो गाँव तुगपाई में स्थित है (और इससे उपाय्य अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री समिंदर सिंह पुत्र श्री वधावा सिंह वासी तुगपाई तहसील अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री बलराज महाजन पुत्र श्री नागर मल महाजन 110, दयानंद नगर, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है की वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6206, सितम्बर 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा है।

बी० आर० सगर,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख: 1-5-1975

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 1 मई 1975

निर्देश सं० ए०एस०आर०/67/75-76—

यतः, मुझे, बी० आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

जिसकी सं० भूमि है तथा जो तुंगपाई में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिख में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री समिन्द्र सिंह सपुत्र श्री बधावा सिंह वासी तुंगपाई तहसील अमृतसर।

(अन्तरक)

2. श्री किदार नाथ सपुत्र श्री अमर नाथ, गली नं० 3 बाग रामानन्द, अमृतसर।

(अन्तरिती)

3. जैसा की नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6211 सितम्बर 1974 की रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है।

बी० आर० सगर,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 1-5-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 1 मई 1975

निर्देश सं० ए०एस०आर०/68/75-76—

यतः मुझे, बी० आर० सगर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
जिसकी सं० जमीन है तथा जो गांव तुंगपाई में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख सितम्बर  
1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
या, ठिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री समिंदर सिंह पुत्र श्री बधावा सिंह वासी तुंगपाई  
त० अमृतसर

(अन्तरक)

2. श्रीमती शकुंतला देवी पत्नी श्री खरैती लाल कुचा डवगरी,  
कटरा, महासिंह अमृतसर।

3. जैसा कि नं० 2 पर है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में  
सम्पत्ति है)

4. श्री/श्रीमती/कुमारी कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रवि  
रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संशुद्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 6213 सितम्बर  
1974 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में लिखा है।

बी० आर० सगर,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख 1-5-75

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 1 मई, 1975

निर्देश सं० ए०एस०आर०/69/75-76—यतः मुझे, वी०  
आर० सगर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की  
धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० जमीन जो गांव नुंगपाई में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित  
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत  
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का  
27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए

अतः अब धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम,  
की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित  
व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्री समिन्दर सिंह पुत्र श्री वधायाँ सिंह बामी नुंगपाई  
तहसील अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री बलराज महाजन पुत्र नागर मल महाजन 110  
दयानंद नगर अमृतसर 2. खरैती लाल महाजन पुत्र श्री पुष्पू मल  
कटरा महा सिंह कुचा डबगरा अमृतसर 3. केदार नाथ पुत्र श्री  
अमरनाथ गली न० 3 बाग रामानंद अमृतसर 4. सतपाल  
पुत्र छज्जू राम कटरा धनईयां शकुन्तला देवी पत्नी खरैती लाल  
कटरा महासिंह अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि न० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है)।

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह  
व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति  
में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

धरती जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 6206, 6208,  
6211, 6212, 6213, मितम्बर, 1974 को रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी अमृतसर में लिखा है।

वी० आर० सगर,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख :

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(2) श्री मोहम्मद मुस्तफा व अन्य

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 22 अप्रैल, 1975

निर्देश सं० 50 एम/अर्जन —यतः मुझे, विशम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० है जो ग्राम चक कमाल उद्दीन आजमगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आजमगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 12-9-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के, उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री अब्दुल कयूम

(अन्तरक)

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्विकीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उप अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक किता मकान मय आहुता व सहन व आरा मशीन व मोटर वगैरह शामिल है । जो कि ग्राम चक कमाल उद्दीन सप्पा नन्दाव जिला आजमगढ़ में स्थित है ।

विशम्भर नाथ  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 22-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(2) श्री तुषारकान्ति शोष

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 22 अप्रैल, 1975

निर्देश सं० 7-टी०/अर्जन—यत' मुझे, विशम्भर नाथ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें हमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है)

की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० बी० 185 ए है तथा जो चान्द गंज लखनऊ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 17-9-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बानत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्षातु :-

(1) श्रीमती सावित्री देवी

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता प्लॉट नं० बी० 185/ए० जिसका रकबा 12828 वर्गफुट है। जो चान्द गंज लखनऊ में स्थित है।

विशम्भर नाथ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 22-4-1974

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०-----

(1) श्रीमती लालिमादेवी व अन्य

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

(2) श्री गोपालदास व अन्य

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, लखनऊको यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

लखनऊ, दिनांक 22 अप्रैल, 1975

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० 20-जी०/अर्जन — यतः मुझे, विणम्बर नाथ  
आयकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम,  
कहा गया है।) की धारा 269-ब के अधीन  
सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक हैऔर जिसकी सं० के०-63/20 है तथा जो भूत भंगे जिला वाराणसी में  
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 25-9-1974 को  
पूर्वोक्त सम्पत्तिके उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के  
लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अधीन  
कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या  
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं  
किया गया था, या किया जाना चाहिए था  
छिपाने में सुविधा के लिए।अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों  
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता तीन मंजिला मकान न० के० 63/20 जिसका  
रकबा 1458-5 वर्गफुट है। जो कि मोहल्ला भूत भंगे जिला वाराणसी  
में स्थित है।विणम्बर नाथ,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊतारीख : 22-4-1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रैंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अप्रैल 1975

निदेश सं० XIX/22/3ए०/74-75—यतः, मुझे, के० बी०  
राजन आयकर

अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 66,67,68,69 और 71, लक्ष्मीपुरम सेकण्ड स्ट्रीट, कुत्तलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तेनकासी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री सीता आर० सुरेन्द्रन, मदुरै (अन्तरिक)

(2) श्रीमती के० सरोजिनी देवी, मदुरै (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे

स्वीकृति :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुत्तलम, लक्ष्मीपुरम सेकण्ड स्ट्रीट और सं० 66,67, 68,69 और 71 में 1.65 एकड़ का भूमि और मकान (1/5 भाग)।

के० बी० राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रैंज-I, मद्रास

तारीख : 16-4-1975  
मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

- (1) श्री सिता श्रार० गोबीनात, मदुरै (अन्तरक)  
(2) श्रीमती के० सरोजिनी देवी, मदुरै (अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, तारीख 16 अप्रैल 1975

निदेश सं० XIX/22/1सी०/74-75—यतः, मुझे, के०  
वी० राजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का  
43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया  
है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,  
और जिसकी सं० 66, 67, 68, 69 और 71, लक्ष्मीपुरम सेकण्ड  
स्ट्रीट, कुत्तालम में स्थित है (और इससे उपा-  
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, तेनकासी में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर,  
1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त  
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,  
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्रवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

**अनुसूची**

कुत्तालम, लक्ष्मीपुरम सेकण्ड स्ट्रीट डोर सं० 66, 67,  
68, 69 और 71 में 1.65 एकड़ का भूमि और मकान  
(1/5 भाग)।

के० वी० राजन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख: 16-4-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस्०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अप्रैल 1975

निवेश सं० XIX/22/3बी/74-75—यतः, मुझे, के० बी०  
राजन, आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'  
कहा गया है)

की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 66,67,68,69 और 71 लक्ष्मीपुरम सैकन्ड  
स्ट्रीट, कुलालम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तेनकासी  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन सितम्बर 1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सिला आर० मोतीलाल, मधुर (अन्तरक)

2. श्रीमती के० सरोजिनी देवी, मधुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाः  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

कुलालम, लक्ष्मीपुरम सैकन्ड स्ट्रीट डोर सं० 66,67,68,  
69 और 71 एकड़ में 1.65 एकड़ का भूमि और मकान  
(1/5 भाग)।

के० बी० राजन  
समक्ष प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक 16-4-1975  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 16 अप्रैल 1975

निदेश सं० XIX /22/बी/74-75 यतः, मुझे, के० बी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ब के अधीन समक्ष प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 66,67,68,69 और 71 लक्ष्मीपुरम सैकन्ड स्ट्रीट, कुलालम में स्थित है (और इससे उपाध्द अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तेनकासी, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि ब्याप्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सिता आर० जनारदनन, मदुरै (अन्तरक)
2. श्रीमती के० सरोजिनी देवी, मदुरै (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुलालम, लक्ष्मीपुरम सैकन्ड स्ट्रीट डोर सं० 66,67,68,69 और 71 में 1.65 एकड़ का भूमि और मकान (1/5 भाग)।

के० बी० राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

दिनांक : 16-4-1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन०एस०—

1. श्रीसिता आर० राजाराम, मदुरै

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्रीमती के० सरोजिनी देवी, मदुरै

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

मद्रास, दिनांक 16 अप्रैल 1975

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

निर्देश सं० XIX/22/1ए/74-75—यस: मुझे, के० वी०  
राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961  
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा  
गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 66,67,68,69 और 71 लक्ष्मीपुरम सैकन्ड  
स्ट्रीट, कुलालम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
तेनकासी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन सितम्बर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कायित नहीं किया गया है:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा  
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए।

कुलालम लक्ष्मीपुरम सैकन्ड स्ट्रीट डोर सं० 66,67,68  
69 और 71 में 1.65 एकड़ का भूमि और मकान (जिसका  
और एस० सं० 23/2ए, 2ए, 1ए, 1ए, 1ए, 1ए और 2)।

के० वी० राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

तारीख 16-4-75  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० —————

1. श्री वी० एस० पी० रामन 15, सन्नदी स्ट्रीट पोलूर, (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री टी० एस० बाबा सहिब पोलूर। (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

अर्जन रेंज, I-मद्रास

मद्रास, दिनांक 23 अप्रैल 1975

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निदेश सं० /XX/15/2सी/74-75 यतः, मुझे, के० वी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० एस० सं० 96/1 करुनीकर स्ट्रीट, में है, जो पोलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पोलूर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्टूबर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—  
10—96GI/75

पोलूर करुनीकर स्ट्रीट एस० सं० 96/1 में 84 सेन्ट का भूमि और मकान।

के० वी० राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज I, मद्रास

दिनांक 23-4-1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

1. श्री वी० पी० भारतवाजन, 15, सश्वदी स्ट्रीट, ~~पोलूर~~  
(अन्तरक)आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)  
की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री टी० एस० बाबा साहिव (अन्तरित)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

मद्रास, दिनांक 23 अप्रैल 1975

निदेश सं० XX/14/2बी/74-75 यतः, मुझे, के० वी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एस 97 98 और 98/1 बी, करुनीकर स्ट्रीट पोलूर है, जो मे स्थित है और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पोलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1098 का 16) के अधीन 16 सितम्बर 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य के उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

अनुसूची

पोलूर करुनीकर स्ट्रीट एस० सं० 97, 98/8 और 98/1बी में 65 सेन्ट्स का भूमि और मकान।

के० वी० राजन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 23-4-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

1. बी० एस० पट्टाबीरामन और बी० पी० आनन्द, पोलूर  
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

2. श्री टी० एस० बाबा सहिव, पोलूर (अन्तरिती)

की धारा 269 ष (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहिया शुरू करता हूँ ।

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास, दिनांक 23 अप्रैल 1975

निदेश सं० XX/14/2ए/74-75 यतः मुझे, के० बी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एस०, 264 करनीकर स्ट्रीट, पोलूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पोलूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

पोलूर करनीकर स्ट्रीट में 11091 स्क्वायर फीट का भूमि और मकान (जिसका एस० सं० 264) ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

के० बी० राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

दिनांक : 23-4-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

1. श्री मोहमद आदम सेद मद्रास-8 (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अप्रैल 1975

निदेश सं० IX/1/41/74-75—यतः, मुझे, के० बी० राजन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 12ए और 12बी गोविन्दप्प नायक्कन स्ट्रीट है, जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

2. श्रीमती शान्ता और आदी, मद्रास-1 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मद्रास-1, गोविन्दप्प नायक्कन स्ट्रीट डोर सं० 12ए और 12बी में 2301 स्क्वयर फीट का भूमि और मकान (जिसका आर० एस० सं० 10566/1 और 10566/2)।

के० बी० राजन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 29-4-1975

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

2. यूनिवर्सल एन्टरप्राइस, मद्रास

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

भारत सरकार

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 29 अप्रैल 1975

निदेश सं० IX/3/97/74-75 यतः, मुझे, के० बी० राजन  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति;  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिनकी सं० 415, पूनमल्ली है रोड, मद्रास में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, मद्रास में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908  
(1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य  
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नारायणदास, मद्रास

(अन्तरक)

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास पूनमल्ली है रोड, डोर सं० 415 में 8 ग्रांन्ड और 840  
स्क्वायर फीट का भूमि और मकान (जिसका आर० एस० सं० 154  
भाग)।

के० बी० राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, मद्रास

तारीख : 29-4-1975  
मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास,

मद्रास, दिनांक 16 अप्रैल 1975

निदेश सं० एक्स/1(.)/22/74-75—यतः, मुझे, के० वी०  
राजन

आयकर अधिनियम, (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्  
'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० 165-ए, अलगर कोईल रोड, मदुरै है जो  
में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मदुरै में भार-  
तीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 16) अधीन  
16 सितम्बर, 1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल, से ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित वास्तविक रूप में से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
की, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री के० एम० एस० एल० सुन्दररामन मदुरै  
(अन्तरक)

(2) श्री एम० सिगारम चेदित्यार 165-ए, अलगर  
कोईल रोड मदुरै  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप, :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

मदुरै, अलगर कोईल रोड डोर सं० 165-ए में 20461  
स्कुरर फीट का भूमि और मकान (जिसका आर०एस०  
सं० 831/2/3)।

के० वी० राजन  
सक्षम प्राधिकारी,  
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज मद्रास।

तारीख : 16-4-1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास दिनांक 11 अप्रैल, 1975

निर्देश सं० IX /3/76/74-75—यतः, मुझे, के० बी०  
राजन

आयकर अधिनियम 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रु० से अधिक है और जिसकी सं० 15, हारिटन रोड, मद्रास है, जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16 सितम्बर, 1974 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री जे० एच० तारापुर, मद्रास-10 (अन्तरक)

(2) श्री एम० एफ० मेहता, मद्रास-10 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-फ में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मद्रास-31, हारिटन रोड डोर सं० 15 में 4 ग्राण्ड्स और 744 स्क्वयर फीट का भूमि (जिसका आर०एम० सं० 324 और 329)।

के० बी० राजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज I, मद्रास।

तारीख 11-4-1975

मोहर :

प्ररूप० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1/2, दिल्ली-1

4/14ए, आसफअली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1975

निदेश सं० आई०ए०सी०/एक्यू०/1/एस०आर०-III/नवम्बर  
II/575/523(35)—यतः, मुझे, चं० बी० गुप्ते

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम, कहा  
गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/-रुपये से अधिक है और  
जिसकी सं० प्लॉट नं० 59, फ्रैण्डस कालोनी (ईस्ट) है, जो  
मथुरा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद्ध अनु-  
सूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन 30-11-1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने के  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में  
सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग  
अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 1 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. मैं० नाथूराम फ्रैण्डस कालोनी को-आपरेटिव हाउस  
बिल्डिंग सोसाईटी, मथुरा रोड, नई दिल्ली (अन्तरक)

2 श्री मनमोहन खन्ना, सुपुत्र स्वर्गीय श्री मेहर चन्द खन्ना  
59, फ्रैण्डस कालोनी (ईस्ट), मथुरा रोड, नई दिल्ली।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभ्योहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

#### अनुसूची

प्लॉट को भूमि जिसका क्षेत्रफल 1930 वर्ग गज (लगभग)  
है तथा जिसका नं० 59, है जोकि नाथूराम फ्रैण्डस कालोनी  
(ईस्ट), मथुरा रोड, नई दिल्ली में निम्न सीमाओं में स्थित  
है :—

पूर्व : सर्विस लेन

पश्चिम : मुख्य सड़क

उत्तर : प्लॉट नं० 59-ए०

दक्षिण : प्लॉट नं० 58-ए०

चं० वि० गुप्ते  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-1, दिल्ली  
नई दिल्ली-1

तारीख : 6-5-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

60/61 एरंडवना, कर्वे रोड, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 8 मई 1975

निर्देश सं० सी० ऐ० 5/आंगस्त 74/हवेली-II (पूना)  
194/75-76:— यतः मुझे, एस० पी० कृष्णमूर्थी  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा  
गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,  
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
जिसकी सं० फायनल प्लेट नं० 415-ए, है तथा जो  
शिवाजी नगर पूना में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय हवेली-II, (पूना) में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
27-8-1974 को

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त  
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं  
'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

11—96GI/75

- (1) श्री प्रार० एस० गायतोंडे राधा मंदिर, भालचन्द्र  
रोड, माटंगा, बवई - 19 (अन्तरक)
- (2) श्री एस० एन० तेलग (एच० यू० एफ) 74/1  
जिआँग्राफिकल सोसायटी मार्ग पूर्व मराठ पल्ली,  
सिकंदराबाद-26 (अन्तरिती)
- (3) श्री जी० एच० शाह 415-ए, शिवाजी नगर  
पूना-15 (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग  
में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये  
एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्री होल्ड बिल्डिंग, 1965-67 बांधी ह्यूरी फायनल  
प्लेट नं० 415-ए शिवाजी नगर चतुःश्रृंगी रास्ता, पूना-  
15

प्लेट का क्षेत्रफल - 5825 वर्गफीट  
ग्राउंड फ्लोअर - 1778 वर्गफीट  
फर्स्ट फ्लोर - 1281 वर्गफीट

एस० पी० कृष्णमूर्थी,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज पूना

तारीख : 8-5-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज एरणाकुलम कोचिन-II

कोचिन-II, तारीख 5-5-75

निदेश सं० एल० सी० 35/75-76.—यतः मुझे, के० राजगोपालन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयवाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो कोल्लम जिला के पुनलूर विल्लेज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पुनलूर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-8-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकाश नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री टी० के० उम्मान, श्री कुरियन के पुत्र, मैने-जिंग डायरेक्टर, बीबी रबर एस्टेट लिमिटेड, बीबी एस्टेट बंगलाऊ पुनलूर (अन्तरकर)

(1) श्री वाजहान मुहम्मद कुतुब के पुत्र बाजी मंजिल बलक्कोर पुरी, पुनलूर विल्लेज, पुनलूर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कोल्लम जिला के, पुनलूर पुरी, पुनलूर विल्लेज के सर्वे सं० 599/1/77, 599/1/152, 599/1/153, 599/1/154, 599/1/160, 599/1/161, 599/1/164, 599/1/227 10 एकड़ रबर एस्टेट।

के० राजगोपालन,  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज एरणाकुलम कोचीन

तारीख : 5-5-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, एरणाकुलम कोचीन-II

कोचीन-II, तारीख 5-5-75

निर्देश सं० एल० सी० 34/75-76:—यतः मुझे, के० राजगोपालन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है जिसकी सं० 12854 है तथा जो, मथ्यनाड विल्लेज कोल्लम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोल्लम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-8-74 की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री एन० रामचन्द्र रेडयार, चेरियमडत्तिन, पल्लि-थोटं, कोल्लम (अन्तरक)
- (2) श्री एन० कृष्णन, कृष्ण भवन, मुन्डक्कल कोल्लम (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोल्लम जिला में, मथ्यनाड विल्लेज में सर्वे० सं० 12854 के अन्तर्गत 2 एकड़ 274 टोनटटर भूमि तथा मकान (काष्ण फैंद्री)

के० राजगोपालन  
समक्ष अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 5-5-75।

मोहर :

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, ज्योति बिल्डिंग्स, गोमाल प्रभु रोड एर्णाकुलम,

कोचीन-II

कोचीन-II, दिनांक 5 मई 1975

निर्देश सं० एल० सी० 33/75-76— यतः मुझे, के० राजगोपालन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और

जिसकी सं० 12/5, 12/7, 12/9, 13/1क, 13/1ख, और 13/1ग है तथा जो पालघाट में मस्तरोड ग्राम देश में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पालघाट में, रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-8-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) मैसर्स माल्येबल ट्यूब प्रोडक्ट्स आफ इंडिया पालघाट (अन्तरक)
- (2) मैसर्स दि पालघाट माल्येबलस लिमिटेड, पालघाट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ :—

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आशेष,—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

पालघाट में मस्तरोड ग्राम देश में सर्वे० सं० 12/5, 12/7, 12/8, 13/1क, 13/1ख और 13/1ग में 2 एकड़ 43 सेंटक भूमि तथा मकान।

के० राजगोपालन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, एर्णाकुलम

तारीख : 5-5-75

मोहर :



## प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

अर्जन रेंज, ज्योती बिल्डिंग्स

गोपाल प्रभु रोड, एरणाकुलम्, कोच्चिन

एरणाकुलम्, दिनांक 5 मई 1975

निर्देश सं० एल० सी० 36/75-76—यन मुझे, के०  
राजगोपालन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो कोल्लम  
जिला के पुनल्लुर विल्लेज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, पुनल्लुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
2908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-8-74 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक  
है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्न-  
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को  
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त  
अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री टी० के० उम्मन श्री कुरियन के पुत्र मैनेजिंग  
डायरेक्टर, बीबी स्वर एस्टेट लिमिटेड, बीबी  
एस्टेट बगनाड पुनल्लुर। (अन्तरक)
- (2) श्री मुहम्मद कुन्जु श्री परोद कुन्जु के पुत्र वाली  
मजिल, पुनल्लुर विल्लेज पुनल्लुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

कोल्लम जिला के पुनल्लुर विल्लेज, पुनल्लुर मुरी के  
सर्वे सं० 599/1/77, 599/1/152, 599/1/153,  
599/1/154, 599/1/160, 599/1/161, 599/1/164,  
599/1/227 में 9 एकड़ 28 सेंटरल स्वर एस्टेट।

के० राजगोपालन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम्

तारीख : 5-5-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, ज्योती बिल्डिंग्स  
गोपाल प्रभु रोड, एरणाकुलम्, कोच्चिन

एरणाकुलम्, दिनांक : 5 मई 1975

निदेश सं० एल० सी० 37/75-76 ---यत मुझे, के०  
राजगोपालन

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा  
गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी  
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो कोल्लम  
जिला के पुनलुर विल्लेज में स्थित है (और इससे उपावद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-  
कारी के कार्यालय, पुनलुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-8-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के  
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग  
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री टी० के० उम्मन श्री कुरियन के पुत्र मैनेजिंग  
डायरेक्टर बीबी रबर एस्टेट लिमिटेड, बीबी  
एस्टेट बगलाए पुनलुर (अन्तरक)
- (2) श्री शांजहान, मुहम्मद कुन्जु के पुत्र बाजी मंजिल  
वलक्कोर, पुनलुर मुरी, पुनलुर विल्लेज, कोल्लम  
(अन्तरिती)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

कोल्लम जिला के पुनलुर मुरी, पुनलुर विल्लेज के सर्वे  
सं० 599/1/77, 599/1/152, 599/1/153, 599/1/154  
599/1/160, 599/1/161, 599/1/164, 599/1/227  
में 10 एकड़ रबर एस्टेट।

के० राजगोपालन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम्

तारीख : 5- 5- 75  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज ज्योती बिल्डिंग्स

गोपाल प्रभु रोड, एरनाकुलम कोच्चिन।

एरनाकुलम, तारीख 6-5-75

निदेश सं० एल० सी० 39/75-76:—यतः मुझे, के०  
राजगोपालन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43)(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार, मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० अनुसूची के अनुसार है तथा जो कालिकट के नगर अंश देश में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चालणपुरम में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन, तारीख, 21-8-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब, उक्त अधिनियम धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री विविन्दास पोकरदास, श्री पोकरदास के पुत्र बैकर, नगर, कालिकट (अन्तरक)
- (2) श्री के० बी० जी० राऊ एस्टेट (हि० अ० कु०) मैनेजर एण्ड कर्ता श्री के० बी० गोविन्द राऊ से प्रतिनिधित्व, श्री के० बी० देवदास राऊ, के पुत्र बच्चेरी अंश मल्लिमर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

कालिकट के नगर अंश देश के सर्वे सं० 39/6क (आर० एस० 11/2-75/2) में स्थित, कालिकट निगम के सं० 11/179 मकान के पहले और दूसरे मजिलों के और दूसरे मंजिल के खुली छत के 1/5 अधिकार।

के० राजगोपालन,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, एरनाकुलम

तारीख : 6-5-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 अप्रैल 1975

निदेश नं० अर्जन / 131/रठ/ 74-75/ 115:--- अतः, मुझे, आई० खोखर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 41 है तथा जो सत्य नगर गढ़ रोड जि० मेरठ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेरठ, में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-9-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ---

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री सत्य प्रकाश गोयल, पुत्र स्व० लाला बनूचारी लाल जी, रामनगर जि० मेरठ (अन्तरक)
- (2) श्री गंगा सरन पुत्र श्री चिरजी लाल, 48, ठट्टर वाड़ा जि० मेरठ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

37 कनाल 3 मरले जमीन जिसका पूर्ण रूप रजिस्ट्रीकृत नकोदर के अगस्त, 1974 के वसीका नं० 1290 में दिया है।

एक मजिल का एक मकान जिसका नं० 41 है जो सत्यनगर गढ़ रोड, जि० मेरठ में स्थित है इसका हस्तान्तरण रु० 40,000) में किया गया है।

आई० खोखर  
सक्षम अधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 15-4-75

मोहर :-

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 अप्रैल 1975

निदेश सं० अर्जन / 129/ आगरा/ 74-75/116 :—

अतः मुझे, आई० खोखर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिस सं० 358 और 360 है तथा जो, सिख गुरुद्वारा बाईपास रोड, आगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, के अधीन, तारीख 5/8/1974

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए सुकर बनाना।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

12—96 GI/75

(1) श्री श्याम सुन्दर व सत्यमेव और रघुबीर पुत्रगण  
भीमसेन जि० मौजा ककरेटी, तह० व जि० आगरा।  
(अन्तरक)

(2) श्री परशुराम नगर सहकारी गृह निर्माण समिति  
लिमिटेड आगरा द्वारा सैकटरी रमेश चन्द शर्मा।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसकी माप 3 बीघा और 5 बिस्वा है जो खाता नं० 358 (1-15-0) और 367 (1-10-0) में है यह सिख गुरुद्वारा बाईपास रोड, आगरा, में स्थित है इसका हस्तान्तरण रु० 48,000/- में किया गया है।

आई० खोखर,  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 16-4-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 अप्रैल 1975

निदेश सं० अर्जन/5/ओरैया/74-75/117—

अतः, मुझे, वाई० खोखर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन तत्काल प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 89 है तथा जो मौजा सानपुरा इमामगली परगना ब पोस्ट ओरैया जि० इटावा में स्थित है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23/8/74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथमपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राधाकृष्ण और रामसङ्गही पुत्रगण श्री छदम्मीलाल नि० कस्बा ओरैया, मोहल्ला ठठगही संघ नगर और निजैक नगर परगना ब पोस्ट अफिस ओरैया जि० इटावा। (अन्तरक)

2. श्रीमती शीला देवी पत्नी सुरेन्द्र कुमार, गुरुदयाल प्रसाद, छोटे लाल और आत्मा राम पुत्रगण पुष्प लाल नि० गुरुहाई पोखल कालोनी ओरैया और रामसेवक, सुरेशचन्द्र और जगदीश चन्द पुत्रगण रामलाल, नि० गण मौ० खिडकी साहेबराय ओरैया भीमसी ऊपा देवी पत्नी सतीश चन्द गुप्ता नि० मोहल्ला होमगंज भरथना और सतोष कुमार पुत्र गुरुदयाल प्रसाद और रूपराम पुत्र जानकी प्रसाद नि० गुरुहाई पोखल कालोनी पोस्ट और पर० ओरैया जि० इटावा। (अन्तरिती)

3. अन्तरक

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मौजा सानपुर इमामगली में स्थित भूमि प्लॉट नं० 89 (भूमि धरती भूमि) जिसकी माप 5.87 एकड़ है इसका हस्तान्तरण 52,600 रु० में किया गया है।

वाई० खोखर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 16-4-75

मोहर :

प्रकृष्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 अप्रैल 1975

निदेश सं० एफ० 140/अर्जन/गाजियाबाद/74-75/119—

अतः, मुझे, आई० खोखर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है)।

की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० सूची के अनुसार है तथा जो न० गाजियाबाद जि० मेरठ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31-8-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कान्ता प्रसाद सुपुत्र बलराम निवासी 8-वी० गुफुर निवासी टाऊन देहली मुखतार आम मिनजानिब सं० सुरेन्द्र पाल सिंह व सं० सम्पूर्ण सिंह पुत्रगण सं० प्रताप सिंह निवासी 1/124 जनपत लेन नई देहली व श्रीमती महेन्द्र कौर पत्नी सं० रमणीक सिंह निवासी शीशल होटल शिमला व सं० महेन्द्र सिंह पुत्र सं० प्रताप सिंह निवासी पिलामिया इन्दौर सं० सम्पूर्ण सिंह पुत्र प्रताप सिंह निवासी 1/124 जनपत लेन नई दिल्ली।

(अन्तरक)

श्री अशोक कुमार पुत्र लाला कान्ता प्रसाद निवासी डी-1/31 माडल टाऊन, देहली-9।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 4776 बाहरी खसरा न० 1359 और प्लॉट न० 109, 108, 110, 111, 112, 113, 114, 115, और 116, 117, 118 और 119 प्रत्येक की माप 200 वर्ग गज और बाहरी खसरा न० 1358 प्लॉट न० 122, 123, 124, 125, 126 और 127 प्रत्येक की माप 266 वर्ग गज और 195 प्रत्येक प्लॉट की माप 160 वर्ग गज स्थित, लाजवन्ती मार्केट, अवरिणी मार्केट, गांव और परगणा लोनी व० गाजियाबाद जिले का हस्तांतरण 20,000 रु० में हुआ है।

आई० खोखर

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 15-4-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 अप्रैल 1975

निदेश सं० 149/अर्जन/गाजियाबाद/74-75/120—

अतः मुझे, आई० खोबर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है)  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार (जो अब रिसिमारकेट  
है) ग्राम व परगना लोनी त० गाजियाबाद में स्थित है (और  
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, जिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
12-8-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,  
निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाधत उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिये था छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः—

1. श्री कान्ता प्रसाद पुत्र ला० बालेराम नि० 8-वी०,  
गुजरानवाला कस्बा दिल्ली, मुख्तार ग्राम श्री सुन्दर पाल

सिंह व सरदार सम्पूर्ण सिंह पुत्रगण सरदार प्रताप सिंह नि०  
1/124 जनपत लैन नई दिल्ली व श्रीमती महेन्द्र कौर पत्नी  
रमणीक सिंह नि० प्रीशल होटल शिमला, व सरदार  
महेन्द्र सिंह पुत्र सरदार प्रताप सिंह नि० दिलासिया  
इन्दौर व सरदार सम्पूर्ण सिंह पुत्र सरदार प्रताप सिंह  
नि० 1/124, जनमत लैन नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री सतीश कुमार पुत्र लाला कान्ता प्रसाद नि० डी०-  
1/31, माडल टाऊन दिल्ली-9।

3. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

#### अनुसूची

भूमि जिसकी माप 4840 वर्गगज जो खसरा नं०  
1369 (प्लॉट नं० 17 क्षेत्र फ० 200 वर्गगज) खसरा नं०  
1359 और 1360 (प्लॉट नं० 26 माप 200 वर्ग गज)  
1359 (प्लॉट नं० 29, 30 और 31 प्रत्येक की माप 160  
वर्ग गज) 1359 और 1360 (प्लॉट नं० 32 और 33  
प्रत्येक माप 160 वर्ग गज) 1359 (प्लॉट नं० 19, 50,  
51, 54, 55, 56, 57, 58, 65, 66, 67, 68, 69 प्रत्येक  
की माप 200 वर्ग गज केवल प्लॉट नं० 49 (150 वर्ग गज)  
प्लॉट नं० 65 माप 260 वर्ग गज, खसरा नं० 1358  
और 1359 प्लॉट नं० 34 माप 430 वर्ग गज)  
जो लाजवंती मार्केट (जो अब रिसोमार्केट है) ग्राम  
व परगना लोनी तह० गाजियाबाद, जि० मेरठ में स्थित है।

आई० खोबर

सक्षम प्राधिकारी

(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(अर्जन रेंज), कानपुर

तारीख: 15-4-75

मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 अप्रैल 1975

निर्देश सं० 142/अर्जन/गाजियाबाद/74-75/121--

अतः मुझे, वाई० खोखर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी मं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो लाजवन्ती मार्केट जो अब रिशी मार्केट है ग्राम० व पर० लोनी तह० गाजियाबाद में स्थित है (और उससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-8-74

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री कान्ता प्रसाद पुत्र लावा बालेराम नि 8-बी० गुजरानवाला, कम्बरा दिल्ली मुख्तार ग्राम निन जामिन सरदार

मुरेन्द्र पाल सिंह और सरदार सम्पूर्ण सिंह पुत्रगण सं० प्रताप सिंह नि० 1/124, जनमत लैन नई दिल्ली और श्रीमती महेन्द्र कौर पत्नी म० रमणीक सिंह पो० शीशल होटल, शिमला और सरदार महेन्द्र सिंह पुत्र सं० प्रताप सिंह नि० पिलासिया इन्दौर और सं० सम्पूर्ण सिंह, पुत्र म० प्रताप सिंह नि० 1/124, जनमत लैन नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री अशोक कुमार पुत्र ला० कान्ता प्रसाद नि० डी०-1/31, मोडल टाऊन दिल्ली-9।

(अन्तरिती)

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

भूमि माप जिसकी माप 4965 वर्गगज, खसरा नं० 1357/2 (प्लॉट नं० 189, 190, 191, 192, 193 प्रत्येक प्लॉट की माप 233 वर्गगज, 196, 197, 198, 199, और 200 प्रत्येक की माप 160, वर्गगज, खसरा नं० 1357/3 (प्लॉट नं० 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142 और 143, प्रत्येक की माप 200 वर्गगज) स्थित, लाजवन्ती मार्केट जो अब रिशी मार्केट है ग्राम लोनी परगना लोनी तह० गाजियाबाद, जि० मेरठ इसका हस्तान्तरण 22000 रु० में किया गया है।

वाई० खोखर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 15-4-75

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 15 अप्रैल 1975

निदेश सं० अर्जन/137/गाजियाबाद/74-75/122--  
अतः मुझे, आई० खोखर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो ग्राम व पर० लोनी तह० गाजियाबाद जि० मेरठ में स्थित है (और इसमें उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12-8-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कान्ता प्रसाद पुत्र लाल० बालेराम नि० ६-बी०, गुजरानवाला टाऊन देहली मुख्तार ग्राम मिनजानिब सरदार सुरेन्द्र पाल सिंह व सरदार सम्पूर्ण सिंह पुत्रगण सरदार प्रतापसिंह नि० 1/121, जनमत लैन नई दिल्ली व श्रीमति महेन्द्र कौर पति सरदार रमणीक सिंह निवासी शीशल होटल, शिमला व सरदार महेन्द्र सिंह पुत्र सरदार प्रताप सिंह नि० पिलामिया, इन्दौर व सरदार सम्पूर्ण सिंह पुत्र सरदार प्रताप सिंह नि० 1/124, जनमत लैन नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री राजकुमार पुत्र श्री कान्ता प्रसाद नि० डी०-1/31, मोडल टाऊन दिल्ली-9।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में दयापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि रकबर्द 4893 वर्ग गज सम्बन्धित प्लॉट नं० 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176, 177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187, 188, प्रत्येक प्लॉट 233, वर्गगज सम्बन्धित नं० खसरा 1357/2, स्थित लाजवन्ती मार्केट जो अब रिसी मार्केट है। ग्राम लोनी परगना लोनी तह० गाजियाबाद जि० मेरठ।

आई० खोखर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज कानपुर

तारीख : 15-4-75

मीहर :

प्राकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 अप्रैल 1975

निदेश सं० एफ. अर्जन/138/गाजियाबाद/123—

अतः मुझे, आई० खोखर

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा  
गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं सूची के अनुसार है तथा जो नं० गाजी बाद  
जि० मेरठ में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 12-8-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे  
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से  
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये सुकर  
बनाना और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था  
या किया जाना चाहिए था, छिगने में सुविधा के  
लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में  
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री कान्ता प्रसाद पुत्र लाला वल्लेराम निवासी 8-बी०  
गुजरानवाला टाऊन देहली मुस्ताआप स० सुरेन्द्र पाल सिंह, स०  
सम्पूर्ण सिंह सपुत्रगण स० प्रताप सिंह निवासी 1/124 नजफत

लैन न्यू देहली, और श्रीमती महेन्द्र कौर पत्नी श्री रमणीक  
मिह निवासी ग्रीशल होटल शिमला, और महेन्द्र सिंह पुत्र  
स० प्रताप सिंह निवासी पिलासिया इन्दौर और स० सम्पूर्ण  
मिह स० प्रताप सिंह निवासी 1/124 जनपत लैन न्यू देहली ।  
(अन्तरक)

2 श्री अशोक कुमार पुत्र श्री कान्ता प्रसाद निवासी डी०-  
1/31, माडल टाऊन देहली-9 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर  
सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में  
यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो  
उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुज्ञी

भूमि जिसका क्षेत्रफल 4879 वर्ग गज—बाहरी खसरा नं०  
1357/2, प्लाट नं० 167 और 183-ए प्रत्येक की माप 333  
वर्ग गज, बाहरी खसरा नं० 1369, प्लाट नं० 86, माप  
750 वर्ग गज, खसरा नं० 1360, प्लाट नं० 88, 89, 90,  
91, 96 और 97 प्रत्येक माप 200 वर्ग गज, खसरा नं०  
1359 प्लाट नं० 100, माप 260 वर्ग गज, बाहरी खसरा नं०  
1359 और 1360, प्लाट नं० 101, 102, 103, 104,  
105, प्रत्येक की माप 200 वर्ग गज बाहरी खसरा नं०  
1369 प्लाट नं० 18, माप 133 वर्ग गज, खसरा नं० 1358  
और 1359 प्लाट नं० 73 और 74 प्रत्येक माप 200 वर्ग  
गज, प्लाट नं० 75 माप 150 वर्ग गज बाहरी खसरा नं०  
1357/2, प्लाट नं० 79 और 80, प्रत्येक माप 160 वर्ग  
गज स्थित लाजवन्ती मार्केट (अब रिशी मार्केट) गाव लोनी  
प० त० गाजियाबाद जिला मेरठ । जिसका हस्तांतरण 20,000  
में हुआ है ।

आई० खोखर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 15-4-75

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एम० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 अप्रैल 1975

निर्देश सं० अर्जन/139/गाजियाबाद/74-75/124—अतः  
मुझे; आई० खोखर

आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात्  
'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार तथा जो लाजवन्ती मार्केट  
जो अब रिसी मार्केट है, ग्राम व पर० लोनी तह० गाजियाबाद में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजि-  
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 31-8-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से  
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत  
उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के  
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे  
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957  
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट  
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-  
सरण, में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. कान्ता प्रसाद पुत्र ला० बाले राम नि० 8 बी० गुजरान  
वाला, टाउन देहली, मुस्तार ग्राम सं० सुरेन्द्र पार्सि सिंह  
और सर० सम्पूर्ण सिंह पुत्रगण सं० प्रताप सिंह नि०  
नि० 1/124, जनपत लेन नई दिल्ली और श्रीमती महेन्द्र  
कौर पुत्री सरदार रमणीक सिंह नि० शीशल होटल,  
शिमला और सं० महेन्द्र सिंह पुत्र सं० प्रताप सिंह नि०  
पिलासिया इन्दौर और सरकार सम्पूर्ण सिंह पुत्र सं०  
प्रताप सिंह नि० 1/124, जनपत लेन नई दिल्ली।  
(अन्तरक)

2. श्री राजकुमार पुत्र ला० कान्ता प्रसाद नि० डी०-1/31  
मौडल टाउन दिल्ली-9। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम, के अध्याय  
20-क में यथापरिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसकी माप 4920 वर्ग गज खसरा नं० 1357/3  
प्लॉट नं० 144, 145, 146, 147, 148, 149, 150, 151,  
152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160,  
161, 162, 163, 164, 165 और 166 प्रत्येक प्लॉट की माप  
200 वर्ग गज और प्लॉट नं० 154-ए० जिसकी माप 320 वर्ग  
गज है जो खसरा नं० 1354 में है यह लाजवन्ती मार्केट जो अब  
रिसी मार्केट है ग्राम वा परगना लोनी, तह० गाजियाबाद जि०  
मेरठ इसका हस्तान्तरण 20,000 रु० में किया गया है।

आई० खोखर,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, कानपुर

तारीख : 15-4-1965  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

**भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा**

**269-घ (1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 15 अप्रैल, 1975

निर्देश सं० अर्जन/147/गाजियाबाद/74-75/125—अतः  
मुझे, आई० खोखर

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 9 और 10, 3, 4, 5, 6, 120, 121 है तथा जो लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इन्कलाव, ग्राम घसेटी खुर्द और ग्राम लोनी तह० गाजियाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27-8-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या, धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—  
13—96GI/75

1. मैसर्स ऋषि लैंड एण्ड फाइनेन्स कम्पनी, 230 छोटा बाजार, शाहदरा देहली द्वारा श्री बनवारी लाल गुप्ता व बिहारी लाल गुप्ता पुत्रगण लाला मुरारी लाल नि० 136 व 137 गुप्ता भवन, भोलानाथ नगर शाहदरा, दिल्ली व सुनील कुमार पुत्र श्री कैलाश चन्द्र व कैलाश चन्द्र पुत्र श्री मुसड़ी लाल, नि० के० 26 एन० डी० एस० ई०पार्ट-टू, नई दिल्ली व श्री चन्द्र भान पुत्र श्री मंगल मेन निवासी 17 डिप्टी गंज दिल्ली-6 श्री राजेश कुमार पुत्र श्री पी० सी० जैन नि० 5021 मेड़ी घास, पहाड़ी धीरज देहली पार्टनर व प्रोपराईटर मैसर्स ऋषि लैंड एण्ड फाइनेन्स कम्पनी।

(अन्तरक)

2. श्री कान्ता प्रसाद पुत्र लाला बालेराम नि० 8-बी०, गुजरात बाला टाउन देहली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

**स्वीकृतिकरण**—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

इण्डस्ट्रियल प्लॉट नं० 9 रकबई 1666'66 वर्ग गज व प्लॉट नं० 10 रकबई 1666'66 वर्ग गज जो आपस में मिले हुए हैं सम्बन्धित गाटा नं० 110 मि० व खसरा नं० 286 मि० स्थित लक्ष्मी इण्डस्ट्रियल इन्कलेव ग्राम घरोटी खुर्द व प्लॉट नं० 3, 4, 5, 6, हर एक प्लॉट रकबई 200 वर्ग गज पैमायसी 60 × 30 फिट सम्बन्धित गाटा नं० 1369 मि० ग्राम लोनी व प्लॉट नं० 120 रकबई 266 वर्ग गज व प्लॉट नं० 221 रकबई 266 वर्ग खसरा नं० 1359 मि० स्थित ग्राम लोनी पर० लोनी तह० गाजियाबाद ज़ि० मेरठ।

आई० खोखर

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 15-4-1975

भोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 अप्रैल 1975

निर्देश सं० 167/अर्जन/गाजियाबाद/74-75/126—अतः  
मुझे, आई० खोखर,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को  
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और  
और जिसकी सं० 8 है तथा जो ब्लॉक बी० नसीरपुर रेजीडेंशियल  
कालोनी, अशोक नगर लोनी गाजियाबाद में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-11-1974  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य  
से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-  
नियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',  
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण  
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-अ की  
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रोशन लाल सेठ पुत्र श्री हरनाम दास सेठ, 149,  
न्यू गांधी नगर, गाजियाबाद जि० मेरठ वर्तमान निवासी  
18 कैमेक स्ट्रीट कलकत्ता-17 । (अन्तरक)
2. श्री वीशल चन्द जैन और लाल चन्द जैन पुत्रगण श्री  
रंजीत सिंह जैन नि० 127 सी० बुलन्द शहर रोड, इण्ड-  
स्ट्रियल एरिया गाजियाबाद जि० मेरठ । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० 8 ब्लॉक नं० बी० जिसका क्षेत्रफल 1259 वर्ग  
गज है जो नसीरपुर रेजीडेंशियल कालोनी, अशोक नगर परगना  
लोनी तह० गाजियाबाद जि० मेरठ में स्थित है इसका हस्तान्तरण  
रु० 45,324 में किया गया है ।

आई० खोखर,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 16-4-1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्वारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 14 अप्रैल 1975

निर्देश सं० अर्ज०/63/हापुड़/74-75/127—अतः मुझे  
वाई० खोखर

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की द्वारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 19 है तथा जो शकरगंज हापुड़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हापुड़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-8-1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय थाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की द्वारा 269-ब की उपद्वारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मोती लाल जैन पुत्र लाला दामोदर दास जैन नि० कस्बा हापुड़, मोहल्ला कटरा, खैराती राम, जि० मेरठ ।  
(अन्तरक)
2. श्री राजेन्द्र कृपाल पुत्र लाला मटरू मल, कस्बा हापुड़ मोहल्ला रेखवे रोड, हापुड़ ।  
(अन्तरिती)
4. श्री भोम प्रकाश पुत्र श्री नेकी चन्द नि० 19, शकर गंज हापुड़ । (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक दुकान एक मंजिल जिसका नं० 19 है इसके पीछे खुली भूमि जिसका क्षेत्रफल 636 वर्ग गज जिसमें 17 वर्ग गज में दुकान बनी हुई है । यह शकरगंज हापुड़ में स्थित है इसका हस्तांतरण 35000 रु० में किया गया है ।

वाई० खोखर,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 14-4-1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 अप्रैल, 1975

निर्देश नं० अर्जन/1070/हापुड़/74-75/128—अतः मुझे,  
वाई० खोखर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 18 और 18/1 है तथा जो अकर गंज गढ़ रोड  
हापुड़ में स्थित है (और इसने उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हापुड़ में, रजि-  
स्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
28-8-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम  
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार  
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक  
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने  
में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए

अतः अब उक्त अधिनियम की, धारा 269-घ के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री मोती लाल जैन पुत्र लाला दामोदर दास जैन  
नि० कस्बा हापुड़ मोहल्ला कटरा खैरासी राम, जि०  
मेरठ । (अन्तरक)

2. श्री कैलाश कुमार पुत्र श्री लाला मटरू मल नि० कस्बा  
हापुड़ मोहल्ला रेलवे रोड, जि० मेरठ । (अन्तरिती)

4. श्री जगदीश चन्द नि० 18 और 18/1 शक्कर गंज, हापुड़ ।  
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी  
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकें ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

दो दुकानें जिनका नं० 18 और 18/1 है जो शक्कर गंज गढ़  
रोड हापुड़ में स्थित है जिसकी माप 12' × 12' है प्रत्येक के साथ  
चबूतरा है जिसकी माप 12' है जोकि दुकानों के पीछे बना है ।  
इसका हस्तान्तरण 22,600 रु० में किया गया है ।

वाई० खोखर,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेज कानपुर

तारीख : 16-4-1975  
मोहर :



प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 अप्रैल, 1975

निर्देश सं० अर्जन/223/कानपुर/74-75/166—अत मुझे,  
एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से और जिसकी सं० 109/106 है तथा जो नेहरू नगर कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 8-8-1974 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती सुशीला देवी उर्फ गीता पत्नी डा० बिन्दा प्रसाद व श्री राजेन्द्र कुमार, विरेन्द्र कुमार, रविन्द्र कुमार पुत्रगण डा० बिन्दा प्रसाद निवासी मौहल्ला टेढ़ी गली, सुन्दर निवास जिला फैजाबाद । (अन्तरक)

2. श्रीमती उर्मिला पाठक पत्नी प्रेम कुमार पाठक तथा श्री नारायण पाठक व अनिल कुमार पाठक पुत्रगण श्री राज कुमार पाठक साकिन पी रोड, गांधी नगर, 208/87 शहर कानपुर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

नेहरू नगर कानपुर में स्थित गृह सम्पत्ति न० 109/106 का हस्तान्तरण 48,000/- रुपये में किया गया है ।

एफ० जे० बहादुर,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 25-4-1975  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०.....

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 22 अप्रैल 1975

निर्देश सं० अर्जन/148/गाजियाबाद/74-75/167— अतः मुझे, एफ० जे० बहादुर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 58 ए है तथा जो गाजियाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गाजियाबाद में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-8-74 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सज्जन सिंह पुत्र स० जगन् सिंह व श्री श्रीमती हरू बंश कौर पत्नी श्री सज्जन सिंह निवासी 58 ए० अशोक नगर, गाजियाबाद। (अन्तरक)
2. श्रीमती वर्धना देवी पत्नी श्री रोशन लाल निवासी 429 मोहल्ला महाराम शाहदरा दिल्ली-32। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोस्थताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान प्लॉट नं० 58-ए० जिसकी माप 30' × 60' यानि 200 बर्ग गज स्थित अशोक नगर कालोनी गाजियाबाद जि० मेरठ जिसका हस्तान्तरण 40,000/- रु० में हुआ है।

एफ० जे० बहादुर;  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज कानपुर

तारीख : 22-4-1975  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16 दिनांक, 19 मई 1975

निर्देश सं० ए० सी० 7/प्रार-II/कलकत्ता/75-76—प्रतः मुझे,  
प्रार० मि० लालमोया  
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का  
43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)  
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 8 ए० है तथा जो अलीपुर रोड कलकत्ता में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्सस  
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 23-8-74  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार  
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित  
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम,  
के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने  
या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भव्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं,  
उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्रीमती कमला जिन्दाल, 8 ए० अलीपुर रोड कलकत्ता।  
(अन्तरक)

2. मेसर्स मेसिनो टेकनो (सेलस) प्रा० लि० 8 ए० अलीपुर  
रोड, कलकत्ता, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आरोप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों, का जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

8-ए० अलीपुर रोड, कलकत्ता में 8 कट्टा 13 छटांक 29 स्कोयार  
फुट जमीन का साथ फस्ट फ्लोर मकान है।

प्रार० मि० लालमोया,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, रफो अहमद क़िदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

दिनांक : 19-5-75  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 26-4-1975

निर्देश सं० अर्जन/230/कानपुर/74-75/168—यतः मुझे,  
एफ० जे० बहादुर

आयकर अधिनियम,

1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 126/आर/1-2 ह तथा जो गोबिन्द नगर, कानपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-8-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित

की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मुस्क राज पुत्र श्री दौलत राम निवासी 110/127 राम कृष्ण नगर, कानपुर। (अन्तरक)

2. श्रीमती सुरेन्द्र कौर पत्नी श्री सन्तोष सिंह निवासी 126/आर/1-2 गोबिन्द नगर, कानपुर। (अन्तरिती)

3. श्री मोहिन्द्र सिंह, कृपाल सिंह, मोहिन्द्र जीत निवासी 126/आर/1-2 गोबिन्द नगर, कानपुर। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4. ऊपर की भांति। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

एक मंजिला मकान सं० 126/आर/1-2 जिसका एरिया 493 वर्ग गज स्थित गोबिन्द नगर, कानपुर जिसका हस्तान्तरण 60,000/- में हुआ है।

एफ० जे० बहादुर,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 26-4-1975

मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, 54, रफीअहमद कदवाई रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 16 मई, 1975

निर्देश स० ए० सी० 4/आर०-II/कल०/75-76—अतः मुझे,  
आर० मि० लालमोया

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० 8-ए० है तथा जो आलीपुर रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्स कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-8-74 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) \* और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किमी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

14—96GI/75

1. श्री मुरलीधर जिन्दाल, 8 ए० आलीपुर रोड कलकत्ता।  
(अन्तरक)

2. मेसर्स मेसिनो टेकनो (सेल्स) प्रा० लि० 8 ए० आलीपुर रोड, कलकत्ता  
(अन्तरिती)

(3) अन्तरक (यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की नामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

8-ए० आलीपुर रोड, कलकत्ता में 8 कंथा 13 छंटाक 29 स्कोयार फुट जमीन का साथ ग्राऊड फ्लोर मकान है।

आर० मि० लालमोया,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज-II, 54 रफी अहमद कदवाई  
रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 16-5-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-54, रफीअहमद रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 16 मई 1975

निर्देश सं० ए० सी० 5/आर०-II/कल०/75-76—अतः :  
मुझे, आर० भि० लालमोया, आयकर अधिनियम, 1961  
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त  
अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन  
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर  
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 8 ए है तथा जो आलीपुर रोड कलकत्ता में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्सेस  
कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 23-8-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति  
के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के  
लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने से सुविधा  
के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या धन-कर अधिनियम, 1957  
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना  
था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मुरलीधर जिन्दल, 8 ए, अलीपुर रोड कलकत्ता  
(अन्तरक)

2. मेसर्स मेसिनो टेक० (सेल्स) प्रा० नो लि० 8 ए, अलीपुर  
रोड कलकत्ता,  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों  
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति  
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-  
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

8 ए, अलीपुर रोड, कलकत्ता में 8 कट्टा 13 छंटाक 29 स्क्वयर  
फुट जमीन का साथ फस्ट फ्लोर मकान है।

आर० भि० लालमोया,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, 54, रफीअहमद कदवाई  
रोड, कलकत्ता-16

दिनांक : 16-5-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

औयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-54, रफीअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 19 मई 1975

निर्देश सं० ए० सी० 9/आर०-II/कल०/75-76—अतः मुझे, आर० भि० लालमोया, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिनकी सं० 3 ए है तथा जो अलीपुर रोड कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ एसुरेन्सेस, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 23-8-74 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्चह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए सुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती कमला जिन्दल 8 ए, अलीपुर रोड, कलकत्ता (अन्तरक)

2. मेसर्स मेसिनो टेकनो० (सेल्स) प्रा० लि० 8 ए, अलीपुर रोड, कलकत्ता, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

8 ए, अलीपुर रोड कलकत्ता में 8 कट्टा 13 छंटाक 29 स्कुयर फुट जमीन का साथ ग्राऊण्ड फ्लोर मकान है ।

आर० भि० लालमोया,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 45, रफीअहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

दिनांक : 19-5-75  
मोहर :

**प्रारूप आई० टी० एन० एस०—**

**प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा**

**269-घ (1) के अधीन सूचना**

**भारत सरकार**

**कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)**

**अर्जन रेज, जालन्धर**

**जालन्धर, दिनांक 13 मई 1975**

निर्देश स०ए०पी० न० 870/75-76—यत् मुझे रवीन्द्र कुमार, प्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1430 अगस्त, 1974 जो लिखा है तथा जो नकोदर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नकोदर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अगस्त, 1974 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जोगिन्द्र सिंह सपुत्र श्री आत्मा सिंह गांव ललिया, कला तहसील जालन्धर (अन्तरक)
2. श्री पारवर सिंह सपुत्र श्री आत्मा सिंह गांव ललिया कला तहसील जालन्धर (अन्तरिती)
3. जैसा कि न० 2 पर है। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण :—**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

**अनुसूची**

धरती का टुकड़ा जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1430 अगस्त 1974 रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है।

रवीन्द्र कुमार,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेज, जालन्धर

दिनांक 13-5-75  
मोहर.



## SUPREME COURT OF INDIA

## (ADMN BRANCH I)

New Delhi the 18th April 1975

No F 2/75 SCA (I)—The Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to confirm the following Officers of the Supreme Court of India with effect from the fore-noon of 18th April 1975 and appoint them substantively in the post shown against each one of them

*Name Designation & Post in which confirmed*

- 1 Shri Mahesh Prasad Offg Assistant Registrar Assistant Registrar
- 2 Shri S. Banerjee Offg Assistant Registrar Assistant Registrar
- 3 Shri Ved Prakash Offg Private Secretary to Hon'ble Judge Private Secretary to Hon'ble Judge
- 4 Shri T. Bhattacharya Offg Section Officer Section Officer
- 5 Shri G. Naesun Offg Section Officer Section Officer
- 6 Shri S. Ghosh Offg Section Officer Section Officer

The 29th April 1975

No F 6/75 SCA(I)—The Hon'ble Chief Justice of India has been pleased to continue Shri V. K. Thapa as officiating Section Officer with effect from 24th April 1975 vice Shri D. S. Chauhan who has compulsorily been retired from service of the Registrar with effect from 22nd March, 1975

R SUBBA RAO Dy Registrar (Admn)

New Delhi the 19th April 1975

Subject *Summer Vacation—1975*

F 44/75 SCA(G)—In pursuance of this Court's Notification No. F 44/75-SCA(G) dated the 8th April 1975 it is hereby notified that in pursuance of Rule 4 of Order II of the Supreme Court Rules 1966 (as amended) the Hon'ble Chief Justice of India has been pleased to direct that the Supreme Court will be closed for the Annual Summer Vacation from Monday the 5th May 1975 to Monday the 13th July 1975 (both days inclusive) and will re-open on Monday the 14th July 1975

Under Rule 6 of Order II of the aforesaid Rules the Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to appoint the Hon'ble Mr Justice P. K. Goswami and the Hon'ble Mr Justice V. R. Krishna Iyer to be Vacation Judges to hear matters of an urgent nature which under the above Rules may be heard by a Judge sitting singly during the periods shown against their names below—

The Hon'ble Mr Justice P. K. Goswami

from 5th May to 8th June 1975 (both days inclusive)

The Hon'ble Mr Justice V. R. Krishna Iyer

from 9th June to 13th July 1975 (both days inclusive)

The Hon'ble Mr Justice P. K. Goswami will sit in the Court on Tuesday the 2nd June and Wednesday the 3rd June 1975 and the Hon'ble Mr Justice V. R. Krishna Iyer on Tuesday the 17th June and 14th July 1975. Sittings will however continue on the next day in the (s) if not fixed for any day are not finished on that day

During Summer Vacation the Officer of the Court will remain open daily from 10.00 A.M. to 4.30 P.M. except on Saturdays, holidays and Sundays. The Offices of the Court will however remain open on Saturday the 12th July 1975 from 10.30 A.M. to 1.30 P.M.

No plaints, appeals, petition or other documents except those which require urgent attention will be filed or received in the Registry of the Court during the above period of vacation. For the convenience of the parties however the Registry will receive all plaints, appeals, petition and other documents from 7th July 1975 onwards during office hours

S. K. GUPTA Registrar (Admn)

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 15th April 1975

No P/767-Admn I—On his appointment as Deputy Secretary in the Ministry of Shipping and Transport, New Delhi, Shri J. V. Rao, Under Secretary in the Union Public Service Commission has been relieved of his duties with effect from the afternoon of 15th April, 1975

The 16th April 1975

No A 32013/1/75-Admn I—Shri R. R. Ahir, a permanent officer of the 'Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission appointed to officiate in Grade I of the service vide this office notification No. A 32013/1/75 Admn I dated 19th March 1975 relinquished charge of the office of Under Secretary Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 27th March, 1975

2 On his reversion, Shri R. R. Ahir, resumed charge of the office of Section Officer Union Public Service Commission with effect from the afternoon of the 27th March, 1975

The 12th May 1975

No P/1854 Admn I—Shri S. N. Bajpe an officer of the Indian Postal Service, is appointed as Deputy Secretary in the office of the Union Public Service Commission with effect from the forenoon of 3rd May, 1975, until further orders

P. N. MUKHERJEE Under Secy

New Delhi 110011 the 22nd April 1975

No A 12022/2/74-Admn I—The Union Public Service Commission has been pleased to allow to continue Shri D. R. Kohli, a permanent officer of the Selection Grade of the CSS and officiating as Controller of Examinations, Union Public Service Commission as Secretary of the Committee on Recruitment Policy and Selection Methods set up under the Chairmanship of Dr. D. S. Kothari for a further period with effect from the forenoon of 1st March 1975 to 31st December 1975

P. N. MUKHERJEE Under Secy  
for Chairman

New Delhi-110011 the 19th April 1975

No A 32014/1/75-Admn III—In continuation of this office notification No. A 32014/1/74-Admn III dated 5-3-75 the President is pleased to appoint Shri G. Natarajan a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 16-2-75 to 28-2-75 or until further orders whichever is earlier

No A 32014/1/75-Admn III—In continuation of this office notification No. A 32014/1/74 Admn III dated 5-3-75 the President is pleased to appoint Shri P. D. Sivastava a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 1-2-75 to 28-2-75 or until further orders whichever is earlier

No A 32014/1/75 Admn III—In continuation of this office notification No. A 32014/1/74 Admn III dated 13-12-74 the President is pleased to appoint Shri B. B. Das Sarma a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 1-3-75 to 30-4-75 or until further orders whichever is earlier

No A 32014/1/75 Admn III—In continuation of this office notification No. A 32014/1/74-Admn III dated 5-3-75 the President is pleased to appoint Shri G. K. Samanta a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 1-3-75 to 30-4-75 or until further orders whichever is earlier

P. N. MUKHERJEE Under Secy  
(Incharge of Administration)

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 19th April 1975

No. A.32014/1/75-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri B. R. Basia, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 25 days from 3-3-75 to 27-3-75 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/75-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri S. P. Mathur, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period from 17-3-75 to 31-5-75 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/75-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri B. K. Basia, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period from 29-3-75 to 17-5-75 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/75-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri H. S. Bhatia, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period from 24-3-75 to 14-6-75 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/75-Admn.III.—In continuation of this office notification No. A.32014/1/74-Admn.III dated 5-3-75, the President is pleased to appoint Shri Yoginder Nath, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 1-3-75 to 31-5-75 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/75-Admn.III.—In continuation of this office Notification No. A.32014/1/74-Admn.III dated 5-3-1975, the President is pleased to appoint Shri S. P. Mathur, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 1-3-75 to 15-3-75 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/75-Admn.III.—In continuation of this office notification No. A.32014/1/74-Admn.III dated 5-3-75, the President is pleased to appoint Shri S. P. Gupta, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 1-3-75 to 9-5-76 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/75-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri M. N. Sangameswaran, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 92 days from 3-3-75 to 2-6-75 or until further orders, whichever is earlier.

The 12th May 1975

No. A.32013/1/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri B. N. Addy, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in Grade I of the Service for a period of 3 months from 14-3-75 to 13-6-75 or till a regular officer joins, whichever is earlier.

No. A.32013/1/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri T. N. Channa, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in Grade I of the Service w.e.f. 14-3-75 to 9-5-75.

No. A.32013/1/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri R. P. Sankararia, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in grade I of the Service for a period of 2 months from 1-3-75 to 30-4-75.

No. A.32013/1/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Miss S. T. Keswani, a permanent officer of the Section Officers' Grade of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in Grade I of the Service for a period of 7 days with effect from 3-3-1975 to 9-3-1975.

P. N. MUKHERJEE,  
Under Secy.  
(In-charge of Administration)  
Union Public Service Commission.

## CABINET SECRETARIAT

## DEPARTMENT OF PERSONNEL &amp; A. REFORMS

## CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 15th April 1975

No. A.20014/13/75-AD.I.—Consequent upon their promotion, Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints S/Shri Rajendra Prasad and G. S. Chavan Sub-Inspectors of Police (Bombay Branch) as Inspectors of Police in the Delhi Special Police Establishment, Division of the Central Bureau of Investigation Bombay Branch in a temporary capacity, with effect from 18th March, 1975 (A.N.) until further orders.

G. L. AGARWAL,  
Administrative Officer(E)  
for Deputy Inspector General of Police  
Special Police Establishment

New Delhi-1, the 1st May 1975

No. A-20023/2/75-AD.V.—Deputy Inspector General of Police, S.P.E. CBI hereby appoints Shri Jayadeva Prasad as public prosecutor, C.B.I., Ambala Branch with effect from the forenoon of the 29th, March, 1975 in a temporary capacity, until further orders.

G. L. AGARWAL,  
Administrative Officer(E)  
C.B.I.  
for Deputy Inspector General of Police, C.B.I.

New Delhi, the 26th April 1975

No. PF/H-56/70-AD.I.—Shri H. N. Pal, an officer of West Bengal State Police on deputation to CBI as Inspector of Police, has been relieved of his duties in the CBI Calcutta on the forenoon of 16-2-75 on attaining the age of superannuation. He will avail of the refused leave for 107 days with effect from 16-2-1975.

The 28th April 1975

No. R-12/72-AD.V.—The President is pleased to appoint Shri R. Shekhar IPS (Rajasthan) on deputation to C.B.I., S.P.E. to officiate as Deputy Inspector General of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment in a temporary capacity with effect from the forenoon of 7-4-75 until further orders.

The 3rd May 1975

No. A-19036/7/75-AD.V.—The Director, C.B.I. & I.G.P., S.P.E. hereby appoints Shri V. R. Nawathe, permanent Inspector of Police, C.B.I./FOW/Bombay to officiate as Deputy Supdt. of Police in the C.B.I./SPE with effect from 19-4-75 (FN) until further orders.

The 6th May 1975

No. A.19021/5/75-AD.V.—The President is pleased to appoint, on deputation Shri R. Padmanabhan, an I.P.S. Officer of the Kerala Cadre as Supdt. of Police in the Central Bureau of Investigation, Special Police Estt. with effect from the forenoon of the 10th April, 1975 until further orders.

The 15th May 1975

No. A-9/65-AD.V.—Shri A. C. Das, Dy. SP, C.B.I. Ranchi relinquished charge of the office on transfer on the afternoon of 28-2-75.

Shri A. C. Das Dy. SP/CBI assumed charge of the office of Dy. SP/CBI/CIA-II New Delhi on the forenoon of 13-3-1975.

G. L. AGARWAL,  
Administrative Officer(E)  
C.B.I.

#### DIRECTORATE OF ENFORCEMENT

##### DEPARTMENT OF PERSONNEL

New Delhi, the 4th April 1975

##### APPOINTMENTS

F. No. A-11/3/75.—Shri R. S. Pathak, Inspector, Central Excise Ahmedabad is appointed to officiate as Enforcement Officer on deputation in Agra sub zonal office of this Directorate with effect from 25-3-75 (F.N.) and until further orders.

The 19th April 1975

No. A-11/4/75.—Shri Jainti Parsad, Inspector of Police, Delhi is appointed to officiate as Enforcement Officer on deputation in Delhi Zonal Office of this Directorate, with effect from 4-4-75(FN) and until further orders.

NRIPEN BAKSI,  
Deputy Director

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS

##### OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 21st April 1975

No. F-17017/6/74-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri S. P. Bag Fire Officer, Alloy Steel Plant, Durgapur as

Ex-Officio Assistant Commandant, Central Industrial Security Force at Alloy Steel Plant, Durgapur with effect from 23rd March, 1975 in terms of Sub-Section(1) of Section 4 of the (ISF Act, 1968, until further orders.

The 5th May 1975

No. E-38013(3)/1/75-Ad.I.—On transfer to BCCL, Jharia, Shri S. K. Chadha, Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Bhilai Steel Plant, Bhilai, relinquished the charge of the post with effect from the Afternoon of 9th April, 1975.

No. E-16014(1)/2/74-Ad.I.—On transfer from Bihar State Police. Shri Vijay Sinha, assumed the charge of the post of Commandant, Central Industrial Security Force, Bharat Coking Coal Limited, Jharia, with effect from the forenoon of 15th April 1975.

The 7th May 1975

No. E-38013(3)/1/75-Ad.I.—On transfer from Bhilai, Shri S. K. Chadha, assumed the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Bharat Coking Coal Limited, Jharia with effect from the forenoon of 18th April 1975.

I. S. BISHT, Inspector General

#### SARDAR VALLABHBHAI PATEL NATIONAL POLICE ACADEMY

Hyderabad-500252, the 12th May 1975

No. 41/12/74-Estt.—On his selection to the post of D.I.G. in the B.S.F. Shri A. A. Ali, an I.P.S. Officer from the Madhya Pradesh Cadre and posted as Assistant Director in the Academy, relinquished charge of his Office in the Sardar Vallabh-bhai Patel National Police Academy in the afternoon of 19-4-75.

HARPAL SINGH,  
Deputy Director (Admn.).

#### DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 19th April 1975

No. F. 3/22/74-Estt (CRPF)—The President is pleased to appoint on promotion on ad-hoc basis the following Assistant Commandants as Commandants in the CRP Force in a temporary capacity until further orders.

2. Their postings and the date of handing/taking over charge are indicated against each :-

Sl. No.	Name	Rank & unit of handing over charge	Date of handing over charge	Rank & unit of taking over charge	Date of taking over charge
1.	Shri N.S. Thakre	Asstt. Comdt, GC Poona	5-2-75 (AN)	Commandant 42nd Bn	15-2-75(FN)
2.	Shri M.K. Mukerjee	Asstt. Comdt. 27th Bn	12-3-75 (FN)	Commandant 26th Bn	14-3-75 (AN)
3.	Shri M.M. Khan	Asstt./Comdt, DAD(P) Dte. Genl.	21-2-75 (FN)	Commandant 15th Bn	1-3-75 (FN)
4.	Shri R.S. Gill	Asstt. Comdt. 11th Bn	15-3-75 (AN)	Commandant 14th Bn	16-3-75 (AN)
5.	Shri Swaran Singh	Asstt. Comdt./Vice Prin- cipal RTC, I	24-3-75 (FN)	Commandant 22nd Bn	5-4-75 (FN)
6.	Shri S.B. Lall	Asstt. Comdt. 3rd Sig Bn	14-3-75 (AN)	Commandant 2nd SigBn	21-3-75 (FN)

S. N. MATHUR,  
Asstt. Dir. (Adm.)

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Shri Yash Pal Singh, Jasveer Singh, & Premkam Singh Ss/O S. Gyan Singh, and Smt. Sumitradevi W/O S Gyan Singh, R/O 105/702, Anand Bagh, Kanpur (Transferees).

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 8th October 1974

Ref. E. No. Acq./180/KNP/74-75/1864.—Whereas, I, Y. Khokhar

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 122/236-E situated at Fazal Ganj, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 16-9-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Ganga Prasad Jaiswal S/O Sri Bahadur Ram Sah, R/O 85/40, Cooperganj, Kanpur.

(Transferor)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THIS SCHEDULE

Immovable property No. 122/236-E, Fazalganj, Kanpur transferred for an apparent consideration of Rs. 31,500/-. Total area 1260 Sq. yards.

Y. KHOKHAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Kanpur

Date : 8-10-74.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th October 1974

Ref. No. F. No. Acq/180/M Nagar/74-75/1894.—Whereas, I. Y. Khokhar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- situated at Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzaffarnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 12-9-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri L. Hari Raj Swarup s/o L. Sukhbir Sinha Ram-bagh, Muzaffarnagar.  
(Transferor)
- (2) M/s. Swaroop Vegetable Products Industries Ltd. Mansunpur, Distt. Muzaffarnagar through Shri Shiam Sunder Garg, Secretary Muzaffarnagar.  
(Transferee)
- (3) 1. S/Shri Khela Ram S/o Shri Bhoga Ram  
2. " Lal Chand S/o Shri Topan Das  
3. " Om Prakash Hansraj  
4. " Hansraj Bodh Raj  
5. " Ram Chander S/o Shri Bhoga Ram  
6. " Deo Ram S/o Shri Tulsi Ram  
7. " Pyare Lal S/o Shri Jua Ram  
8. " Om Prakash S/o Shri Bhoga Ram  
9. " Tek Chand S/o Shri Ram Chander  
10. " Kishan Chand S/o Shri Gurudattamal  
11. " Baburam Chammanlal S/o Shri Jiwan Das  
12. " Sohan Lal S/o Shri Shivcharan Das  
13. " Sham Lal S/o Shri Hari Chand  
14. " Diwan Chand  
15. " Afzal Ahmad Nafis Khan  
16. " Prem Chand S/o Shri Asha Ram  
17. " Ram Mohan S/o Shri Tara Chand  
18. " Sub-Post Master, Kutchery, Muzaffarnagar  
19. " Madan Lal S/o Shri Som Nath  
20. " Abdul Rehman S/o Shri Abdul Aziz  
21. " U.P. Steels Ltd., through Shri Brahma

15-96QI/75

Swarup, Chairman, Muzaffarnagar  
(Tenants of Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzaffarnagar.)

Smt. Vedwati Swarup (Individual)  
Shri Gopal Raj Swarup (Individual)  
Shri Madhav Kumar Swarup (H.U.F.)  
Shri Arun Kumar Swarup (H.U.F.)  
Smt. Vidyawati Swarup W/o Shri Hari Raj Swarup (Individual)  
Shri Brahma Swarup (Individual)  
Smt. Jyotsna Swarup (Individual)  
Shri Govind Swarup (Individual)  
Shri Srawan Kumar Swarup (H.U.F.)  
Shri Prabhat Kumar Swarup (H.U.F.)  
Shri Keshav Kumar Swarup (H.U.F.)

(Co-owners of Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzaffarnagar.)

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/48th share of property Known as 'Sukhbir Sinha Park' Civil Lines, Muzaffarnagar (U.P.) consisting of:

- A. (1) Single and partly double storied kothi with servant quarters, garages, cowshed etc., built 4000 sq. yds. with plinth area only of 17959 sq. ft.
- (2) Fruit Garden in 6 bighas or 14700 sq. yds. of land with 495 trees.
- (3) Other agricultural land 18910 sq. yds.—86 trees.
- B. (1) Single storied pucca kutchery Post Office building in 30 sq. yds.
- (2) 11 single storied shops near Kutchery Post Office in 175 sq. yds.
- (3) 16 Wooden stalls on Rly. Station Road, in 260 sq. yds.
- (4) Remaining Agricultural land 12400 sq. yds. total area 50475 sq. yds. Bounded on NORTH by Bhoga Road, SOUTH Station Road, etc. EAST Dist. Courts, WEST, Church Road, Jansath Bus Stand, Etc. Kothi built in 40000 sq. yds. plinth area.
- (1) Ground floor: 15859 sq. ft.  
Upper Story: 2000 sq. ft.
- (2) 27 Shops and Post Office Building 465 sq. yds. all single storied.

Apparent consideration of Rs. 22,500/- only.

Y. KHOKHAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range,  
Kanpur.

Date: 10-10-74.

Seal:

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th October 1974

Ref. No. F. No. Acq/M Nagar/74-75/179/1896 --  
Whereas, I, Y. Khokhar,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- situated at Sukhbir Sinha Park 9, Civil Lines, Muzaffarnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 12-9-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Vidyawati Swarup w/o Lala Hari Raj Swarup Ram Bagh Muzaffarnagar.

(Transferor)

- (2) M/s. Swaroop Vegetable Products Industries Ltd. Mansunpur, Distt. Muzaffarnagar through Shri Shiam Sunder Garg Secretary, Muzaffarnagar.

(Transferee)

- (3) 1. S/Shri Khela Ram S/o Shri Bhoga Ram
2. " Lal Chand S/o Shri Topan Das
3. " Om Prakash Hansraj
4. " Hansraj Bodh Raj
5. " Ram Chander S/o Shri Bhoga Ram
6. " Deo Ram S/o Shri Tulsī Ram
7. " Pyare Lal S/o Shri Jua Ram
8. " Om Prakash S/o Shri Bhoga Ram
9. " Tek Chand S/o Shri Ram Chander
10. " Kishan Chand S/o Shri Gurudattamal
11. " Baburam Chammanlal S/o Shri Jiwan Das
12. " Sohan Lal S/o Shri Shivcharan Das
13. " Sham Lal S/o Shri Hari Chand
14. " Diwan Chand
15. " Afzal Ahmad Nafis Khan
16. " Prem Chand S/o Shri Asha Ram
17. " Ram Mohan S/o Shri Tara Chand
18. " Sub-Post Master, Kutchery, Muzaffarnagar
19. " Madan Lal S/o Shri Som Nath
20. " Abdul Rehman S/o Shri Abdul Aziz
21. " U.P. Steels Ltd., through Shri Brahma

Swarup, Chairman, Muzaffarnagar

—Tenants of Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzaffarnagar.

Smt. Vedwati Swarup (Individual)  
Shri Gopal Raj Swarup (Individual)  
Shri Madhav Kumar Swarup (H.U.F.)  
Shri Arun Kumar Swarup (H.U.F.)  
Shri Brahma Swarup (Individual)  
Smt. Jyotsna Swarup (Individual)  
Shri Govind Swarup (Individual)  
Shri Hari Raj Swarup (Individual)  
Shri Srawan Kumar Swarup (H.U.F.)  
Shri Prabhat Kumar Swarup (H.U.F.)  
Shri Keshav Kumar Swarup (H.U.F.)

—Co-owners of Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzaffarnagar.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/48th share of property Known as 'Sukhbir Sinha Park' Civil Lines, Muzaffarnagar (U.P.) consisting of:

- A. (1) Single and partly double storied kothi with servant quarters, garages, cowshed etc., built 4000 sq. yds. with plinth area only of 17959 sq. ft.
- (2) Fruit Garden in 6 bighas or 14700 sq. yds. of land with 495 trees.
- (3) Other agricultural land 18910 sq. yds.—86 trees.
- B. (1) Single storied pucca kutchery Post Office building in 30 sq. yds.
- (2) 11 single storied shops near Kutchery Post Office in 175 sq. yds.
- (3) 16 Wooden stalls on Rly. Station Road, in 260 sq. yds.
- (4) Remaining Agricultural land 12400 sq. yds. total area 50475 sq. yds. Bounded on NORTH by Bhoga Road, SOUTH Station Road, etc. EAST Distt. Courts, WEST, Church Road, Jansath Bus Stand, Etc. Kothi built in 40000 sq. yds. plinth area.
- (1) Ground floor: 15859 sq. ft.  
Upper Story: 2000 sq. ft.
- (2) 27 Shops and Post Office Building 465 sq. yds all single storied.

Apparent consideration of Rs. 22,500/- only.

Y. KHOKHAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range,  
Kanpur.

Date: 10-10-1974.

Seal:

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th October 1974

Ref. No. F. No. Acq/M Nagar/74-75/178/1895.—  
Whereas, I. Y. Khokhar,  
being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- consideration therefor by more than fifteen per cent of (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 12-9-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Shri Anun Kumar Swarup s/o Lala Hari Raj Swarup Rambagh, Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) M/s. Swaroop Vegetable Products Industries Ltd. Mansuipuri, Distt. Muzaffarnagar through Shri Shyam Sunder Garg, Secretary, Muzaffarnagar.

(Transferee)

- (3) 1. S/Shri Khela Ram S/o Shri Bhoga Ram  
2. " Lal Chand S/o Shri Topan Das  
3. " Om Prakash Hansraj  
4. " Hansraj Bodh Raj  
5. " Ram Chander S/o Shri Bhoga Ram  
6. " Deo Ram S/o Shri Tulsi Ram  
7. " Pyare Lal S/o Shri Jua Ram  
8. " Om Prakash S/o Shri Bhoga Ram  
9. " Tek Chand S/o Shri Ram Chander  
10. " Kishan Chand S/o Shri Gurudattamal  
11. " Baburam Chammanlal S/o Shri Jiwan Das  
12. " Sohan Lal S/o Shri Shivcharan Das  
13. " Sham Lal S/o Shri Hari Chand  
14. " Diwan Chand  
15. " Afzal Ahmad Nafis Khan  
16. " Prem Chand S/o Shri Asha Ram  
17. " Ram Mohan S/o Shri Tara Chand  
18. " Sub-Post Master, Kutchery, Muzaffarnagar  
19. " Madan Lal S/o Shri Som Nath  
20. " Abdul Rehman S/o Shri Abdul Aziz  
21. " U.P. Steels Ltd., through Shri Bruhma

Swarup, Chairman, Muzaffarnagar

—Tenants of Sukhbir Sinha Park 9, Civil Lines, Muzaffarnagar.

Smt. Vedwati Swarup (Individual)

Shri Gopal Raj Swarup (Individual)

Shri Madhav Kumar Swarup (H.U.F.)

Smt. Vidyawati Swarup W/o Shri Hari Raj Swarup (Individual)

Shri Brahma Swarup (Individual)

Smt. Jyotsna Swarup (Individual)

Shri Govind Swarup (Individual)

Shri Hari Raj Swarup (Individual)

Shri Srawan Kumar Swarup (H.U.F.)

Shri Prabhat Kumar Swarup (H.U.F.)

Shri Keshar Kumar Swarup (H.U.F.)

—Co-owners of Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzaffarnagar.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/48th share of property Known as 'Sukhbir Sinha Park' Civil Lines, Muzaffarnagar (U.P.) consisting of:

- A. (1) Single and partly double storied kothi with servant quarters, garages, cowshed etc., built 4000 sq. yds. with plinth area only of 17959 sq. ft.  
(2) Fruit Garden in 6 bighas or 14700 sq. yds. of land with 495 trees.  
(3) Other agricultural land 18910 sq. yds.—86 trees.  
B. (1) Single storied pucca kutchery Post Office building in 30 sq. yds.  
(2) 11 single storied shops near Kutchery Post Office in 175 sq. yds.  
(3) 16 Wooden stalls on Rly. Station Road, in 260 sq. yds.  
(4) Remaining Agricultural land 12400 sq. yds. total area 50475 sq. yds.  
Bounded on NORTH by Bhopa Road, SOUTH Station Road, etc. EAST Distt. Courts, WEST, Church Road, Jansath Bus Stand, Etc.  
Kothi built in 40000 sq. yds. plinth area.

(1) Ground floor: 15859 sq. ft.  
Upper Story: 2000 sq. ft.

(2) 27 Shops and Post Office Building 465 sq. yds. all single storied.

Apparent consideration of Rs. 22,500/- only.

Y. KHOKHAR,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range.  
Kanpur.

Date: 10-10-1974.

Scal:

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 10th October 1974

Ref. No. A. No. Acq/M Nagar/74-75/177/1893.—

Whereas, J. Y. Khokhar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- situated at Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzaffar Nagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 12-9-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Shri Madhav Kumar Swarup s/o Lala Hari Raj Swarup Rambagh, Muzaffarnagar  
(Transferor)
- (2) M/s. Swaroop Vegetable Products Industries Ltd. Mansurpur, Distt. Muzaffarnagar through Shri Shiam Sunder Garg, Secretary, Muzaffarnagar.  
(Transferee)
- (3) 1. S/Shri Khela Ram S/o Shri Bhoga Ram  
2. " Lal Chand S/o Shri Topan Das  
3. " Om Prakash Hansraj  
4. " Hansraj Bodh Raj  
5. " Ram Chander S/o Shri Bhoga Ram  
6. " Deo Ram S/o Shri Tulsi Ram  
7. " Pyare Lal S/o Shri Jua Ram  
8. " Om Prakash S/o Shri Bhoga Ram  
9. " Tek Chand S/o Shri Ram Chander  
10. " Kishan Chand S/o Shri Gurudattamal  
11. " Baburam Chammanlal S/o Shri Jiwan Das  
12. " Sohan Lal S/o Shri Shivcharan Das  
13. " Sham Lal S/o Shri Hari Chand  
14. " Diwan Chand  
15. " Afzal Ahmad Nafis Khan  
16. " Prem Chand S/o Shri Asha Ram  
17. " Ram Mohan S/o Shri Tara Chand  
18. " Sub-Post Master, Kutchery, Muzaffarnagar  
19. " Madan Lal S/o Shri Som Nath  
20. " Abdul Rehman S/o Shri Abdul Aziz  
21. " U.P. Steels Ltd., through Shri Brahma

Swarup, Chairman, Muzaffarnagar

—Tenants of Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzaffarnagar.

Smt. Vedwati Swarup (Individual)

Shri Gopal Raj Swarup (Individual)

Shri Arun Kumar Swarup (H.U.F.)

Smt. Vidyawati Swarup W/o Shri Hari Raj Swarup (Individual).

Shri Brahma Swarup (Individual)

Smt. Jyotsna Swarup (Individual)

Shri Govind Swarup (Individual)

Shri Hari Raj Swarup (Individual)

Shri Srawan Kumar Swarup (H.U.F.)

Shri Prabhat Kumar Swarup (H.U.F.)

—Co-owners of Sukhbir Sinha Park, 9, Civil Lines, Muzaffarnagar.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/48th share of property Known as 'Sukhbir Sinha Park' Civil Lines, Muzaffarnagar (U.P.) consisting of:

- A. (1) Single and partly double storied kothi with servant quarters, garages, cowshed etc., built 4000 sq. yds. with plinth area only of 17959 sq. ft.
- (2) Fruit Garden in 6 bighas or 14700 sq. yds. of land with 495 trees.
- (3) Other agricultural land 18910 sq. yds.—86 trees.
- B. (1) Single storied pucca kutchery Post Office building in 30 sq. yds.
- (2) 11 single storied shops near Kutchery Post Office in 175 sq. yds.
- (3) 16 Wooden stalls on Rly. Station Road in 260 sq. yds.
- (4) Remaining Agricultural land 12400 sq. yds. total area 50475 sq. yds.  
Bounded on NORTH by Bhopa Road, SOUTH Station Road, etc. EAST Distt. Courts, WEST, Church Road, Jansath Bus Stand, Etc.  
Kothi built in 40000 sq. yds. plinth area.  
(1) Ground floor: 15859 sq. ft.  
Upper Story: 2000 sq. ft.  
(2) 27 Shops and Post Office Building 465 sq. yds. all single storied.  
Apparent consideration of Rs. 22,500/- only.

Y. KHOKHAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range,  
Kanpur.

Date: 10-10-1974.

Seal:



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 9th October 1974

Ref. F. No. 182/9cq/KNP/74-75/1871.—Whereas, I, Y. Khokhar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7/150-A situated at Swaroop Nagar, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Kanpur on 19-9-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) I. S/Sri Vinod Kumar Agarwal and Ashok Kumar Agarwal, 7/150-B, Swaroopnagar, Kanpur.  
(Transferor)
- (2) S./Sri Anand Kumar Agarwal, Dilip Kumar Agarwal, Vasant Kumar Agarwal & Lalit Kumar Agarwal, 58/46, Birnana Road, Kanpur.  
(Transferee)
- (3) M/S Sita Ram Srinivas, 7/150A, Swaroop Nagar, Kanpur. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property No. 7/150-A, situated at Swaroop Nagar, Kanpur transferred for apparent consideration of Rs. 1,25,000/-.

Y. KHOKHAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range,  
Kanpur.

Date : 9-10-74.

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shrimati Salma Khatoon,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Nayeema Momen,

(Transferee)

(3) Shri C. J. Creel

(Person in occupation of the  
property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE-I CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 28th April 1975

Ref. No. TR-311/C-298/Cal-2/74-75.—Whereas, I, S. K. Chakravarty being the competent authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 30, situated at Circus Avenue, Cal-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Sealdah on 26-8-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Front portion of premises No. 30 Circus Avenue Cal-17 containing an area of 3 Kottahs of land.

S. K. CHAKRAVARTY  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date : 28-4-75  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 21st April 1975

No. C.R. 62/2826/74-75/ACQ(B).—Whereas, I R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 'Park House' bearing Municipal No. 850 (New No. 12) Mirza Road, Nazarabad Mohall, Mysore with a Sital area of 12100 Sq. Yards. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Head Quarters, Sub-Registrar, Mysore Doc. No. 1742/74-75 on 14-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely, —

(1) Shrimati Maharaj Kumari Vishalakshidevi Avaru Trust, Jagan Mohan Palace, Mysore represented by Trustee :—

(1) Her Highness Smt. Tripurasunayammam Avaru.

(2) Suvararaja Srikanthadatta Navasimharaja Wadiyar.

(3) Shri H. N. Pallegar, IAS(Retd). (Transferors)

(2) (1) Shri B. S. Somasekharaiah S/o Shri B. S. Subbanna.

(2) Smt. M. B. Rajeswari W/o B. S. Somasekharaiah 'Temple View' 65, II Stage, Jayalakshimpuram, Mysore-2.

(Transferees)

(3) The President No. II, Air Force Selection Board, Summer Palace Road, Mysore-10. [Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

'Park House' bearing Municipal No. 850 (New No. 12), Mirza Road, Nazarabad Mohalla, Mysore with a sital area of 12,100 Sq. Yards.

## Measurements :

North to south on the Eastern side 513'  
Western side 540'  
East to west on the Northern side 182'  
Southern Side 232'

## Boundaries :

North by Mirza Road.  
South by Jekranjan Mahal Road.  
East by Lands of the Trust.  
West by vacant land belonging to Shri H. N. Pallegar.  
Doc. No. 1742/74-75 dated 14-8-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 21-4-1975

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 23rd April 1975

No. C.R. 62/2871/74-75/ACQ(B).—Whereas, I R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Upstair building Municipal No. 11 (old No. 23/25) situated at puttanna lane, Police road cross, 18th Division, Bangalore City.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Gandhinagar, Bangalore-9, Document No. 2123/74-75 on 20-8-1974.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri G. Puttananjappa and

(2) Smt. P. Leelavathamma, No. 31, 36th Cross, VIII Block, Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferor)

(2) Shri N. Govindarajulu Naidu, S/o Late Shri Narasimhalu Naidu, Nos. 8 & 9, Chidambaram Mandalai lane, Jalimohalla, Bangalore-53.

(Transferee)

(3) (1) Shri R. Chinnaswamy S/o Late C. Ramaiah,

(2) Ratanlal Narothamdas

(3) Junardhana Naidu,

(4) S. M. Jayaram

(5) Ranganathan

(6) S. M. Jayaram

(7) T. Ramakrishna

(8) Kapilswami Chettiar

(9) Lakshminarayana Naidu N. S.

[Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Upstair building bearing Municipal No. 11 (old No. 23/25), Puttanna lane, Police road cross, 18th Division, Bangalore City, Site area : 3825.5 sq. ft.

Document No. 2123/74-75 dated 20-8-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Bangalore

Date : 23-4-1975

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27Bangalore-27, the 21<sup>st</sup> April 1975

No. C.R. 62/2876/74-75/ACQ(B).—Whereas, I R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-27.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. The property being vacant land forming the western one-third portion of site No. 16 situated at palace Orchard Extension on Sankey road and now bearing Corporation No. 12, 2nd Main Road, Sadashivanagar, 45th Division Bangalore-6.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore-560 009, Document No. 2254/74-75 on 21-8-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

16—96GI/75

- (1) Shri Joachim Alva,  
No. 28, Rajendra Prasad Marg, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Narayan B. Shinde,  
No. 208, Upper Palace Orchards, Sankey Road,  
Bangalore-560 046.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of vacant land, forming the western one-third portion of site No. 16,, in the City Improvement Trust Board Layout in Palace Orchard Extension and now bearing Corporation No. 12, 2nd Main Road, Sadasivanagar, 45th Division, Bangalore-6, and having the following boundaries :—

Measurements of the Plot sold :

East to West : 25'

North to South : 120'

Document No. 2254/74-75 dated 21-8-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date : 21-4-1975

Seal .

FORM I.T.N.S.—

(2) Shri R. Narayanappa, S/o Rajappa, No. 24, 1<sup>st</sup> Cross,  
Rajappa Block, Munireddipalyam, Bangalore-560 046.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 21st April 1975

No. C.R. 62/2881/74-75/ACQ(B).—Whereas, I R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-560 027, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. The property being a vacant plot of land measuring One Acre and 15½ guntas of portion of land situated at in S. No. 67 (now known as 67/1) K. G. Baiderahalli, Civil Station, Bangalore-560 046.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagar, Bangalore-560 009 Document No. 2281/74-75 on 22-8-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the said parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Hazarimull Multanmull, by partner :—  
S/Shri (1) H. Sampathraj,  
(2) C. Siromal  
(3) Smt. Sundara Bai, 59, Pulyar Koli Street, Ashok-Nagar, Bangalore-25.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The property being a vacant plot of land measuring One acre and 15½ guntas of portion of S. No. 67 (now known as 67/1), in K. G. Baiderahalli, Civil Station, Bangalore-560 046.

Document No. 2281/74-75 dated 22-8-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 21-4-1975

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 21st April 1975

No. C.R. 62/2882/74-75/ACQ(B).—Whereas, I R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-560 027, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. The property being a vacant plot of land measuring one acre and 15½ guntas of portion of S. No. 67 (now known as 67/1), K. G. Baiderahalli, Civil Station, Bangalore-46, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at at Gandhinagar, Bangalore-9, Document No. 2282/74-75 on 22-8-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Mazarimull Multanmull. by partners :—Shri  
(1) H. Sampathraj,  
(2) C. Siremal,  
(3) Smt. Sundara Bai, No. 59, Pulyar Koil Street, Ashoknagar, Bangalore-25.

(Transferee)

- (2) Shri R. Sonnappa, S/o Rajappa, No. 24, 1 Cross, Rajappa Block, Munireddipalyam, Bangalore-560046.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The property being a vacant plot of land measuring one acre and 15½ guntas of portion of S. No. 67 (now known as 67/1), K. G. Baiderahalli, Civil Station, Bangalore-560 046.

Document No. 2282/74-75 dated 22-8-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 21-4-1975

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 21st April 1975

No. C.R. 62/2922/74-75/ACQ(B).—Whereas, I R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-560 027, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Building 'Kismet' bearing Municipal Door No. 1319/6 Old and New No. 24, (sital area : 16,819 sq. yards) situated at Eastern Extension, Nazarbad Mohalla, Mysore City, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Headquarters Sub-Registrar, Mysore, Document No. 2130/74-75 on 26-8-1974 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shrimati H. H. Maharani Lakshammanni Avaru, Educational Trust, represented by the Secretary, Sirdar M. Cheluve Urs, The Palace, Mysore.  
(Transferor)

(2) Shri M. B. Ramesh, S/o. Shri C. Basavaraj Urs, Proprietor : Sri Chamundi Motor Service, Chandra Gupta Road, Mysore.  
(Transferee)

(3) Shri M S Bedi  
[Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building 'Kismet' bearing Municipal door No. 1319/6 old and New No. 24, in Eastern Extension, Nazarbad Mohalla, Mysore City.

Site area:  $\frac{450' \times 425'}{2} \times \frac{350' \times 342'}{2} = 1,51,375$  sq.ft., or

16,819 sq. yards.

nearly 32 acres.

Document No. 2130/74-75 dated 26-8-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Bangalore.

Date : 21-4-1975

Seal :



## FORM ITNS

(2) Shri K. V. Narayana Chetty, S/o. late Venkatanna, No. 7, Subramanya Lane, Akkepet Cross, Bangalore-2.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 21st April 1975

No. C.R. 62/2943/74-75/ACQ(B).—Whereas, I, R. KRISHNAMOORTHY, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore-560 027, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Premises No. Old 281, New No. 21, situated at (281/2-2) in 4th Main Road, Kempegowda Nagar, (Division No. 30), Bangalore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavangudi, Bangalore-560 004 Document No. 2511/74-75 on 29-8-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Rajamma, W/o late M. Bhoja Rajalu Naidu, No. 440, Middle School Road, V. V. puram, Bangalore-560 004.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Premises No. Old 281, New No. 21, situated at (281/2-2,) in 4th Main Road, Kempegowda Nagar, Bangalore.

(Division No. 30),

Sita area : 46'X50' = 2,300 sq. ft.

Document No. 2511/74-75 dated 29-8-1974.

R. KRISHNAMOORTHY,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date : 21-4-1975

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-V,

54 RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16  
Calcutta-16, the 28th April 1975

Ref. No. AC-1/Acq.R-V/Cal/75-76.—Whereas, I, S. S. INAMDAR, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Mouza Sijberia, Pargana Balia, P. S. Uluberia, Dist-Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 26-8-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of the section 269D of the said act to the following persons namely :—

(1) M/s. Mafatlal Industries Ltd., Asrwa Road, Ahmedabad.

(Transferor)

(2) M/s. New Gujrat Cotton Mills Ltd., 16A Bra-bourne Road, Calcutta-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All those pieces or parcels of lands containing by estimation a total area of 31.35 acres more or less together with all the buildings sheds, out-houses, godowns and other constructions or structures, jetty, and all fixed plant and machinery erected, built, attached, fixed or situated on the said lands or on parts thereof and appertaining to and known as 'Gagalbhai Jute Mills' comprised in the following Dag Nos. and Khatian No. lying at and being in Mouza Sijberia, Pargana Balia, Thana and Sub-Registration Office Uluberia in the District of Howrah in the State of West Bengal.

R. S. Khatian No.	Dag No.	R. S. Khatian No.	Dag No.
287	1590	588	1642
288	1594	"	1576
292	1623	"	1578
585	1573	"	1572
"	1629	"	1573/1671
318	1598	"	1599
586	1567	"	1701
"	1568	326	1575/1670
"	1569	484	1567/1667
"	1570	"	1629/1668
"	1571	"	1585/1669
"	1574	"	1628
"	1630	"	1667/1700
"	1599/1672	446	1687/1695
"	1567/1674	"	1668/1696
"	1630/1675	"	1566
"	1642/1676	325	1575
"	1645/1694	325/6	1577
587	1631	325/2	1600
"	1639	580	1620
"	1641	"	1624
"	1567/1673	327	1638
588	1636	514	1567/1699
"	1640		

As per deed No. 1-5284 of 1974 registered in the office of the Registrar of Assurances, Calcutta.

S. S. INAMDAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range—V,  
54 Rafi Ahmed Kidwai Road,  
3rd Floor, Calcutta-16.

Date : 28-4-75  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,  
(3rd Floor), 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,  
CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 29th April 1975

Ref. No. Ac-2/R-II/Cal/75-76.—Whereas, I, S. S. Inamdar being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8/6/1, situated at Alipore Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Registrar of Assurances, Calcutta on 27-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) The Eastern Bank Limited,  
14, Netaji Subhas Road, Calcutta.

(Transferor)

- (2) The Chartered Bank,  
4, Netaji Subhas Road, Calcutta. (Transferee)

- (3) The transferor hereto,  
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

5.42% share of 5-Bighas, 18-Cottahs, 4-Chittaks and 40-Sq. ft., premises No. 8/6/1, Alipore Road, Calcutta, being flat Nos. 6 and 20.

S. S. INAMDAR  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II,  
(3rd Floor), 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Date : 29-4-1975.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri Ganesh Chandra Saha & Others,  
26, Surya Sen Street, Calcutta-9.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Janaki Devi Keshari, 48A, Circular Garden  
Reach Road, Calcutta-23.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

(3) The transferor hereto.

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,  
(3rd Floor), 54, RAHI AHMED KIDWAI ROAD,  
CALCUTTA-16.

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Calcutta-16, the 29th April 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. Ac-3/R-II/Cal/75-76.—Whereas, I. S. S. Inamdar  
being the Competent Authority under section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to  
believe that the immovable property, having a fair market  
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. 48 & 48/1 & ors, situated at Circular Garden Reach Rd.,  
Calcutta-23

(and more fully described in the Schedule annex-  
ed hereto), has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at District Registrar 24-Prgs, Alipore on 8-8-1974

for an apparent consideration which is less  
than the fair market value of the aforesaid property and  
I have reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen percent of such apparent  
consideration and that the consideration for such trans-  
fer as agreed to between the parties has not been truly stated  
in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said act  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

110-Bighas of land at premises Nos. 48 and 48/1 and  
others, Circular Garden Reach Road, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said  
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

S. S. INAMDAR  
Acquisition Range-II,  
(3rd Floor), 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Date : 29-4-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(3) Shri C. J. Creet.

(Person in occupation of the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,  
(3rd Floor), 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,  
CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 28th April 1975

Ref No. TR-310/C-297/Cal-2/74-75.—Whereas, I S. K. Chakravarty being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 30, situated at Circus Avenue, Calcutta-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sealdah on 14-9-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act) to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Salma Khatoon,

(Transferor)

(2) Shrimati Nayeema Momen.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Portion of premises No. 30 Circus Avenue, Calcutta-17, containing an area of 3 K 2 Ch 30 sq. ft. of land.

S. K. CHAKRAVARTY

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Competent Authority,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Date : 28-4-75

Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri Rajendra Prosad Agarwalla,  
230 Acharya Jagadish Bose Road, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Raj Kumar Rawala  
8 Jamadar Khan Lane, Calcutta.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III,  
(3rd Floor), 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,  
CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 1st May 1975

Ref. No. 258/Acq. R-III/75-76/Cal.—Whereas, I L. K. Balasubramanian being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. 230, situated at Acharya Jagadish Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Alipore on 6-8-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Undivided 1/5th share in all piece and parcel of land measuring 6 cottahs 4 chittacks more or less together with a partly two storied building thereon being the south-western portion of premises No. 230 Acharya Jagdish Bose Road, Calcutta as per deed No. 5622 of 1974 registered before the Dist Registrar, Alipore, 24-Parganas.

L. K. BALASUBRAMANIAN  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
(3rd Floor), 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 1-5-75,  
Seal :

## FORM ITNS—

(2) Shri Raj Kumar Rawala  
8 Jamadar Khan Lane, Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III,  
(3rd Floor), 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,  
CALCUTTA-16.

Calcutta-16, the 1st May 1975

Ref. No. 257/Acq. R-III/75-76/Cal.—Whereas, I L. K. Balasubramanian being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 230, situated at Acharya Jagadish Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 6-8-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Bhawani Prosad Agarwalla  
230 Acharya Jagadish Bose Road, Calcutta.  
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 1/5th share in all piece and parcel of land measuring 6 cottahs 4 chittacks more or less together with a partly two storied building thereon being the south-western portion of premises No. 230 Acharya Jagdish Bose Road, Calcutta as per deed No. 5622 of 1974 registered before the Dist. Registrar, Alipore, 24-Parganas.

L. K. BALASUBRAMANIAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,

(3rd Floor), 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,

Calcutta-16.

Date : 1-5-75.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Vinoy Kumar Agarwalla  
230 Acharya Jagadish Bose Road, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Raj Kumar Rawala  
8 Jamadar Khan Lane, Calcutta.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III,  
(3rd Floor), 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD,  
CALCUTTA-16.

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned.

Calcutta-16, the 1st May 1975

Ref. No. 256/Acq. R-III/75-76/Cal.—Whereas, I L. K. Balasubramanian being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 230, situated at Acharya Jagadish Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Alipore on 6-8-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 1/25th share in all piece and parcel of land measuring 6 cettahs 4 chittacks more or less together with partly two storied building thereon being the south-western portion of premises No. 230 Acharya Jagdish Bose Road, Calcutta as per deed No. 5622 of 1974 registered before the Dist Registrar Alipore, 24-Parganas.

L. K. BALASUBRAMANIAN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
(3rd Floor), 54, Rafi Ahmed Kidwai Road,  
Calcutta-16.

Date : 1-5-75.

Seal :



## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, 54 RAFI  
AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 1st May 1975

Ref. No. 255/Acq.R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the competent authority under section 269B of the Income tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 230, situated at Acharya Jagadish Bose Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Lalit Mohan Agarwalla 230 Acharya Jagadish Bose Road, Calcutta. (Transferor).
- (2) Shri Raj Kumar Rawala 8 Jamadar Khan Lane, Calcutta. (Transferee).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 1/5th share in all piece and parcel of land measuring 6 cottahs 4 chittacks more or less together with a partly two storied building thereon being the south-western portion of premises No. 230 Acharya Jagadish Bose Road, Calcutta as per deed No. 5743 of 1974 registered before the Dist. Registrar, Alipore, 24-Parganas.

L. K. BALASUBRAMANIAN,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-III, 54 Rafi Ahmed Kidwai Road,  
(3rd floor), Calcutta-16.

Date : 1-5-1975.  
Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Raj Kumar Rawala 8 Jamadar Khan Lane,  
Calcutta. (Transferee).NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-III, 54 RAFI  
AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 1st May 1975

Ref. No. 254/Acq.R-III/75-76/Cal.—Whereas, I, L. K. Balasubramanian, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 230 situated at Acharya Jagadish Bose Road, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 6-8-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Ghanashyamdas Agarwalla 230, Acharya Jagadish Bose Road, Calcutta. (Transferor).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Undivided 1/5th share in all the piece and parcel of land measuring 6 cottahs 4 chittacks more or less together with a partly two storied building thereon being the south western portion of premises No. 230 Acharya Jagadish Bose Road, Calcutta as per deed No. 4357 of 1974 registered before the Dist. Registrar, Alipore, 24-Pgs.

L. K. BALASUBRAMANIAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III, 54, Rafi Ahmed Kidwai Road  
(3rd floor), Calcutta-16.

Date : 1-5-1975.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 29th April 1975

Ref. No. BTD/58/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land, situated at Bhatinda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in August 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Angrej Singh, Pritam Singh ss/o Shri Karpal Singh r/o Bhatinda.

(Transferor)

(2) S/Shri Baldev Singh Sukhdev Singh, Jagdev Singh ss/o Rattan Singh r/o Bir Behram.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3733 of August, 1974 of the Registering Authority, Bhatinda.

V. R. SAGAR,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 29-4-1975

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,

AMRITSAR

Amritsar, the 29th April 1975

Ref. No. BTD/59/75-76.—Whereas, I. V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Bhatinda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in August 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Angrej Singh and Pritam Singh ss/o Shri Kirpal Singh r/o Bhatinda.  
(Transferor)

(2) S/Shri Roop Singh Man and Jagir Singh s/o Ujagar Singh r/o Kotli Khura.  
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3732 of August, 1974 of the Registering Authority, Bhatinda.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 29-4-75.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th April 1975

Ref. No. BTD/60/75-76.—Whereas I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Bhatinda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhatinda in August 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties, has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Baldev Singh s/o Shri Gurdial Singh s/o Mohinder Singh r/o Khiala Kalan.

(Transferor)

- (2) Shri Ram Avtar Aggarwal c/o Arvind Printing Press, Opposite Hospital, Bhatinda. Shri Jagdish Chand s/o Shri Tek Chand r/o Khaddi Kalan Distt. Sangrur. Behari Lal Chhotu Ram ss/o Radha Ram s/o Madho Mal, Tapa Mandi Distt. Sangrur.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

- (4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3579 of August, 1974 of the Registering Authority, Bhatinda.

V. R. SAGAR

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, AmritsarDated : 29-4-75.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th April 1975

Ref. No. FDK/61/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land, situated at Dogar Basti Faridkot,

(and more fully described in

the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Faridkot in August on 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kapoor Chand, Sohan Lal, Mohan Lal, Joti Ram s/o Shri Wadhau Mal V. Arayan Wala Kalan Tehsil Faridkot.

(Transferor)

- (2) Shri Brijinder Singh Kuldeep Singh s/o S. Jagir Singh V. Faridkot Tehsil & District Faridkot.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2133 of August, 1974 of the Registering Authority Faridkot.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-Amritsar.

Date : 29-4-75.

Seal :

## FORM FINS—

(1) Shri Birjinder Singh s/o Shri Jangir Singh r/o Faridkot.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 29th April 1975

(2) Gurjinder Kaur w/o Shri Gurbachan Singh, Gurtej Singh, Gurbachan Singh ss/o Shri Nihal Singh r/o Faridkot.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)(4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. FDK/62/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Harindera Nagar Faridkot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faridkot in August, on 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2105 of August, 1974 of the Registering Authority, Faridkot.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 29-4-75.

Seal :

## FORM ITNS—

(3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property).

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 29th April 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons which-  
ever period expires later;(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

Ref. No. FDK/63/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar,  
being the competent authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. Land, situated at Harinder Nagar Faridkot,  
(and more fully described in the  
Schedule annexed hereto), has been transferred under the  
Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Re-  
gistering Officer at  
Faridkot in August on 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
Parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings to the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of the section 269D of the said Act, to the  
following persons namely :—

(1) Shri Birjinder Singh s/o Jangir Singh r/o Faridkot.  
(Transferor)

(2) Shri Gurjinder Kaur w/o Shri Gurbachan Singh s/o  
Nihal Singh, Gurtej Singh, Gurbachan Singh s/o  
Shri Nihal Singh s/o Shri Pohla Singh, Faridkot.  
(Transferee)

EXPLANATION :—The terms and expressions used  
herein as are defined in Chapter  
XXA of the said Act shall have the  
same, meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 2117, of  
August, 1974 of the Registering Authority, Faridkot.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 29-4-75.  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd May 1975

Ref. No. BTD/72/75-76. Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing, No. Land, situated at Talwandi Sabo, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Talwandi Sabo in August on 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) for facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to following persons namely :—

(1) Shri Bhagwant Singh s/o Shri Hazura Singh, GA of Smt. Inderjit Kaur Wd/o S. Jagdeep Kaur Shri Shamsher Singh, Talwandi Sabo & Simrat Kaur w/o Shri Ajit Singh s/o Shri Dalip Singh Puhale, Tript Kaur w/o Shri Harcharan Singh s/o Shri Bahal Singh, Chandigarh.

(Transferor)

(2) S/Shri Jaspal Singh, s/o Shri Gurdit Singh s/o Shri Inder Singh, Atma Singh, Partap Singh & Gurjant Singh ss/o Shri Gurdit Singh s/o S. Inder Singh, Harmit Singh s/o Shri Jagdev Singh s/o Harpal Singh of Bhagwan Pura.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1521, of August, 1974 of the Registering Authority, Talwandi Sabo.

V. R. SAGAR,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range-Amritsar.

Date : 2-5-75.

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st May 1975

Ref. No. ASR/70/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at V. Hardoratan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Amritsar in August on 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Major Kuldip Singh s/o Balwant Singh r/o Attari Teh. Tarn Taran.

(Transferor)

- (2) Shri Mukhtai Singh s/o Shri Chanchal Singh r/o Rattan Kalan Teh. Tarn Taran.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

- (4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 5395 of August, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-Amritsar.

Date : 1-5-75.

Seal :

Form I.T.N.S.—

(1) Shri Major Kuldip Singh s/o Shri Balwant Singh r/o Attari Teh. Tarn Taran.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Kirpal Singh s/o Shri Labh Singh r/o Rattan Kalan Teh. Tarn Taran.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st May 1975

Ref. No. ASR/71/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1 and, situated at V. Hardorattan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Amritsar in August on 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the Service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 5394 of August, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-Amritsar.

Date : 1-5-75.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 1st May 1975

Ref. No. GDB/41/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property, situated at Lambi Road, Gidderbaha, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gidderbaha in September, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri M/s Ram Narain Shivji Ram, Cotton Ginning Mills, Lambi Road, Gidderbaha District, Faridkot (through GA Shri Ram Narain s/o Shri Dhani Ram) (Transferor)
- (2) Smt. Lakshmi Devi w/o Shri Birbal Dass c/o M/s. Ram Narain Shivji Ram, Commission Agents, Mandi Gidderbaha Dist. Faridkot. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 577 of September, 1974 of the Registering Authority, Gidderbaha.

V. R. SAGAR.  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax, Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 1st May 1975

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th April 1975

Ref. No. GDB/42/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar,  
being the Competent Authority under Section 269-B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the said Act),

have reason to believe that the immovable property,  
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. Property, situated at Lambi Road, Gidderbaha,  
(and more fully described in the Schedule annexed  
hereto), has been transferred under the Registration Act,  
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at Gidderbaha in September, 1974,

for an apparent consideration which is  
less than the fair market value of the aforesaid pro-  
perty and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the appa-  
rent consideration therefor by more than fifteen per  
cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to bet-  
ween the parties has not

been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the  
said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of  
1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said  
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under  
sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

19—96 GI/75

(1) M/s Ram Narain Shivji Ram Cotton Ginning Mills,  
Lambi Road, Gidderbaha District Faridkot through  
GA Shri Ram Narain s/o Shri Dhani Ram.  
(Transferor)

(2) Shri Maya Devi w/o Shri Om Parkash, Smt. Bachni  
Devi w/o Shri Des Raj c/o M/s Ram Narain Shivji  
Ram, Commission Agents, Mandi Gidderbaha Dis-  
trict. Faridkot.  
(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the res-  
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXXA of  
the said Act, shall have the same meaning  
as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 579 of  
September, 1974, of the Registering Authority, Gidderbaha.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Commission  
Income-tax, Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 30-4-75.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 1st May 1975

Ref. No. ABR/43/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop, situated at Abohar Mandi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed Registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Abohar in September, on 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Vishnu Narain s/o Shri Lachmi Narain, through Shri Lachhi Ram, Petition writer, Gidderbaha District Faridkot.  
(Transferor)
- (2) Shri Hari Chand s/o Shri Jethu Ram, Vijay Kumar, Shiv Kumar ss/o Shri Hari Chand, Smt. Chambeli Devi w/o Shri Hari Chand, Sudesh Kumari d/o Shri Hari Chand Mal Godam Road, Dhuri Teh. Malerkotla.  
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Shri Puran Chand, Kanshi Ram, Shri Roshan & Shri Ram Saroop.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property (shop cum residence building) as mentioned in the Registered Deed No. 1435 of September, 1974 of the Registering Authority, Abohar.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 1-5-75.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, 1st May 1975

Ref. No. BTD/44/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Near Bibiwala Road, Bhatinda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhatinda in September, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the said property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following namely :—

(1) Shri Banarsi Dass s/o Shri Surjan Ram s/o Miria Mal, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Chet Singh s/o Shri Bakhtawar Singh s/o Shri Bagga Singh r/o Bhatinda.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 3838 of September, 1974 of the Registering Authority, Bhatinda.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 1st May 1975.

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR**

Amritsar, the 1st May 1975

Ref. No. MNS/45/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property, situated at Gaushala Road, Mansa, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mansa in September, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Balas Ram s/o Shri Roop Chand r/o Mansa.  
(Transferor)
- (2) Dr. Krishan Kumars/Shri Mulakh Raj, Shop No. 765, Block No. 7, Gali No. 10, Mansa.  
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION:—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Shop No. 765, Block 7, Gali No. 10, Mansa as mentioned in the Registered Deed No. 3401 of September, 1974 of the Registering Authority, Mansa.

**V. R. SAGAR,**  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-Amritsar.

Date : 1st May 1975.  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 1st May 1975

Ref. No. MNS/46/75-76—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property, situated at Gaushala Road, Mansa (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Mansa in September on 74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the persons, namely :—

- (1) Shri Ram Gopal s/o  
Shri Sagar Mal r/o Amritsar Special Attorney  
Shri Ashwani Kumar s/o Brij Lal  
r/o Kanpur (39 Mall, Amritsar).  
(Transferor)
- (2) Shrimati Pushpa Devi w/o  
Shri Kundan Lal pasi s/o Shri Ram Lal  
House No. 784, Ward No. 2 Gaushala Road,  
Gali No. 1 Mansa.  
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above. [Person in occupation of the property].
- (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 784, Ward No. 2, Gali No. 1, Mansa as mentioned in the Registered Deep No. 3397 of September, 1974 of the Registering Authority, Mansa.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 1-5-1975  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961).

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th April 1975

Ref. No. MNS/47/75-76—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property, situated at Mansa (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office at Mansa in September on 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Hem Raj s/o  
Shri Chanan Ram, shop keeper, Nai Mandi,  
Mansa.

(Transferor)

(2) Shri Charanji Lal,  
Bhagirath Sain s/o Shri Milkhi Ram r/o  
Mansa Kalan.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Person in occupation of the property.]

(4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 826, Block No. 7, Gali No. 19, Gaushala Road, Mansa as mentioned in the Registered Deed No. 3371 of September, 1974 of the Registering Authority Mansa.

V. R. SAGAR,

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax

Acquisition Range, Amritsar.

Date: 30-4-75

Seal:

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th April 1975

Ref No. MNS/48/75-76—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property, situated at Mansa (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mansa in September, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Hem Raj s/o  
Shri Chanan Ram, shop keeper, Nai Mandi,  
Mansa.

(Transferor)

(2) Shri Charanji Lal,  
Bhagirath Sain s/o Shri Milkhi Ram r/o  
Mansa Kalan Teh. Mansa.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Person in occupation of the property].

(4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 826, Block No. 7, Gali No. 19, Gaushala Road, Mansa as mentioned in the Registered Deed No. 3372 of September, 1974 of the Registering Authority, Mansa.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date : 30-4-1975

Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th April 1975

Ref. No. ASR/49/75-76—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property, situated Misri Bazar, Amritsar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in September, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Prithvi Chand & Brij Mohan s/o Shri Purshotam Dass r/o 67 Shakti Nagar, Amritsar,

(Transferor)

- (2) Shrimati Kamlesh Kumari D/o Shri Gokal Kishan Chand w/o Shri Brij Mohan r/o 67 Shakti Nagar, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above. (Person in occupation of the property).

- (4) Any person interested in the property, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 2030 of September, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date : 30-4-75

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Rattan Singh s/o Shri Chanchal Singh V. Bala  
Chak Teh. Tarn Taran,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st May 1975

Ref. No. ASR/50/75-76—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property situated at Rayya (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baba Bakala in September, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

20—96GI/75

(2) Smt. Parkash Kaur w/o Iqbal Singh, Near Sales Tax Office, Plot No. 3A Court Road, Amritsar. Smt Jagtar Kaur w/o Dasaundha Singh, 54, Court Road, Amritsar. Smt. Sukhwinder Kaur w/o Shri Balbir Singh r/o Shaheed Teh. Patti.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above. [Person in occupation of the property].

(4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 1192 of September, 1974 of the Registering Authority, Baba Bakala.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 1-5-1975

Seal :

## FORM ITNS—

- (1) Shri Gurdial Singh s/o Shri Bua Singh V. Bala Chak Teh. Tarn Taran.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 1st May 1975

Ref. No. ASR/51/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property, situated at Rayya, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baba Bakala in September, on 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (2) Sh. Karnail Singh s/o Ujagar Singh, Gurdial Singh, Amrik Singh ss/o Karnail Singh, Amarjit Singh s/o Karnail Singh, V. Kala Nangal Teh. Batala, Parkash Kaur w/o Iqbal Singh, Near Sales Tax Office, Asr. Jagtar Kaur w/o Dasaundha Singh, 54 Court Road, Asr. Sukhwinder Kaur w/o Balbir Singh r/o Shaheed. Teh. Pattil.  
(Transferee)

- \*(3) As at S. No. 2 above and persons occupying the property.

(Person in occupation of the property).

- \*(4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 1191, of September, 1974 of the Registering Authority, Baba Bakala.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Amritsar.

Date : 1st May 1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(3) As at S. No. 2 above. [Person in occupation of the property.]

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSARObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Amritsar, the 30th April 1974

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;

Ref. No. Phg/52/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar,  
being the competent authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
No. Plot of land, situated at Phagwara Garbi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer at  
Phagwara in September on 1974,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer; and/  
or

## THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax  
Act, 1957 (27 of 1957).Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 1177  
of September, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

(1) Shri Manjoo Mayyar w/o Shri Parmod Kumar s/o  
Shri Madan Lal c/o Poonam Restaurant, Phagwara.  
(Transferor)(2) Shri Satya Devi w/o Shri Puran Chand r/o V. Naroor  
Teh. Phagwara.  
(Transferee)

V. R. SAGAR,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 30-4-75.

Seal :

FORM ITNS—

(3) As at S. No. 2 above. [Person in occupation of the property.]

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Amritsar, the 30th April 1975

Ref. No. Phg/53/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. Plot of land, situated at Phagwara Garbi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in September on 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Manjoo Nayar w/o Shri Parmod Kumar s/o Shri Madan Lal c/o Poonam Restaurant, Phagwara.  
(Transferor)

(2) Shri Puran Chand s/o Shri Dheeru Ram r/o V. Naroor Teh, Phagwara.  
(Transferee)

## THE SCHEDULE

Plot of land as mentioned in the Registered Deed No. 1164, of September, 1974 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 30-4-75.  
Seal :



FORM ITNS— — —

(2) Shri Arjan Singh s/o Shri Jhanda Singh r/o Chur Beri, Amritsar.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 30th April 1975

Ref. No. ASR/54/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property, situated at Outside Gate Bhagtanwala, Asr. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in September, on 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Teja Singh s/o Shri Bulkka Singh r/o Outside Gate Bhagtanwala, Amritsar.

(Transferor)

(3) As at S. No. 2 above. [Person in occupation of the property.]

(4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property.]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property as mentioned in the Registered Deed No. 2198, of September, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 30-4-75.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Jaswant Singh s/o Shri Ishar Singh r/o 675, Sharifpura, Amritsar.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Nirankari Finance &amp; Chit Fund, Bz. Chowk Baba Bhoji Wala, Amritsar.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-1,  
AMRITSAR

Amritsar, the 1st May 1975

Ref No. ASR/55/75-76.—Whereas I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/4th Shop 173-A/13, situated at Sharifpura, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Amritsar in September 1974,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(3) As at S. No. 2 above.  
and the tenant M/s Park Hotel and Restaurant Sharifpura, Amritsar.  
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4th shop No. 173-A/13, Sharifpura, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 2051, of September, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 1st May 1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(2) Shri M/s Nirankari Finance & Chit Fund, Br. Chowk  
Baba Bhoru Wala, Amritsar.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st May 1975

Ref. No. ASR/56/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4 shop No. 173-A/13, situated at Sharif Pura Amritsar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in September, on 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(3) As at S No 2 above,  
and the tenant M/s Park Hotel & Restaurant,  
Sharifpura Amritsar,  
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be  
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/4th shop No. 173-A/13, Sharifpura, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 2057, of September, 1974, of the registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Acquisition Range, Amritsar.

(1) Smt. Amrik Kaur w/o Shri Gurdip Singh, Kt. Mohar  
Singh Amritsar.  
(Transferor)

Date : 1st May 1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(2) M/s Nirankari Finance & Chit Fund, Bz. Chowk  
Baba Bhoji Wala, Amritsar.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) As at S. No. 2 above.  
& tenant M/s Park Hotel & Restaurant, Sharifpura,  
Amritsar  
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned to be  
interested in the property).

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, AMRITSAR

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Amritsar, the 1st May 1975

Ref. No. ASR/57/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar,  
being the competent authority under section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act') have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. 1/4th Shop 173-A/13, situated at Sharifpura, Amritsar,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the  
Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the  
registering officer at  
Amritsar in September, on 1974,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons which-  
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act,  
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,  
namely :—

(1) Shri Parduman Singh s/o Shri Sant Singh, Sawan  
Nagar, Amritsar.  
(Transferor)

Date : 1st May 1975.

Seal :

## THE SCHEDULE

1/4th shop No. 173-A13, Sharifpura, Amritsar as mentioned  
in the Registered Deed No. 2128, of September, 1974 of the  
Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

FORM ITNS—

(2) Shri Kharaiti Lal Mahajan s/o Shri Punnu Mal Kt. Mahan Singh, Kucha Debgran, Amritsar.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 1st May 1975

Ref. No. ASR/64/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at V. Tung Pai, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Amritsar in September, on 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act to the following persons, namely :

- (1) Shri Saminder Singh s/o Shri Wadhawa Singh r/o Tung Pai Teh. Amritsar.

(Transferor)

- (3) As at S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

- (4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned to be  
(interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette:

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 6208, of September, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

(V. R. SAGAR)

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 1-5-1975.

Seal :

FORM I.T.N.S. \_\_\_\_\_

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR.

Amritsar, the 1st May 1975

Ref. No. ASR/65/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1 and, situated at V. Tung Pai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer Amritsar in September, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Saminder Singh s/o Shri Wadhawa Singh r/o Tung Pai Teh. Amritsar.  
(Transferor)
- (2) Shri Sat Pal s/o Shri Chhaju Ram r/o Kucha Chajju Miser Kt. Ghanyan, Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act; shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 6212, of September, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 1-5-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

(3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st May 1975

Ref. No. ASR/66/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at V. Tung Pai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar in September 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fully stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Saminder Singh s/o Shri Wadhawa Singh r/o Tung Pai Teh. Amritsar.  
(Transferor)
- (2) Shri Balraj Mahajan s/o Shri Nagar Mal Mahajan, No. Dayanand Nagar, Amritsar.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 6206, of September, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range, Amritsar.

Date : 1-5-75.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
AMRITSAR

Amritsar, the 1st May 1975

Ref. No. ASR/67/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at Tung Pai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in September 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Saminder Singh s/o Shri Wadhawa Singh r/o Tung Pai Teh. Amritsar.  
(Transferor)
- (2) Shri Kidar Nath s/o Shri Amar Nath, Gali No. 3 Bagh Ramanand, Amritsar.  
(Transferee)
- (3) As at S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)
- (4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 6211 of September, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,  
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 1-5-75.

Seal :



## FORM ITNS—

(2) Smt. Shakuntla Devi w/o Shri Kharaiti Lal Kucha  
Dabgran, Katra Mahan Singh Amritsar.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) As at S. No. 2 above.  
(Person in occupation of the property)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION  
RANGE, AMRITSAR

(4) Any person interested in the property.  
(Person whom the undersigned knows to be in-  
terested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Amritsar, the 1st May 1975

Ref. No. ASR/68/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar,  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. Land, situated at V. Tung Pai,  
(and more fully described in the  
schedule annexed hereto), has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Re-  
gistering officer at Amritsar in September, 1974,  
for an apparent consideration which is less  
than the fair market value of the aforesaid property and I  
have reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefore by more than fifteen percent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the parties has not been truly stated in  
the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of the notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

(1) Shri Saminder Singh s/o Shri Wadhawa Singh r/o  
Tung Pai Teh. Amritsar.  
(Transferor)

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 6213, of  
September, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR,  
Competent Authority.  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range  
Amritsar.

Date : 1-5-75.  
Seal :

FORM 1TNS

(1) Shri Saminder Singh s/o Shri Wadhawa Singh r/o Tung Pai Teh. Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st May 1975

Ref. No. ASR/69/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land, situated at V. Tung Pai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar in September, 1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such, apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (2) Shri Balraj Mahajan s/o Nagar Mal Mahajan, 110 Dayanand Nagar, Amritsar. 2. Kharaiti Lal Mahajan s/o Pannu Mal, Kt. Mahan Singh Kucha Dabgran, Amritsar. 3. Kidar Nath s/o Amar Nath, Gali No. 3 Bagh Ramanand, Amritsar. 4. Sat Pal s/o Chajju Ram Kt. Ghanaya, Asr. 5. Shakuntla Devi w/o Kharaiti Lal, Kt. Mahan Singh, Asr.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property).

- (4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deeds Nos. 6206, 6208, 6211, 6212 & 6213 of September, 1974 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range Amritsar.

Date : 1-5-75.  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Abdul Qyyum.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohammad Mustafa and others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

LUCKNOW

Lucknow, the 22nd April 1975

Ref. No. 50—M/Acq.—Whereas, I BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. . . . situated at Village Chak Kamaluddin Azamgarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Azamgarh on 12-9-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A house alongwith ahata, court-yard, Saw-machine and Motors situated at Village, Vhak Kamaluddin, Tappa Nandav Distt. Azamgarh.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Lucknow.

Date : 22-4-1975  
Seal :

FORM ITNS

(2) Shri Tusharkanti Ghosh.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 22nd April 1975

Ref. No. 7—T/Acq.—Whereas, I BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. B—185/A situated at Chandganj Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 17-9-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Smt. Savitri Devi.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A plot No. B-185/A measuring 12828 sqr. fts. situated at Chandganj Lucknow.

BISHAMBHAR NATH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Lucknow.

Date : 22-4-1975

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Lalima Devi and others.

(Transferor)

(2) Shri Gopal Das and others.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW

Lucknow, the 22nd April 1975

Ref. No. 20-G/Acq.—Whereas, I Bishambhar Nath, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. K—63/20 situated at Bhoot Bhairo Varanasi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Varanasi on 25-9-1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

22—96GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A three storeyed house No. K—63/20 measuring 1458-5-Sqr. fts. situated at Mohalla Bhoot Bhairo Distt. Varanasi.

BISHAMBHAR NATH,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Lucknow

Date : 22-4-1975

Seal :

FORM ITNS

(2) Smt. K. Sarojini Devi, Madurai.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1,  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 16th April 1975

Ref. No. F. XIX/22/3A/74-75.—Whereas, I K. V. Rajan, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 66, 67, 68, 69 and 71 situated Lakshmeepuram 2nd St., Courtalam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tenkasi on September, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri R. Surendran,  
3 B2, No. D2 D2 Road,  
Balarengapuram, Madurai-9.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/5th share in land measuring about 1.65 acres and building bearing door Nos. 66, 67, 68, 69 and 71 Lakshmeepuram 2nd Street, Courtalam.

K. V. RAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range-1,  
Madras-6.

Date : 16-4-1975

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1,  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 16th April 1975

Ref. No. F. XIX/22/1C/74-75.—Whereas, I K. V. Rajan, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door Nos. 66, 67, 68, and 71 situated at Lakshmeepuram 2nd Street Courtalam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Tenkasi on September, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri R. Gobinath,  
3 B2, No. D2, D2 Road,  
Balarengapuram, Madurai-9.

(Transferor)

(2) Smt. K. Sarojini Devi, Madurai.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/5th share in land measuring about 1.65 acres and building bearing door Nos. 66, 67, 68, 69 and 71 Lakshmeepuram 2nd Street, Courtalam.

K. V. RAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range-I,  
Madras-6.

Date : 16-4-1975

Seal :

FORM ITNS ———

(2) Smt. K. Sarojini Devi, Madurai.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I,  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 16th April 1975

Ref. No. F. XIX/22/3B/74-75.—Whereas, I K. V. Rajan, being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door

No. 66, 67, 68, 69 and 71 situated Lakshmeepuram 2nd Street Courtalam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Tenkasi on September, 1974

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the

apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri R. Mothilal,  
3 B2, D2, D2 Road,  
Balarengapuram, Madurai-9.

(Transferor)

1/5th share in land measuring about 1.65 acres and building bearing door Nos. 66, 67, 68, 69 and 71 Lakshmeepuram 2nd Street, Courtalam.

K. V. RAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range-I,  
Madras-6.

Date : 16-4-1975

Seal :



FORM ITNS—

(2) Smt. K. Sarojini Devi,  
Thiruppalai Group,  
Nagankulam, Madurai.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1,  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 16th April 1975

Ref. No. F. XIX/22/1B/74-75.—Whereas, I K. V. Rajan, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 66, 67, 68, 69 and 71 situated Lakshmeepuram 2nd Street Courtalam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office on the Registering Officer at Tenkasi on September, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269-C, of the said said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Shri R. Janardanan,  
3 B2, No. Ds. D2 Road,  
Balarengapuram, Madurai-9.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/5th share in land measuring about 1.65 acres and building bearing door Nos. 66, 67, 68, 69 and 71 Lakshmeepuram 2nd Street, Courtalam.

K. V. RAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range-1,  
Madras-6.

Date : 16-4-1975

Seal :

## FORM ITNS—

(5) Shri Sitta R. Mothilal,  
3 B2, No. D2, D2 Road,  
Balarengapuram, Madurai-9.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1,  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

(2) Smt. K. Sarojini Devi,  
Thiruppalai Group, Naganakulam,  
Natham Main Road, Kirubanagar,  
Kirubakaram Bungalow, Madurai.

(Transferee)

Madras-6, the 16th April 1975

Ref. No. F. XIX/22/1A/74-75.—Whereas, I K. V. Rajan, being the Competent Authority under section 269D of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 66, 67, 68, 69 and 71 situated Lakshmeepuram 2nd Street, courtlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tenkasi on September, 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) (1) Shri Sitta R. Rajaram,
- (2) Shri Sitta R. Janardanan,
- (3) Shri Sitta R. Gobinath,
- (4) Shri Sitta R. Surendran,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring about 1.65 acres and building situated at door Nos. 66, 67, 68, 69, and 71 (R.S. No. 23/2A, 2A, 1A, 1A, 1A, 1A 2) Lakshmeepuram 2nd Street Courtlam.

K. V. RAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range-I,  
Madras-6.

Date : 16-4-1975  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri V. S. P. Raman,  
15, Sannadhi Street, Polur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)(2) Shri T. S. Baba Sahib,  
No. 8, Jabar Sahib Street, Polur.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1,  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 23rd April 1975

Ref. No. F. XX/14/2C/1974-75.—Whereas, I K. V. Rajan, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 96/1 situated at Karunika Street, Polur Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Polur on October, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 84 cents and building in Survey No. 96/1, Karunika Street, Polur.

K. V. RAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range-1,  
Madras-6.

Date : 23-4-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri V. P. Barathwajan,  
15, Sannadhi Street, Polur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE 1  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6(2) Shri T. S. Baba Sahib,  
No. 8, Jabar Sahib Street, Polur.

(Transferee)

Madras-6, the 23rd April 1975

Ref. No. F.XX/14/2B/1974-75.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the Competent Authority under section 269D of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door S. Nos. 97, 98 and 98/1B situated at Karunika Street, Polur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Polur on September 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Laud measuring about 65 cents in S. Nos. 97, 98/8 and 98/1B and building at Karunika Street, Polur.

K. V. RAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range-1,  
Madras-6.

Date : 23-4-1975

Seal :

## FORM ITNS

(1) M/s. V. S. Pattabiraman & V. P. Anand,  
No. 15, Samnadh Street, Polur,  
town

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri T. S. Baba Sahib,  
No. 8, Jabar Sahib Street, Polur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1,  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 23rd April 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. F, XX/14/2A/1974-75.—Whereas I K. V. Rajan, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. S. No. 266 situated Karunika Street, Polur Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Polur on September 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Land measuring about 11091 sq. ft. and building situated at Karunika Street Polur and bearing Survey No. 264.

K. V. RAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range-1,  
Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

23—96GU/75

Date : 23-4-1975

Seal :

FORM I.T.N.S.

(2) Mrs. Shanta, Mrs. Lila Bai, Mrs. Hira Bai & Mrs. Kala, 12A & 12B, Govindappa Naicken Street, Madras-1.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1,  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 29th April 1975

Ref. No. F. IX/1/41/74-75.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door No. 12A and 12B situated Govindappa Naick St., Madras-1, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras on September 1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Mohammed Adam Sait,  
14, Marshall Road, Madras-8.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring about 2301 sq. ft. and building at door Nos. 12A & 12B, Govindappa Naicken St., Madras-1 (R.S. Nos. 10566/1 & 10566/2).

K. V. RAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range-1,  
Madras-6.

Date : 29.4.75

Seal :

FORM ITNS-----

(1) Shri S. Naraindas,  
9, Nyniappa Maistry St., Park Town, Madras.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Universal Enterprises,  
415, Poonamallee High Road, Madras.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1.  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 29th April 1975

Ref. No. F. IX/3/97/74-75.--Whereas, I, K. V. RAJAN, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing door

No. 415 situated Poonamallee High Road, Madras-10, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras on September 1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Land measuring about 8 grounds and 840 sq. ft. and building bearing door No. 415, Poonamallee High Road, Madras (R.S. No. 154 part).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

K. V. RAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range-1,  
Madras-6.

Date : 29-4-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri K. M. S. L. Sundararaman,  
165A, Alagar Koil Road, Madurai.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri M. Singaram Chettiar,  
No. 6, Mal I Street, Madurai  
(now at 165A, Alagar Koil Road, Madurai).

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1,  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 16th April 1975

Ref. No. F.X/1(1)/22/74-75.—Whereas, I, K. V. Rajan, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 165A, situated at Alagar Koil Road, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR-I, Madurai on 9-9-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land and building measuring 20461 sq. ft. at No. 165A, Alagar Koil Road, Madurai (R.S. No. 831/2/3).

K. V. RAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range-1,  
Madras-6.

Date : 16-4-1975  
Seal :



## FORM ITNS

(2) Shri M. F. Mehta,  
5-A, Waddel Road,  
Kilpauk, Madras-10.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-1.  
123, MOUNT ROAD, MADRAS-6

Madras-6, the 11th April 1975

Ref. No. E. IX/3/76/74-75.—Whereas, I, K. V. RAJAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. 15 situated at Harrington Road, Chetput, Madras  
(and more fully described in  
the Schedule annexed hereto), has been transferred under the  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering officer at

at JSR.II, Madras on September, 1974

for an apparent consideration which is less  
than the fair market value of the aforesaid property and I  
have reason to believe that the fair market value of the  
property as aforesaid exceeds the apparent consideration  
therefor by more than fifteen per cent of such apparent  
consideration and that the consideration for such transfer as  
agreed to between the Parties has not been truly stated in the  
said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferor for the purposes of the Indian  
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the  
said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of section 269D of the said Act, to the following persons,  
namely:—

(1) Shri J. H. Tarapore, No. 12, Landons Road,  
Kilpauk, Madras-10.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a  
period of 45 days from the date of publication  
of this notice in the Official Gazette or a  
period of 30 days from the service of notice  
on the respective persons, whichever period  
expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXA of  
the said Act, shall have the same meaning  
as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant land measuring about 4 grounds and 744 sq. ft. at  
No. 15, Harrington Road, Madras-31 (R.S. No. 324 & 329).

K. V. RAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-tax, Acquisition Range-1,  
Madras-6.

Date : 11-4-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Nathuram Friends Colony Co-operative House Building Society Ltd. Mathura Road, New Delhi.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Manmohan Khanna S/o Late Shri Mehr Chand Khanna, 59, Friends Colony (East) Mathura Road, New Delhi.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(Person(s) in occupation of the property).

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
4/14A, ASAF ALI ROAD, 3RD FLOOR, NEW DELHI

(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

New Delhi, the 6th May 1975

Ref. No. IAC/ACQ.-I/SR.III/Nov.II/523(35)/74-75/575.—  
Whereas, I, C. V. Gupta,  
being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 59, situated at Friends Colony (East) Mathura Road N. Delhi,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 30-11-1974,  
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land bearing No. 59, situated at Nathuram Friends Colony (East), Mathura Road, New Delhi admeasuring 1930 sq. yds. (approx.) and bounded as under :—

North : Plot No. 59A.  
South : Plot No. 58A.  
West : Main Road.  
East : Service Road.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 6-5-1975.

Seal :

\*Strike off where not applicable).

C. V. GUPTA,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

## FORM ITNS—

(2) Shri S. N. Telang, (H.U.F.), 74/1, Geographical Society Marg, East Maradpally, Secunderabad-26.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Shri J. H. Shah, 415-A, Shivajingar, Chaturisinghi Road, Poona-15.  
(Person in occupation of the property).

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE, 60/61, FRANDAWANA, KARVE ROAD, POONA-411004

Poona, the 8th May 1975

Ref. No. C.A.5/August'74/Haveli-II(Poona)/194/75-76.—  
Whereas, I, S. P. Krishnamurthy, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Final Plot No. 415-A, Shivajingar, situated at Shivajingar, Poona, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli-II (Poona), on 27-8-1974, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:

- (1) Shri R. S. Gaitonde, Radha Mandir, Bhalchandra Road, Matunga, Bombay-19.  
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Freehold building. Built in 1965-67, Final Plot No. 415A, Shivajingar, Chaturisinghi Road, Poona-15.

Area of the plot: 5825 Sq. ft., Ground Floor 1778 Sq. ft., First Floor—1281 Sq. ft.

S. P. KRISHNAMURTHY,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Poona.

Date: 8-5-1975.  
Seal:

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
JYOTHI BUILDINGS, GOPOLA PRABHU ROAD,  
ERNAKULAM, COCHIN-11

Cochin-11, the 5th May 1975

Ref. L.C.35/75-76.—Whereas, I, K. Rajagopalan, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. Nos. As per schedule, situated at Punalur Village in Quilon Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Punalur on 1-8-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Shri T. K. Oommen, s/o Shri Kurien Mg. Director,  
Babe Rubber Estates Ltd., Babe Estate Bangalow  
Punalur.

(Transferor)

(2) Shri Shajahan, s/o Shri Muhammed Kuju, Shajiman-  
zil, Valakkot Muri, Punalur Village, Punalur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

10 acres rubber estate in Sy. Nos. 599/1/77, 599/1/152, 599/1/153, 599/1/154, 599/1/160, 599/1/161, 599/1/164, 599/1/227 in Punalur Muri in Punalur Village in Quilon Dist.

K. RAJAGOPALAN,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 5-5-75.

Seal :

FORM ITNS—

(2) Shri N. Krishna, Krishna Bhandar, Mundakkal,  
Quilon.  
(Transferee)NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
COCHIN-11

Cochin-11, the 5th May 1975

Ref. L.C. No. 34/75-76.—Whereas, I, K. Rajagopalan, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 12854, situated at Mayyanadu Village in Quilon, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Quilon, on 20-8-74,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri N. Ramachandra Reddiar Cheriyaamadathil,  
Pallithottom, Quilon.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

2 acres 27 cents of land with cashew factory buildings in Sy. No. 12854 of Mayyanadu Village in Quilon.

K. RAJAGOPALAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 5-5-75.  
Seal :

FORM ITNS

(2) M/s. The Palghat Malleables Ltd., Palghat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,  
'JYOTHI BUILDINGS', GOPALA PRABHU ROAD,  
ERNAKULAM, COCHIN-11

Cochin-11, the 5th May 1975

Ref. L.C. No. 22/45-76.—Whereas, I, K. Rajagopalan, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Nos. Sy. Nos. 12/5, 12/7, 12/8, 13/1A, 13/1B and 13/1C, situated at Marutharode Amsom Desom in Palghat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palghat on 23-8-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

2 acres 43 cents of land with buildings in Sy. Nos. 12/5, 12/7, 12/8, 13/1A, 13/1B and 13/1C in Marutharode Amsom Desom in Palghat.

K. RAJAGOPALAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam.

(1) M/s Malleable Tube Products of India, Palghat.  
(Transferor)

Date : 5-5-75,  
Seal :

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUI-  
SITION RANGE,'JYOTHI BUILDINGS' GOPALAPRABHU ROAD,  
ERNAKULAM, COCHIN-11.

Cochin-11, the 5th May 1975

Ref. L.C. 36/75-76.—Whereas, I, K. Rajagopalan, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Nos. as per Schedule, situated at Punalur Village in Quilon District, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Punalur, on 1-8-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or their assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri T. K. Oommen, s/o Shri Kurien, Managing Director, Bebe Rubber Estates Ltd., Bebe Estate Bungalow, Punalur.

(Transferor)

(2) Shri Muhammed Kunju, s/o Sri Pareed Kunju, Shajimanzil, Punalur Village, Punalur.

(Transferee)

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

9 acres 28 cents in Sq. Nos. 599/1/77, 599/1/152, 599/1/153, 599/1/154, 599/1/160, 599/1/161, 599/1/164, 599/1/227 in Punalur Muri in Punalur Village in Quilon District.

K. RAJAGOPALAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 5-5-75.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
'JYOTHI BUILDINGS' GOPALAPRABHU ROAD,  
ERNAKULAM, COCHIN-11.

Cochin-11, the 5th May 1975

Ref. No. L.C. 37/75-76|—Whereas, I, K. Rajagopalan, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Sy. Nos. as per Schedule, situated at Punalur Village in Quilon District, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Punalur on 21-8-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri T. K. Oommen, s/o Shri Kurien Managing Director, Bebe Rubber Estates Ltd., Bebe Estate Bungalow, Punalur.

(Transferor)

(2) Shri Shajahaz, s/o Muhamed Kunju Shaji manzil, Valakkpt, Punalur Muri, Punalur Village, Quilon.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

10 acres rubber estate in Sy. Nos. 599/1/77, 599/1/152, 599/1/153, 599/1/154, 599/1/160, 599/1/161, 599/1/164, 599/1/227 in Punalur Muri in Punalur Village in Quilon District.

K. RAJAGOPALAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 5-5-75.

Seal :



FORM ITNS—

(2) Shri K. B. G. Rao Estate (HUF), Represented by  
Manager Kartha Shri K. B. Govinda Rao, s/o Shri  
K. B. Devadasa Rao, Katcherri Amsom, Calicut.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
'JYOTHI BUILDINGS' GOPALAPRABHU ROAD,  
ERNAKULAM, COCHIN-11.

Cochin-11, the 6th May 1975

Ref. L. C. No. 39/75-76.—Whereas, I, K. Rajagopalan, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and Sy. No. as per schedule, situated at Nagarom Amsom Desom in Calicut, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chalappuram on 21-8-74, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 169D of the said Act, the following persons, namely :—

- (1) Shri Vishindas Pocker Das, s/o Shri Pocker Das, Banker, Nagarom, Calicut.

(Transferor)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) be any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th right centre 1st and 2nd floor and open terrace on the 2nd floor of the building No. 11/179 C of the Corporation of Calicut, situated in Sy. No. 39/6A (R.S. 11-2-75/2), in Nagarom Amsom Desom in Calicut.

K. RAJAGOPALAN,  
Competent Authority.

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 6-5-75.

Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR.

Kanpur, the 15th April 1975

Ref. F. No. Acq/131/Mrt/74-75/115.—Whereas, I, Y. KHOKHAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 41, situated at Satya Nagar, Garh Road, Distt. Meerut (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Meerut on 19-9-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Satya Prakash Goel,  
S/o L. (late) Banwari Lal Ji,  
Ram Nagar, Distt. Meerut.

(Transferor)

- (2) Shri Ganga Sharan S/o  
Shri Chiranji Lal, 48, Thatherwara,  
Distt. Meerut.

(Transferee)

- (3) Transferor.  
[Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One house single storeyed bearing No. 41, situated at Satya Nagar, Garh Road, Distt. Meerut, transferred for apparent consideration of Rs. 40,000/-.

Y. KHOKHAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range,  
Kanpur.

Date : 15-4-1975.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR.

Kanpur, the 16th April 1975

Ref. F. No. Acq/129/Agra/74-75/116.—Whereas, I, Y. KHOKHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5686, situated at Faridpur No. 358 and 360 situated at Sikh Gurudwara byepass Road, Agra,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

Agra on 5-8-1974

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Shyam Sunder, Satyamev  
and Raghubir Ss/o Bhimsen,  
R/o Mauza Kakretha, Tehsil and Distt. Agra.  
(Transferor)(2) Shri Parashuram Nagar,  
Sahkari Grah Nirman Samiti Ltd.,  
Agra, through Secretary, Ramesh Chand Sharma.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 3 bighas and 5 biswas out of khata No. 358(1-15-0) and 360(1-10-0) situated at Sikh Gurudwara Bypass Road, Agra, transferred for apparent consideration of Rs. 48,750/-.

Y. KHOKHAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range,  
Kanpur.Date : 16-4-1975.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR.

Kanpur, the 16th April 1975

Ref. F. No. Acq/5/Auraiya/74-75/117.—hereas, I, Y. KHOKHAR, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jullundur.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 89, situated at Mauja Gyanpur Imam Ali Parg, Auraiya, Distt. Etawah.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Auraiya on 23-8-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Shri Radha Kishan and Ram Sanehi,  
Ss/o Sri Chhadami Lal,  
R/o Kasba Auraiya, Mohalla Thathrahi,  
Sangh Nagar and Tilak Nagar, Parg, Auraiya,  
P.O. Auraiya, Distt. Etawah.  
(Transferor)
- (2) Shrimati Sheeladevi W/o Surendra Kumar,  
Gurdayalprasad, Chootey Lal & Atmaram,  
Ss/o Puttu Lal, R/o Mohalla Gurhai, Porwai  
Colony, Auraiya and  
Ramsewak, Sureshchand & Jagdishchand  
Ss/o Ram Lal R/o Moh. Khirki Sahibrai,  
Auraiya, and Smt. Ushadevi W/o Satishchand  
Gupta R/o Moh. Homaun Bharthana and  
Santosh Kumar S/o Gurdayalprasad & Roop Ram  
S/o Janki Parsad, R/o Gurhai Porwal Colony,  
P.O. Parg. Auraiya, Etawah.  
(Transferee)
- (3) Transferors.  
[Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 5.87 acres out of plot No. 89 (bhumi-dhari land) situated in Mauja Gyanpur Imam Ali, Pargana Auraiya, Distt. Etawah, transferred for apparent consideration of Rs. 52,600/-.

Y. KHOKHAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range,  
Kanpur.

Date : 16-4-1975.

Seal ;

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR.

Kanpur, the 15th April 1975

Ref. F. No. 140/Acq/Ghaziabad/74 75/119 —Whereas, I, Y. KHOKHAR,

being the Competent Authority under section 269B of income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule, situated at Lajwanti Market, now Rishi Market, Village Loni Parg Loni, Teh. Ghaziabad, Distt. Meerut.

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ghaziabad on 31-8-1974

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

25—96 GI/75

- (1) Shri Kanta Prasad S/o L. Balaam  
R/o 8-B, Gujranwala, Town Delhi, Mukhtaram,  
S. Surendrapal Singh and S. Sampooran Singh,  
Ss/o S. Pratap Singh, R/o 1/124, Janpat Lane,  
New Delhi and Smt Mahendra Kaur W/o  
S. Ramnik Singh R/o Shishal Hotel, Simla and  
S. Mahendra Singh S/o S. Pratap Singh,  
R/o Palasia, Indore and S. Sampooran Singh  
S/o S. Pratap Singh, R/o 1/124, Janpat Lane,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Ashok Kumar  
S/o L. Kanta Prasad,  
R/o D-1/31, Model Town, Delhi-9.

(Transferee)

- 3) Transferee  
[Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 4796 sq. yds. out of Khasra No. 1359 and plot Nos. 108, 109, 110, 111, 112, 113, 114, 115 and 116 and 117 and 118 and 119, each measuring 200 sq. yds; and out of Khasra No. 1358, plot Nos. 122, 123, 124, 125, 126, and 127 each measuring 266 sq. yds. and out of Khasra No. 1357/2 plot Nos. 81, 82, 83, 194 and 195, each plot measuring 160 sq. yds., situated at Lajwanti Market, now Rishi Market, Village and Pargana Loni, Tehsil Ghaziabad, Distt. Meerut, transferred for apparent consideration of Rs. 20,000/-.

Y. KHOKHAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of  
Income-Tax, Acquisition Range,  
Kanpur.

Date : 15-4-1975.

Seal :

FORM I.U.N.S. ———

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR.

Kanpur, the 15th April 1975

Ref. F. No 141/Acq./Ghaziabad/74-75/120.—Whereas, I, Y. KHOKHAR, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule, situated at Lajwanti Market, now Rishi Market Village Loni Pargana Loni, Teh. Ghaziabad, Distt. Meerut, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 12-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Kanta Prasad S/o L. Balaram  
R/o 8-B, Gujranwala, Town Delhi, Mukhtaram,  
S. Simeendrapal Singh and S. Sampooran Singh  
Ss/o S. Pratap Singh, R/o 1/124, Janpat Lane,  
New Delhi and Smt. Mahendra Kaur W/o  
S. Ramnik Singh R/o Shishal Hotel, Simla and  
S. Mahendra Singh S/o S. Pratap Singh,  
R/o Pilasia, Indore and S. Sampooran Singh  
S/o S. Pratap Singh, R/o 1/124, Janpat Lane,  
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Satish Kumar S/o  
L. Kanta Prasad R/o D-1/31, Model Town,  
Delhi-9.

(Transferee)

(3) Transferee.  
[Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 4840 sq. yds. out of khasra No. 1369 (plot No. 17 area 200 sq. yds.), khasra No. 1359 & 1360 (plot No. 26 area 200 sq. yds.) 1359 (plot Nos. 29, 30, 31 each measuring 160 sq. yds.) 1359 and 1360 (plot Nos. 32 and 33 each measuring 160 sq. yds.) 1359 (plot Nos. 49, 50, 51, 54, 55, 56, 57, 58, 65, 66, 67, 68, 69 each measuring 200 sq. yds. except plot No. 49 (150 sq. yds.) plot No. 65 measuring 260 sq. yds.), Khasra Nos. 1358 and 1359 (plot No. 70, 71 and 72 each measuring 200 sq. yds.) and out of khasra Nos. 1360 and 1359 (plot No. 34 measuring 430 sq. yds.), situated at Lajwanti Market (now Rishi Market) Village Loni, Pargana Loni, Tehsil Ghaziabad, Distt. Meerut.

Y. KHOKHAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Kanpur.

Date: 15-4-1975.  
Seal:

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR.

Kanpur, the 15th April 1975

Ref. F. No. Acq/142/Ghaziabad/74-75/121.—Whereas, I, Y. KHOKHAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule, situated at Lajwanti Market, now Rishi Market, Village Loni, Parg, Loni, Teh. Ghaziabad, Distt. Meerut.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 12-8-1974,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kanta Prasad S/o L. Balaram  
R/o 8-B, Gujranwala, Town Delhi, Mukhtaram,  
S. Surendrapal Singh and S. Sampooran Singh,  
S/o S. Pratap Singh, R/o 1/124, Janpat Lane,  
New Delhi and Smt. Mahendra Kaur W/o  
S. Ramnik Singh R/o Shishal Hotel, Simla and  
S. Mahendra Singh S/o S. Pratap Singh,

R/o Pilasia, Indore and S. Sampooran Singh  
S/o S. Pratap Singh, R/o 1/124, Janpat Lane,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Satish Kumar S/o  
L. Kanta Prasad R/o D-1/31, Model Town,  
Delhi-9.

(Transferee)

- (3) Transferee.  
[Person in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 4965 sq. yds. out of khasra No. 1357/2 (plot Nos. 189, 190, 191, 192, 193 each measuring 233 sq. yds.; 196, 197, 198, 199 and 200 each measuring 160 sq. yds.) 1357/3 (plot Nos. 129, 130, 131, 132, 133, 134, 135, 136, 137, 138, 139, 140, 141, 142 and 143 each measuring 200 sq. yds. situated at Lajwanti Market (now Rishi Market), Village Loni, Pargana Loni, Tehsil Ghaziabad, Distt. Meerut, transferred for apparent consideration of Rs. 20,000/-.

Y. KHOKHAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Kanpur.

Date : 15-4-1975.  
Seal :

## FORM ITNS—

R/o Pilasta, Indore and S. Sampooran Singh  
S/o S. Pratap Singh, R/o 1/124, Janpat Lane,  
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Raj Kumar S/o Sri Kanta Prasad R/o D-1/31,  
Model Town, Delhi-9.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR.

(3) Transferee.  
[Person in occupation of the property].

Kanpur, the 15th April 1975

Objections, if any to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. E. No. Acq/137/Ghaziabad/74-75/122 —Whereas, I,  
Y. KHOKHAR,

being the competent authority under section 269B of the  
Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe  
that the immovable property, having a fair market value  
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule, situated at Lajwanti Market, now Rishi  
Market, Village Loni Parg. Loni, Teh. Ghaziabad, Distt.  
Meerut.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad  
on 21-8-1974

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons which-  
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used  
herein as are defined in Chapter  
XXA of the said Act shall have the same  
meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor  
to pay tax under the said act in respect of any  
income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said act or the Wealth tax Act,  
1957 (27 of 1957).

Land measuring 4893 sq. yds. out of khasia No. 1357/2,  
and plots No. 168, 169, 170, 171, 172, 173, 174, 175, 176,  
177, 178, 179, 180, 181, 182, 183, 184, 185, 186, 187 and  
188, each measuring 233 sq. yds. situated at Lajwanti Market,  
now Rishi Market, Village Loni, Pargana Loni, Tehsil Gha-  
ziabad, Distt. Meerut, transferred for apparent consideration  
of Rs. 20,000/-.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said act to the  
following persons, namely :—

- (1) Shri Kanta Prasad S/o L. Baletam  
R/o 8-B, Gujranwala, Town Delhi, Mukhtarani,  
S. Surendrapal Singh and S. Sampooran Singh,  
Ss/o S. Pratap Singh, R/o 1/124, Janpat Lane,  
New Delhi and Smt. Mahendra Kaur W/o  
S. Ramnik Singh R/o Shishal Hotel, Simla and  
S. Mahendra Singh S/o S. Pratap Singh,

Y. KHOKHAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner  
of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Kanpur.

Date : 15-4-1975.

Seal :



## FORM ITNS—

R/o Pilasia, Indore and S. Sampooran Singh  
S/o S. Pratap Singh, R/o 1/124, Janpat Lane,  
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ashok Kumar S/o  
L. Kanta Prasad R/o D-1/31, Model Town,  
Delhi-9.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR.

Kanpur, the 15th April 1975

Ref. F. No. Acq/138/Ghaziabad/74-75/123.—Whereas, I, Y. KHOKHAR, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule, situated at Lajwanti Market, now Rishi Market, Village Loni Parg. Loni, Teh. Ghaziabad, Distt. Meerut, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Ghaziabad on 12-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kanta Prasad S/o L. Baleram  
R/o 8-B, Gujranwala, Town Delhi, Mukhtaram,  
S. Surendrapal Singh, S. Sampooran Singh,  
Ss/o S. Pratap Singh R/o 1/124, Janpat Lane,  
New Delhi and Smt. Mahendra Kaur W/o  
Sri Ramnik Singh R/o Seeshal Hotel, Simla and  
S. Mahendra Singh S/o. S. Pratap Singh,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any other person interested in the said of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 4879 sq. yds. out of khasra Nos. 1357/2, plot Nos. 167 and 193-A each measuring 333 sq. yds., out of khasra No. 1369, plot No. 86 measuring 750 sq. yds., khasra No. 1360, plot Nos. 88, 89, 90, 91, 96 and 97, each measuring 200 sq. yds. khasra No. 1359 plot No. 100 measuring 260 sq. yds., out of khasra Nos. 1359 and 1360 plot Nos. 101, 102, 103, 104, 105 each measuring 200 sq. yds., out of Khasra No. 1369, plot No. 18 measuring 133 sq. yds., khasra Nos. 1358 and 1359, plot Nos. 73 and 74, each measuring 200 sq. yds. plot No. 75 measuring 150 sq. yds. out of khasra No. 1357/2, plot Nos. 79 and 80 each measuring 160 sq. yds., situated at Lajwanti Market (now Rishi Market, Village Loni, Pargana Loni, Tehsil Ghaziabad, Distt. Meerut, Transferred for Rs. 20,000/-.

Y. KHOKHAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Kanpur.

Date : 15-4-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR.

Kanpur, the 15th April 1975

Ref. F. No. Acq/139/Ghaziabad/74-75/124.—Whereas, I, Y. KHOKHAR, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule, situated at Laiwanti Market, now Rishi Market, situated in Village Loni Parg Loni, Teh. Ghaziabad, Distt. Meerut (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghaziabad on 31-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration on such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Kanta Prasad S/o L. Balaram  
R/o 8-B, Gujranwala, Town Delhi, Mukhtaram,  
S. Surendrapal Singh and S. Sampooran Singh,  
Ss/o S. Pratap Singh, R/o 1/124, Janpat Lane,  
New Delhi and Smt. Mahendra Kaur W/o  
S. Ramnik Singh R/o Cecil Hotel, Simla and

S. Mahendra Singh S/o S. Pratap Singh,  
R/o Pilasia, Indore and S. Sampooran Singh  
S/o S. Pratap Singh, R/o 1/124, Janpat Lane,  
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Rai Kumari S/o  
I. Kanta Prasad R/o D-1/31, Model Town,  
Delhi-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 4920 sq. yds. out of khasra No. 1357/3, Plot Nos. 144, 145, 147, 146, 148, 149, 150, 151, 152, 153, 154, 155, 156, 157, 158, 159, 160, 161, 162, 163, 164, 165 and 166, each plot measuring 200 sq. yds. and plot No. 154-A measuring 320 sq. yds. out of khasra No. 1354, situated at Laiwanti Market, now Rishi Market, situated at Village and Pargana Loni, Tehsil Ghaziabad, Distt. Meerut, transferred for apparent consideration of Rs. 20,000/-.

Y. KHOKHAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Kanpur.

Date : 15-4-1975.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
KANPUR

Kanpur, the 15th April 1975

Ref. F. No. Acq/147/GbJ/74-75/125.—Whereas, I,  
Y. KHOKHAR,being the competent authority under Section 269B of the  
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearingNo. 9 and 10, 3, 4, 5, 6, 120, 121 Laxmi Ind. Enclave, Vill.  
Gharoti Khurd and Vill. Loni, Parg, Loni, Teh Ghaziabad,  
situated at Dist. Meerut.(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Ghaziabad on 27-8-1974for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lia-  
bility of the transferor to pay tax under the  
said Act in respect of any income arising from  
the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian  
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the  
said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of  
1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the  
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition  
of the aforesaid property by the issue of this notice  
under sub-section (1) of Section 269D of the said Act  
to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Rishi Land & Finance Co.,  
230 Chhota Bazar, Shahdara, Delhi,  
through Sri Banwarj Lal Gupta and Sri Behari  
Lal Gupta Ss/o L. Murari Lal,  
R/o 136 & 137, Gupta Bhawan,  
Bholanath Nagar, Shahdara, Delhi, and  
Sunil Kumar S/o Sri Kailash Chand and

Kailash Chand S/o Shri Musaddi Lal,  
R/o K-26, NDSE, Part-II, New Delhi and  
Sri Chandrabhan S/o Mangalsen,  
R/o 17, Deputy Ganj, Delhi-6,  
Rajesh Kumar S/o Shri P. C. Jain, 5021,  
Mendighas Pahari, Delhi,  
Partner and Prop. of above Firm.

(Transferor)

- (2) Sri Kanta Prasad S/o L. Baleiam,  
R/o 8-B, Gujranwala Town, Delhi,

(Transferee)

- (3) Transferee.

[Person(s) in occupation of the property].

Objection, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein  
as are defined in Chapter XXA of the  
said Act, shall have the same meaning  
as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Industrial plot No. 2 measuring 1666.66 sq. yds. plot No.  
10 measuring 1666.66 sq. yds., out of gata No. 110M. and  
khasra No. 286M., situated at Laxmi Industrial Enclave,  
Village Gharoti Khurd; and plot Nos. 3, 4, 5 and 6 each  
measuring 200 sq. yds. (60x30) out of gata No. 1369M. in  
village Loni; and plot No. 120 measuring 266 sq. yds. and  
plot No. 121 measuring 266 sq. yds. khasra No. 1359M.,  
situated in village Loni, Pargana Loni, Tehsil Ghaziabad,  
Distt. Meerut.

Y. KHOKHAR,  
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range,  
Kanpur.

Date : 15-4-1975.

Seal :

Form ITNS

(2) Shri Vishal Chand Jain and Sri Lal Chand Jain  
S/o Sri Ranjeet Singh Jain,  
R/o 127-C, Bulandshahar Road, Industrial Area,  
Ghaziabad, Meerut.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th April 1975

No ACQ/167/74-75/Gbd/126.—Whereas, I, Y. Khokhar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8, situated at Block 'B' Nasirpur residential colony Ashok Nagar, Loni Ghaziabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ghaziabad on 21-11-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Roshan Lal Seth S/o Sri Harnam Das Seth,  
149, New Gandhi Nagar, Ghaziabad, Distt. Meerut,  
presently R/o 18, Camec Street, Calcutta-17.  
(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 8 Block Number 'B' measuring 1259 sq. yds. situated at Nasirpur, residential colony Ashok Nagar, Pargana Loni, Tehsil Ghaziabad, Distt. Meerut, transferred for apparent consideration of Rs. 45,324/-.

Y. KHOKHAR,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 16-4-1975

Seal :

## Form ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th April 1975

No. Aq/63/Hapur/74-75/127.—Whereas, I, Y. Khokhar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. 19, situated at Shakerganj, Hapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hapur on 28-8-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

26-96 GI/75

(1) Shri Moti Lal Jain S/o L. Damadar Das Jain,  
R/o Kasba Hapur, Mohalla Katra Khairati Ram,  
Distt. Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Rajendra Kripal  
S/o Matru Mal,  
Kasba Hapur, Mohalla Railway Road, Hapur.

(Transferee)

(3) (Person in occupation  
of the property).

(4) Om Prakash S/o Nani Chand,  
19, Shakerganj, Hapur.  
(Person whom the undersigned knows to be interest-  
ed in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One shop, single storeyed bearing No. 19 and open land behind it measuring in all 636 sq yds., out of which only in 17 sq. yds. the shop is constructed, situated at Shakerganj, Hapur, transferred for apparent consideration of Rs. 35,000/-.

Y. KHOKHAR,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 16-4-1975

Seal

## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th April 1975

Ref. No. Acq/1070/Acq/Hapur/74-75/128.—Whereas, I, Y. Khokhar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 18 & 18/1 situated at Shankerganj, Garh Road, Hapur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hapur on 28-8-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Moti Lal Jain S/o Sri L. Damodar Das Jain, R/o Kasba Hapur, Mohalla Katra Khairati Ram, Distt. Meerut,

(Transferor)

- (2) Shri Kailash Kumar S/o L. Matru Mal, R/o Kasba Hapur, Mohalla Railway Road, Distt. Meerut.

(Transferee)

- (3) Shri Jagdish Chand, 18 and 18/1, Shankerganj, Hapur.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Two shops bearing No. 18 and 18/1, situated at Shankerganj, Garh Road, Hapur, Distt. Meerut measuring 12'×12' each alongwith chabutra measuring 12' width which is at the back of shops, transferred for apparent consideration of Rs. 22,600/-.

Y. KHOKHAR,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Kanpur.

Date : 16-4-1975

Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 22nd April 1975

No. Acq/223/KNP/74-75/166.—Whereas, I, Y. Khokhar, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 109/106 situated at Nehru Nagar, Kanpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 8-8-74

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Smt. Susheela Devi alias Gita W/o Dr. Binda Prasad and Sri Rajendra Kumar, Virendra Kumar, Ravindra Kumar Ss/o Dr. Binda Prasad, Rs/o Mohalla Terhi Gali, Sunder Niwas, Distt. Faizabad.

(Transferor)

(2) Shrimati Urmila Pathak W/o Sri Prem Kumar Pathak and Sri Narain Pathak and Anil Kumar Pathak, S/o Sri Raj Kumar Pathak, R/o P. Road, 108/87, Kanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House property No. 109/106, situated at Nehru Nagar, Kanpur transferred for apparent consideration of Rs. 48,000/-.

Y. KHOKHAR,

Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 22-4-1975

Seal :

## FORM ITNS.—

- (1) Shri Sajjan Singh S/o S. Jagat Singh and  
Smt. Harvansh Kaur W/o Sri Sajjan Singh,  
R/o 58-A, Ashok Nagar, Ghaziabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shrimati Darshana Devi W/o Sri Roshan Lal,  
R/o 429, Mohalla Moharam Shahdara, Delhi-32.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Kanpur, the 22nd April 1975

No. Acq/148/Gbd./74-75/167.—Whereas, I, F. J. Bahadur, being the competent authority under Section 269D of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 58-A situated at Ashok Nagar Colony, Ghaziabad, Meerut, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ghaziabad on 28-8-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One storeyed house bearing plot No. 58-A measuring 30' x 60' i.e. 200 sq. yds. situated at Ashok Nagar Colony, Ghaziabad, Distt. Meerut, transferred for apparent consideration of Rs. 40,000/-.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from and transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

F. J. BAHADUR,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 22-4-1975

Seal :



## FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 26th April 1975

No. Acq/230/KNP/74-75/168.—Whereas, I, F. J. Bahadur being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 126/R/1&2 situated at Govind Nagar, Kanpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 17-8-74 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Mulk Raj S/o Shri Daulat Ram,  
110/127, Ram Krishna Nagar, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shrimati Surinder Kaur W/o Sri Santokh Singh,  
126/R/1&2, Govind Nagar, Kanpur.

(Transferee)

\*(3) Shri Mohinder Singh, Kripal Singh, Mohinderjit,  
tenants in property No. 126/R/1&2, Govind Nagar,  
Kanpur. (Person in occupation of the property).

\*(4) As in 3 above.  
(Person whom the undersigned knows to be interested  
in the property).

Objections, if any, in the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a  
period of 45 days from the date of publication  
of this notice in the Official Gazette or a  
period of 30 days from the service of notice  
on the respective persons, whichever period  
expires later.

(b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of the notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXA of  
the said Act shall have the same meaning  
as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Single storeyed house property bearing No. 126/R/1&2 in  
an area of 493 sq. yds. situated at Govind Nagar, Kanpur,  
transferred for apparent consideration of Rs. 60,000/-.

F. J. BAHADUR,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 26-4-1975  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Kamla Jindal,  
8A, Alipore Road, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Machino Techno (Sales) Pvt. Ltd.  
8A, Alipore Road, Calcutta.

(Transferee)

(3) Vendor (Person in occupation of the property).

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, (3RD FLOOR),  
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Calcutta-16, the 16th May 1975

No. Ac-7/R-II/Cal/75-76.—Whereas, I, R. V. Lalmawia, being the competent authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8A situated at Alipore Road, Eastern Portion, P.S. Alipore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Registrar of Assurance, Calcutta on 23-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as give in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 8 cottahs 13 chittacks 29 sq ft. together with first floor of a building being premises No 8A, Alipore Road, Eastern Portion, P.S. Alipore, Calcutta.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957) :

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

R. V. LALMAWIA,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, (3rd Floor),  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 16-5-1975  
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(2) M/s Machino Techno (Sales) Pvt. Ltd.  
8A, Alipore Road, Calcutta.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Vendor (Person in occupation of the property).

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, (3RD FLOOR),  
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 16th May 1975

No. Ac-4/R-II/Cal/75-76.—Whereas, I, R. V. Lalmawia, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8A situated at Alipore Road, Eastern Portion, Alipore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurance, Calcutta on 23-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Murlidhar Jindal,  
8A, Alipore Road, Calcutta.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 8 cottahs 13 chittacks 29 sq ft. together with ground floor of a building being premises No. 8A, Alipore Road, Eastern Portion, P.S. Alipore, Calcutta.

R. V. LALMAWIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, (3rd Floor),  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 16-5-1975  
Seal :

FORM ITNS-----

(2) M/s Machino Techno (Sales) Pvt. Ltd.  
8A, Alipore Road, Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(3) Vendor (Person in occupation of the property).

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, (3RD FLOOR),  
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons, which-  
ever period expires later;

Calcutta-16, the 16th May 1975

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

No. Ac5/R-II/Cal/75-76.—Whereas, I, R. V. Lalmawia, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8A situated at Alipore Road, Eastern Portion, Alipore (and more fully described in the Schedule Annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Registrar of Assurance, Calcutta on 23-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Land measuring 8 cottahs 13 chittacks 29 sq ft. together with first floor of a building being premises No. 8A, Alipore Road, Eastern Portion, P.S. Alipore, Calcutta.

R. V. LALMAWIA,  
Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, (3rd Floor),  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Murlidhar Jindal,,  
8A, Alipore Road, Calcutta.

(Transferor)

Date : 16-5-1975

Seal :

FORM ITNS

(2) M/s Machino Techno (Sales) Pvt. Ltd.  
8A, Alipore Road, Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II, (3RD FLOOR),  
54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 16th May 1975

No. Ac-6/R-II/Cal/75-76.—Whereas, I, R. V. Lalmawia, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8A situated at Alipore Road, Eastern Portion Alipore P.S. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurance, Calcutta on 23-8-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Kamala Jindal,  
8A, Alipore Road, Calcutta.

\*(3) Vendor (Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 8 cottahs 13 chittacks 29 sq ft. together with first floor of a building being premises No. 8A, Alipore Road, Eastern Portion, P.S. Alipore, Calcutta.

R. V. LALMAWIA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, (3rd Floor),  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 16-5-1975

Seal :

(Transferor)

## FORM ITNS—

(2) Shri Pakhar Singh S/o Shri Atma Singh,  
R/o V. Lallian Kalan, Tehsil Jullundur.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 13th May 1975

No. AP870/75-76/Nakodar.—Whereas, I, Ravinder Kumar, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as in the scheduled situated at Nakodar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nakodar in August, 1974,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons namely :—

(1) Joginder Singh S/o Atma Singh,  
R/o Vill. Lallian Kalan Teh. Jullundur.  
(Transferor)

\* (3) As mentioned above in Sr. No. 2. [Person in occupation of the property]

\* (4) Any person interested in the property. [Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registered Deed No. 1430 of August, 1974 of the Registering Authority Nakodar.

RAVINDER KUMAR,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Jullundur.

Date: 13-5-1975

Seal :

\*(Strike off where not applicable).

Form I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 21st October 1974

Ref. No. 36/74-75.—Whereas, I S. Balasubramaniam, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1-7-10 situated at Bakaram, Mushirabad, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 30-9-1974 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Mir Liaquath Ali Khan, S/o Mir Abammed Ali Khan, 2. Hidayathunnisa Begum W/o Mir Liaquath Ali Khan, 3. Azeez Ali Khan S/o Mir Liaquath Ali Khan, 4. Mir Abammed Ali Khan S/o Mir Liaquath Ali Khan, 5. Mrs. Miraj Durdana D/o Mir Liaquath Ali Khan, 6. Shahnaz D/o Mir Liaquath Ali Khan, 7. Nazneem Ali Khan D/o Mir Liaquath Ali Khan, all residing at H. No. 10-2-287, Shanthinagar, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) 1. Sri Nandamuri Jayakrishna, S/o N. T. Rama Rao, 2. N. Sai Krishna, 3. N. Harikrishna, 4. N. Mohana Krishna, 5. N. Balakrishna, (6. N. Ramakrishna, 7. N. Jayashankar Krishna, all are Sons of Sri N. T. Rama Rao, and all residing at 4-1-427 Troop Bazar, Hyderabad. 8. Sri G. Lokeswari W/o Ganapathi Gnaneswar Rao, R/o Naidugudem Village, Nuziveedu Tal. Krishna Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property : The entire single storied building named "DONNY BOOK" and other structures out houses, Open land on eastern side compound wall, total covered area of the building 228 Sq Meters and including open land total area 6829.285 Sq. meters (8169 Sq. Yards) bearing Municipal No. 1-7-10 situated at Bakaram, Mushirabad, Hyderabad.

S. BALASUBRAMANIAM

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 21-10-1974.

Seal :

